Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24

website- www.dvpnews.in

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 121 ● वर्ष : 12 ● रायपुर, शनिवार 26 अक्टूबर 2024 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

हमारा जीवन धन के लिये ना हो, जीवन के लिये धन हो तो हम विरागता की ओर पहुंच पायेंगे।

Our life should not be for wealth but wealth should be for life only then we achieve emanciption.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

निष्ठा, नैतिकता और कुशलता के साथ निरंतर काम करने वालों को सहज ही सम्मान प्राप्त होता है : राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु

राष्ट्रपति मुर्मु के हाथों इंजीनियरिंग के होनहार विद्यार्थियों को मिला स्वर्ण पदक

- एनआईटी रायपुर के दीक्षांत समारोह में पहली बार राष्ट्रपति का आगमन
- राष्ट्र निर्माण में तकनीकी कौशल और ज्ञान के सही उपयोग पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने दिया जोर
- राज्यपाल रमेन डेका, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और केन्द्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू भी दीक्षांत समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए

रायपुर (विश्व परिवार)। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रायपुर के लिए आज 25 अक्टूबर का दिन ऐतिहासिक रहा। देश की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने आज संस्थान के 14वें दीक्षांत समारोह में अपनी गरिमामय मौजूदगी दी और 12 होनहार विद्यार्थियों को उनकी बेहतरीन शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए अपने हाथों से स्वर्ण पदक प्रदान किया। राज्यपाल श्री रमेन डेका, मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और केन्द्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू भी दीक्षांत समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। रायपुर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आज आयोजित एनआईटी के दीक्षांत समारोह में वर्ष 2023-24 में संस्थान से ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट और पीएचडी किए 1439 विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान की गईं। इनमें बी.टेक. और बी.आर्क. प्रोग्राम के 1044, एमसीए और एम.टेक. प्रोग्राम के 225 और पीएचडी के 170 विद्यार्थी शामिल थे।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने विद्यार्थियों को एनआईटी जैसे उत्कृष्ट शिक्षण संस्थान से शिक्षा ग्रहण कर डिग्री प्राप्त करने पर हृदय से बधाई दी। उन्होंने दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए विद्यार्थियों से कहा कि आज आप अपने जीवन के एक महत्वपूर्ण चरण को पूरा कर दूसरे चरण में प्रवेश कर रहे हैं। आप लोगों ने अपने परिश्रम और प्रतिभा के बल पर विशिष्ट मान्यता प्राप्त की है। विद्यार्थियों की सफलता में परिवार के प्रोत्साहन तथा प्राध्यापकों के मार्गदर्शन की निर्णायक भूमिका होती है। मैं सभी विद्यार्थियों के परिवार-जनों तथा प्राध्यापकों को भी बधाई देती हूं। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने अपने संबोधन में कहा कि तकनीक का विकास विज्ञान पर निर्भर होता है। इंजीनियरिंग में उत्कृष्ट योगदान देने के लिए अत्याधुनिक वैज्ञानिक प्रगति के बारे में जानकारी बनाए रखना आप सब के लिए सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि डिजिटल इनक्लुजन के क्षेत्र में भारत की सफलता ने पूरे विश्व को आश्चर्यचकित कर दिया है। हमारे देश में ऐसे अन्य उदाहरण प्रस्तुत करने की संभावनाएं और क्षमताएं विद्यमान हैं। एनआईटी रायपुर जैसे उच्च तकनीकी शिक्षण संस्थानों और आप जैसे युवाओं में यह उत्साह होना चाहिए कि ऐसी संभावनाओं को समझें और उन्हें कार्यरूप प्रदान करें। आप अपने योगदान का दायरा जितना अधिक विस्तृत करेंगे, उतना ही अधिक आपका व्यक्तिगत विकास होगा। बड़ी सोच, बड़ी आकांक्षाओं को जन्म देती है। बड़ी आकांक्षाएं ही प्रभावशाली यथार्थ का रूप लेती हैं। राष्ट्रपति ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि जो व्यक्ति अपना काम पूरी निष्ठा, नैतिकता और कुशलता के साथ निरंतर करते रहते हैं, उन्हें सहज ही लोगों का सम्मान प्राप्त होता है। आप सभी लगन के साथ कर्तव्य पथ पर आगे बढ़ते रहिए। सफलता और प्रतिष्ठा आपका अनुसरण करेंगी। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति और वैज्ञानिक डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का उदाहरण देते हुए कहा कि दूसरों के कल्याण के लिए कार्य करना व्यक्तिगत जीवन को सार्थक और सामाजिक जीवन को बेहतर बनाता है। पूर्व राष्ट्रपति डॉ. कलाम ने विज्ञान और तकनीक का देश की सुरक्षा और समाज कल्याण के लिए उपयोग करते हुए अपार यश अर्जित किया। राष्ट्रपति ने दीक्षांत समारोह में कहा कि भारत सरकार ने देश को ग्लोबल सेमीकंडक्टर मेनुफैक्चरिंग हब बनाने तीन वर्ष पहले इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन का शुभारंभ किया है। आर्थिक विकास, राष्ट्रीय सुरक्षा और टेक्नोलॉजिकल सेल्फ-रिलायंस की दृष्टि से सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री बहुत महत्वपूर्ण है। इस उद्योग में युवा इंजीनियरों को रोजगार तथा स्टार्ट-अप्स के अनेक अवसर मिलेंगे। उन्होंने कहा कि हमारे देश के प्रतिभाशाली इंजीनियर्स ने ऐसे अनोखे उद्यम स्थापित किए हैं, जिनके बारे में कोई कल्पना भी नहीं कर सकता था। आप जैसे इंजीनियरिंग टैलेंट पूल के बल पर देश में महत्वाकांक्षी योजनाएं बनाई जा रही हैं, उनको कार्यरूप दिया जा रहा है।

राष्ट्रपति ने इन टॉपर्स को अपने हाथों से दिया स्वर्ण पदक

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने एनआईटी के वर्ष 2023 के विभिन्न इंजीनियरिंग शाखाओं के 11 टॉपर्स को स्वर्ण पदक प्रदान किया। उन्होंने कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग तथा एनआईटी के ओवर-ऑल टॉपर यश बंसल को दो स्वर्ण पदक प्रदान किए। राष्ट्रपति ने बैचलर ऑफ आर्किटेक्चर के टॉपर अंकित महोबिया, बायो मेडिकल इंजीनियरिंग की टॉपर ईशिका जैन, बायो टेक्नोलॉजी के टॉपर सिब्बू कुमार सिंह, केमिकल इंजीनियरिंग की टॉपर शिखा राय, सिविल इंजीनियरिंग की टॉपर मुस्कान अग्रवाल, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के टॉपर शुभम अग्रवाल, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग के टॉपर अभिषेक कुमार, इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी की टॉपर दिशा जैन, मेटा एंड मटेरियल्स इंजीनियरिंग के टॉपर प्रखर जाधव और माइनिंग इंजीनियरिंग के टॉपर प्रियांशु कुमार को स्वर्ण पदक प्रदान किया।

चिकित्सक हमेशा मानवीय मूल्यों के साथ कार्य करें : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) का द्वितीय दीक्षांत समारोह

रायपुर (विश्व परिवार)। राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मु ने आज एम्स रायपुर के द्वितीय दीक्षांत समारोह में संस्थान के 10 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक एवं पदोपाधि तथा 514 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मेडिकल प्रोफेशनल का कार्य अत्यंत जिम्मेदारी भरा होता है, उनके निर्णय जीवन रक्षा से जुड़े होते हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि यहां से उत्तीर्ण चिकित्सक एवं पैरा मेडिकल छात्र इस जिम्मेदारी और उत्तरदायित्व का निर्वहन पूरी तन्मयता और क्षमता के साथ करेंगे। उन्होंने उपाधि एवं पदोपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके स्वर्णिम भविष्य की कामना की। इस अवसर पर राज्यपाल श्री रमेन डेका, मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय, स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल, एम्स रायपुर के अध्यक्ष प्रो. जॉर्ज ए डिसूजा, एम्स के कार्यपालक निदेशक एवं सीईओ लेफ्टिनेंट जनरल अशोक कुमार जिंदल सहित एम्स रायपुर के चिकित्सक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने अपने उद्बोधन में आगे कहा कि जब आप सबने मेडिकल को अपना कार्यक्षेत्र चुना होगा, तो आपके मन में दया और संवेदना का भाव रहा होगा। आपको यह हमेशा याद रखना होगा कि दया, करूणा, संवेदना मानवीय मूल्य को मजबूत बनाते हैं। इसलिए हमेशा अपने कार्य क्षेत्र में इन जीवन मूल्यों के साथ कार्य करें। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने कहा कि भारत सरकार देश के सभी नागरिकों को स्वास्थ्य सुविधा पहुंचाने के लिए प्रयास कर रही है। पिछले एक दशक में देशवासियों को यूनिवर्सल हेल्थ कार्ड प्रदान करने के लिए अनेक कदम उठाए गए। आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत बड़ी संख्या में नागरिक लाभान्वित हो रहे हैं। प्रधानमंत्री जन औषधि योजना से सस्ती और गुणवत्तापूर्ण दवाई उपलब्ध हो रही है। पिछले 10 वर्षों में मेडिकल कॉलेज, एमबीबीएस और पीजी की सीटों में भी बढ़ोतरी हुई है। नए एम्स भी स्थापित किए गए हैं।

राज्यपाल रमेन डेका ने इस अवसर पर सभी स्नातक छात्रों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं और उनके सफल करियर की कामना की। उन्होंने कहा कि आज से आप, लोगों के लिए आशा की किरण होंगे। उन्होंने एम्स रायपुर की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि इस संस्थान ने छत्तीसगढ़ के साथ-साथ पूरे देश में स्वास्थ्य सेवा और चिकित्सा शिक्षा में उत्कृष्टता प्राप्त की है।

छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाना हमारी प्राथमिकता: विष्णुदेव साय

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु का छत्तीसगढ़ की 3 करोड़ जनता की ओर से स्वागत करते हुए कहा कि यह गौरव की बात है कि इस आदिवासी प्रदेश में स्थित मेडिकल और इंजीनियरिंग संस्थाओं की प्रतिभाएं आपकी उपस्थिति में दीक्षा पूरी कर रही है। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ में देश की लगभग सभी ख्यातनाम संस्थाएं स्थित हैं। ये संस्थाएं राज्य के भविष्य को रास्ता दिखाने वाली मशालें हैं। इनमें से ज्यादातर संस्थाएं यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की रूचि और पहल पर छत्तीसगढ़ को मिली हैं। एम्स रायपुर छत्तीसगढ़ के साथ-साथ महाराष्ट्र और ओडिशा के लोगों के लिए भी वरदान है। इस संस्थान ने अपनी व्यवस्था और विशेषज्ञता के लिए पूरे देश में नाम कमाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाना हमारी प्राथमिकता है।

जर्मन चांसलर ओलाफ के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुलाकात, भारत में निवेश का न्यौता

भारत ने हमेशा माना है कि युद्ध से समस्याओं का समाधान नहीं हो सकता है : प्रधानमंत्री मोदी

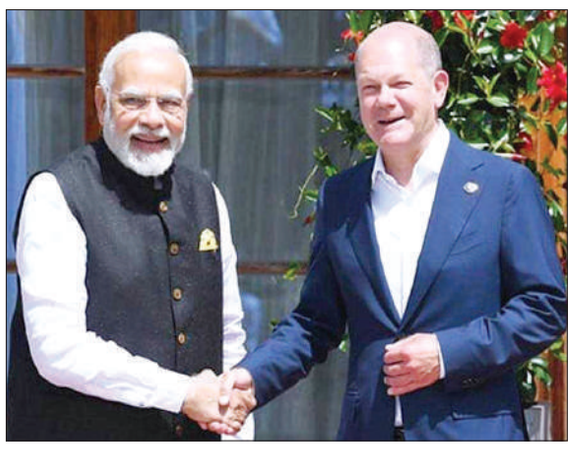

नई दिल्ली (विश्व परिवार)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को हैदराबाद हाउस में जर्मन चांसलर ओलाफ स्कोल्ज़ से मुलाकात की जर्मनी के चांसलर ओलाफ शोल्ज भारत के तीन दिनों के दौरे पर हैं. भारत पहुंचने पर उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की. इस दौरान पीएम मोदी ने जर्मनी के कारोबारियों को भारत में निवेश करने का न्योता भी दिया.

प्रधानमंत्री मोदी ने 18वें एशिया-पैसिफिक कॉन्फ्रेंस ऑफ जर्मन बिजनेस 2024 को संबोधित करते हुए कहा कि आज का दिन बहुत विशेष है. मेरे दोस्त ओल्फ शॉल्ज चौथी बार भारत आए हैं. यह भारत और जर्मनी के संबंधों पर उनके फोकस को दर्शाता और कहा कि यूक्रेन और पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष भारत और जर्मनी दोनों के लिए चिंता का विषय हैं और भारत शांति बहाली के लिए हर संभव योगदान देने के लिए तैयार है। जर्मन चांसलर स्कोल्ज़ के साथ एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में पीएम मोदी ने कहा कि भारत ने हमेशा माना है कि युद्ध से समस्याओं का समाधान नहीं हो सकता है। दोनों नेताओं के बीच कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई।

जर्मन चांसलर तीन दिन के भारत दौरे पर हैं और वह गोवा भी जाएंगे। प्रधानमंत्री मोदी की ओलाफ स्कोल्ज के साथ पहले से मुलाकात तय थी जिस कारण पीएम रूस के कजान में आयोजित 16वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के समापन से एक दिन पहले स्वदेश लौट आए। सूत्रों ने बताया कि बैठक के दौरान दोनों नेताओं के बीच स्वच्छ ऊर्जा, रणनीतिक संबंधों और व्यापार को सशक्त बनाने समेत कई अहम मुद्दों पर बातचीत हुई। **फोटो एवं स्टोरी- कमलनयन नारंग**

ओडिशा में 'दाना' ने मचाई तबाही, 400 उड़ानें और 750 से अधिक ट्रेनें रद्द

नई दिल्ली (आरएनएस)। चक्रवाती तूफान दाना ओडिशा के तट से टकरा गया है। तूफान की वजह से ओडिशा में कई स्थानों पर भारी बारिश हो रही है। मौसम विभाग के मुताबिक चक्रवात 'दाना' के पहुंचने की प्रक्रिया 24 और 25 अक्टूबर की मध्य रात्रि में शुरू हुई है। ओडिशा में 385 बचाव दलों को तैनात किया गया है। अभी तक तीन लाख लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। 7000 से अधिक शिविर स्थापित किए गए हैं। 2,300 से अधिक गर्भवती महिलाओं को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया है। चक्रवाती तूफान दाना की वजह से 750 से अधिक ट्रेनें और 400 फ्लाइट को रद किया गया है। बंगाल में 550 और ओडिशा में 203 ट्रेनों को रद किया गया है। भुवनेश्वर हवाई अड्डे पर गुरुवार को 40 उड़ानों को रद्द किया गया।

रायपुर दक्षिण उपचुनाव : भाजपा प्रत्याशी सुनील सोनी ने दाखिल किया नामांकन

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, मंत्री रामविचार नेताम समेत भाजपा के पदाधिकारी रहे मौजूद

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर दक्षिण विधानसभा उप चुनाव को लेकर भाजपा प्रत्याशी सुनील सोनी ने शुक्रवार को रैली निकाल कर रायपुर कलेक्ट्रेट में नामांकन दाखिल किया। इस दौरान बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता रैली में शामिल हुए। रैली भाजपा ऑफिस राजबंधा मैदान से होते हुए कलेक्ट्रेट पहुंची जहां पर भाजपा प्रत्याशी सुनील सोनी ने नामांकन दाखिल किया। रैली में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव, मंत्री रामविचार नेताम, रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू समेत भाजपा के तमाम पदाधिकारी और नेता मौजूद रहे।

नामांकन रैली में शामिल होने पहुंचे मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि, सुनील सोनी ने लम्बे समय तक रायपुर के जनता की सेवा की है। रायपुर दक्षिण क्षेत्र भाजपा का गढ़ है। इस सीट से बृजमोहन 35 साल तक विधायक रहे हैं। आगे साय ने कहा कि, बृजमोहन को केंद्र भेजा गया अब इस सीट से सुनील सोनी चुनाव लड़ रहे हैं। इसके साथ ही सीएम साय ने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि, जनता ने कांग्रेस को बड़ा जनादेश 70 विधायक दिए थे। लेकिन पांच साल तक कांग्रेस ने प्रदेश को लूटने का काम किया है। हर काम में कांग्रेस को पैसा दिखता था, भ्रष्टाचार करना कांग्रेस की संस्कृति है। मोदी की गारंटी साय- साय पूरी हो रही है।

छत्तीसगढ़ की रायपुर दक्षिण सीट पर 13 नवंबर को वोटिंग होनी है। आज नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि है। वहीं नाम वापस लेने की आखिरी तारीख 30 अक्टूबर है। गुरुवार 24 अक्टूबर तक रायपुर नगर (दक्षिण) उप निर्वाचन 2024 के लिए 24 उम्मीदवारों ने अपने नामांकन पत्र दाखिल किए हैं। डिप्टी ष्टरू अरुण साव ने कहा कि, दक्षिण का चुनाव एक-एक कार्यकर्ता के लिए महत्वपूर्ण चुनाव है। पिछले विस चुनाव में बृजमोहन अग्रवाल ने रिकॉर्ड बनाया था उस रिकॉर्ड को बरकरार रखना है। साव ने आगे कहा कि, सुनील सोनी ने लगातार विकास के काम किए हैं नामांकन रैली को देखकर कांग्रेस घबरा गई है। इसके अलावा डिप्टी सीएम साव ने कहा कि, दक्षिण क्षेत्र की जनता से आव्हान करता हूं की सुनील सोनी को ऐतिहासिक वोटों से विजयी बनाए।

नामांकन रैली के दौरान सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि, 9वीं बार दक्षिण विस में कमल का फूल खिलेगा। साथ ही अग्रवाल ने कहा कि, बृजमोहन दक्षिण का परमानेंट विधायक है अब सुनील सोनी क्षेत्र की सेवा करेंगे। आगे बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि, दक्षिण को दो विधायक मिल रहे है, दक्षिण में डबल गति से विकास होगा। कांग्रेस ने लूट मार मचाई है। जनता ने ताकत दिखा दी है अब सुनील सोनी को जीतने से कोई नहीं रोक सकता।

राष्ट्रपति श्रीमति द्रौपदी मुर्मु ने महतारी वंदन योजना की 9वीं किश्त जारी की

राज्य की 70 लाख महिलाओं को दी जा चुकी है अब तक 5878 करोड़ 37 लाख की राशि

रायपुर (विश्व परिवार)। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने छत्तीसगढ़ के पुरखौती मुक्तांगन में आयोजित कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ सरकार की महतारी वंदन योजना की 9वीं किश्त का अंतरण किया। इस योजना के तहत दीवाली से पहले राज्य की 69 लाख 68 हजार लाभार्थी महिलाओं के बैंक खाते में एक-एक हजार रूपए के मान से कुल 651 करोड़ 37 लाख रुपए की राशि ऑनलाईन अंतरित की गई। योजना के तहत अब तक राज्य की महिलाओं को कुल 5878 करोड़ 37 लाख रूपए की आर्थिक सहायता दी जा चुकी है।

इस अवसर पर राज्यपाल श्री रमेन डेका, मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय, उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव, केन्द्रीय आवास एवं शहरी विकास राज्य मंत्री श्री तोखन साहू, कृषि मंत्री श्री राम विचार नेताम, खाद्य मंत्री श्री दयाल दास बघेल, स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल, महिला बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा, लोकसभा क्षेत्र रायपुर सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल, विधायक श्री खुशवंत साहेब एवं रोहित साहू उपस्थित थे।

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने इस मौके पर महतारी वंदन योजना के हितग्राही श्रीमती ममता कश्यप और श्रीमती सत्यवती ध्रुव से इस योजना के लाभ के बारे में चर्चा की। महतारी वंदन योजना के राशि वितरण के इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए राज्य के विभिन्न जिलों जैसे रायपुर, धमतरी, गरियाबंद, बस्तर और सरगुजा से पारंपरिक वेशभूषा में लगभग 120 महिलाएं आयी थीं।

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु से बातचीत के दौरान श्रीमती ममता कश्यप और श्रीमती सत्यवती ध्रुव ने बताया कि महतारी वंदन योजना से मिली राशि से वो अपने बच्चों को लिए राशन खरीदने के साथ ही उनकी जरूरत का अन्य सामान खरीदने के लिए उपयोग करती है। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने उन्हें शासन की ओर से मिलने वाली मदद का लाभ उठाकर अपने बच्चों को खूब पढ़ाने-लिखाने और उन्हें अफसर बनाने की बात कही। उन्होंने कहा कि जब बच्चे पढ़ेंगे, तभी परिवार और समाज आगे बढ़ेगा।

गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ सरकार की महतारी वंदन योजना का शुभारंभ एक मार्च 2024 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने किया था, जिसका उद्देश्य महिलाओं के स्वास्थ्य, पोषण, आर्थिक स्वावलंबन और सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है। इसके अंतर्गत 21 वर्ष से अधिक आयु की पात्र विवाहित महिलाओं को एक-एक हजार रूपए की मासिक आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है।

राष्ट्रपति से संवाद कर अभिभूत हुई ममता : राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु से बात करना मेरे जीवन के सबसे अनमोल क्षणों में से एक है। मुझे देश की प्रथम महिला से बात करने का अवसर मिला, यह मेरा सौभाग्य है। ये कहना है बस्तर से पहुंची श्रीमती ममता कश्यप का। ममता बस्तर क्षेत्र की एक आदिवासी महिला है और महतारी वंदन योजना की हितग्राही है। उन्होंने बताया कि महतारी वंदन योजना से मुझे आर्थिक सुरक्षा का अहसास होता है। हर महीने मुझे मोबाइल में नोटिफिकेशन का इंतजार रहता है। इस बार मिली राशि से मैं दीवाली में बच्चों के लिए कपड़े और मिठाई खरीदूँगी। उन्होंने कहा कि मेरा बेटा कक्षा नवमी मे पढता है। मैं इस राशि का उपयोग उसकी ट्यूशन फीस देने मे करती हूँ।

छत्तीसगढ़ चेंबर एवं कैट सीजी चेप्टर द्वारा 'आया त्यौहार-चलो बाजार' के तहत दीप वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया

11 हजार दीप वितरण कर चेंबर अध्यक्ष ने दी दीपावली की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी, महामंत्री अजय भसीन, कोषाध्यक्ष उत्तमचंद गोलछा, कार्यकारी अध्यक्ष राजेन्द्र जग्गी, विक्रम सिंहदेव, राम मंधान, मनमोहन अग्रवाल एवं कैट सी.जी.चेप्टर के अध्यक्ष जितेन्द्र दोशी, महामंत्री सुरिन्दर सिंह, कोषाध्यक्ष अजय अग्रवाल ने बताया कि आज शुक्रवार, दिनांक 25 अक्टूबर 2024 को रवि भवन जयस्तंभ चैक, रायपुर में आया त्यौहार-चलो बाजार के तहत छत्तीसगढ़ चेंबर एवं कैट सी.जी चेप्टर द्वारा दीप वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष श्री अमर पारवानी जी द्वारा समाज के अंतिम पायदान पर स्थित लोगों के घरों में उजाला फैलाने के उद्देश्य से 11 हजार दीपों का वितरण किया गया।

अमर परवानी ने दीप वितरण कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि दीपावली का पर्व सभी के लिए सुख और समृद्धि लेकर आता है जो बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। आज का यह दीप वितरण कार्यक्रम समाज के अंतिम पायदान पर खड़े गरीब परिवारों के घरों में रोशनी फैलाने तथा उनके चेहरों पर खुशी बरकरार रखने हेतु चेंबर की ओर से की गई एक छोटी सी पहल है। अमर पारवानी ने दीप वितरण कार्यक्रम के माध्यम से प्रदेश के 12 लाख व्यापारियों एवं आमजनों से यह भी अपील की कि चाइनीज लाइटों एवं चाइनीज डेकोरेटिव प्रोडक्ट्स का पूर्णत: रूप से बहिष्कार कर मिट्टी के दीए जलाएं तथा स्वदेशी उत्पादों की खरीदारी करें।

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/दुर्ग-भिलाई/बलौदाबाजार
रायपुर, शनिवार 26 अक्टूबर 2024
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com
2

नगर पालिका क्षेत्र जामुल में अवैध प्लाटिंग पर ताबड़ तोड़ कार्यवाही, अवैध निर्माण किया ध्वस्ज

जामुल (विश्व परिवार)। नगर पालिका क्षेत्र जामुल में गुरुवार अलसुबह ही अवैध प्लाटिंग पर ताबड़ तोड़ कार्यवाही की गई। गौरतलब हो कि इस पूर्व अवैध निर्माण कर्ताओं पर भी निर्माण को ध्वस्त कर कार्यवाही किया गया था।

अवैध प्लाटिंग कार्रु वार्ड क्र. 02 एवं वार्ड क्र. 20 में बड़े पैमाने पर किया जा रहा था। जिस पर भूमि को टुकड़ो में बाट कर भू-स्वामी का नाम भी लिखा गया एवं मुरूम डालकर रोड संरचना भी किया गया था। जिससे नगर पालिका प्रशासन द्वारा ध्वस्त किया गया। नगर प्रशासन द्वारा बार-बार चेतावनी देने के बाद भी उक्त कार्य किया जा रहा था। जिस पर सख्ती अपनाते हुए नगर प्रशासन अमला ने कार्यवाही करते हुए जब्ती भी बनाया। साथ ही आम जनता को आगाह किया गया कि ऐसे जमीनों की खरीदी न करें। जिससे कि आर्थिक नुकसान के साथ ही प्रशाससनिक परेशानियों का सामना करना पड़ें। भूमि क्रय करने से पहले भूमि के संबंध में पर्याप्त जानकारी ले सकते है। कि उक्त भूमि किस प्रायोजन हेतु आरक्षित है। अवैध प्लाटिंग करने वाले के झांसे में बिलकुल न आये। जमीन खरीदने से पहले देख ले कि उस जगह पर सड़क नाली विद्युत पोल की व्यवस्था है कि नहीं। उक्त भूमि का डायवर्सन नगर निवेश शाखा से संबंधित दस्तावेज भूमि उपयोगिता के संबंध में जानकारी नगर पालिका के राजस्व शाखा से भी ले सकते है। क्योकि ऐसे भूमि को क्रय करने में क्रयकर्ता को ही शासकीय कार्यालयों के चक्कर काटने पड़ते है। इस लिए ऐसे अवैध कृत्य करने वालों से सावधान रहे साथी ही इसकी जानकारी भी रखे की भूमि विक्रेता के पास कालोनाईजर लायसेंस है भी कि नहीं। क्योंकि इस प्रकार के भूमि पर निर्माण की अनुमति नही दी जाती। इस प्रकार की कार्यवाही लगातार जारी रहेंगी। इसलिए ऐसे जमीन प्लाट भूमि की खरीदी न करें। कार्यवाही के समय कोई भी भू-स्वामी मौके पर सामने नहीं आये। जिससे अवैध प्लाटिंग पर कार्यवाही जारी रही और आगे भी जारी रहेगी।

कार्यवाही में मुख्य नगर पालिका अधिकारी, राजस्व निरीक्षक, राजस्व उप निरीक्षक सहित नगर प्रशासन का तोड़फोड अमला एवं राजस्व शाखा के कर्मचारी उपस्थित थे।

पीएम श्री स्कूल की ज़िला स्तर पर विभिन्न गतिविधियों आयोजित

जशपुर नगर (विश्व परिवार)। राज्य परियोजना कार्यालय, समग्र शिक्षा, छत्तीसगढ़ के निर्देशानुसार जिला स्तर पर पीएम श्री स्कूलों में विद्या वैभव (ओलंपियाड), मंथन मंडल (वाद-विवाद क्लब), डिजिटल क्रेस्ट और डिस्कवर एंड लर्न लोकल साइट्स जैसी जैसी गतिविधियों का आयोजन 24 अक्टूबर को स्वामी आत्मानंद हिंदी माध्यम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जशपुर में किया गया। उक्त गतिविधियाँ बच्चों के समग्र विकास, वाद-विवाद की सोच को बढ़ावा, रचनात्मकता को प्रोत्साहित करेंगी और पीएम श्री स्कूलों में छात्रों के बीच नेतृत्व की भावना पैदा करेंगी। कार्यक्रम में जिले के 14 पीएमश्री स्कूल के 80 विद्यार्थियों ने विभिन्न विधाओं में भाग लिया। प्रतिभागियों का विभिन्न विधाओं में उनके प्रदर्शन/प्रस्तुति के आधार पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय का चयन जिला स्तरीय निर्णायक समिति के सदस्यों द्वारा किया गया। जिला में उक्त कार्यक्रम कलेक्टर के निर्देशन में जिला शिक्षा अधिकारी तथा जिला मिशन समन्वयक, समग्र शिक्षा के मार्गदर्शन अनुसार सफलतापूर्वक संचलित किया गया, विजेता प्रतिभागियों को मोमेंटो, प्रशस्ति पत्र एवं शिक्षण सामग्री प्रदान कर पुरुष्कृत किया गया साथ ही जिला स्तर पर सभी प्रतिभागितों को पारितोषिक शिक्षण सामग्री एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। श्रीमती सरोज खलखो, सहायक संचालक, जिला शिक्षा कार्यालय एवं नरेन्द्र कुमार सिन्हा-जिला मिशन समन्वयक, समग्र शिक्षा, विनय सिन्हा- एडीपीओ, सुरेश कुमार तिर्की- एपीओ, राजेश कुमार अम्बष्ट-एपीसी, श्रीमती दीपा गुप्ता-एपीसी, वीरेंद्र कुमार सिन्हा-एपीसी, सेतराम पटेल-एपीसी, अरुण कुमार चंद्रा- प्रोग्रामर, अजय बैस- सहायक प्रोग्रामर एवं समस्त पीएम श्री शालाओं के प्रभारी प्राचार्य/प्रधान पाठक/शिक्षकों की सहयोग एवं उपस्थिति में कार्यक्रम सम्पन्न कराया गया।

बच्चों के समग्र विकास, वाद-विवाद की सोच को बढ़ावा, रचनात्मकता को प्रोत्साहित करेंगी

राघौगढ़ रेलवे स्टेशन को पुराने स्थान पर चालू करने की मांग

सांसद दिग्विजय सिंह ने सांसदों की बैठक में रेल संबंधी अनेक मांग की

राघौगढ़ (विश्व परिवार)। पश्चिम मध्य रेलवे मंडल भोपाल के माननीय सांसदों की बैठक भोपाल में आयोजित की गई बैठक की अध्यक्षता सांसद महेंद्र सिंह सौलंकी ने की।पश्चिम मध्य रेलवे झोन जबलपुर की महाप्रबंधक शोभना बंदोपाध्याय ने सभी का स्वागत किया। मंडल रेल प्रबंधक देवाशीष त्रिपाठी ने विकास योजनाओं की जानकारी दी। इस बैठक में मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह की ओर से मांगों का पत्र उनके प्रतिनिधि एवं रेल उपभोक्ता सलाहकार समिति मंडल भोपाल के सदस्य विजय कुमार जैन ने मांग पत्र दिया। मुख्य रूप से मांग की गई है रुठियाई मक्सी रेल लाइन पर राघौगढ़ रेलवे स्टेशन को पुराने स्थान पर चालू किया जाए। आज से लगभग 40 वर्ष पूर्व निर्धारित टिकट बिक्री नहीं होने के आधार पर उक्त स्टेशन को बंद कर दिया है। वर्तमान में गेल विजयपुर के समीप राघौगढ़ फ्लैग स्टेशन संचालित है। यहां यात्रियों को पर्याप्त सुविधाएं नहीं है। पत्र में उल्लेख किया है राघौगढ़ की जनसंख्या 40000 है।राघौगढ़ रेल स्टेशन के सामने जेपी विश्वविद्यालय संचालित है। जहां छात्र एवं स्टाफ लगभग ढाई हजार हैं। समीप ही गेल विजयपुर संयंत्र यहां कर्मचारी एवं उनके परिवार की संख्या लगभग 1000 है। राघौगढ़ के आसपास 10 किलोमीटर की परिधि में लगभग 25 गांव हैं। रुठियाई जंक्शन स्टेशन पर यहां से गुजरने वाली सभी ट्रेनों ट्रेनों का स्टॉपेज किया जाए। रुठियाई छबड़ा मार्ग पर रेलवे ट्रैक पर ओवर ब्रिज का निर्माण कराया जाए। रुठियाई एवं आसपास रेलों में चोरी एवं लूटपाट की घटनाओं को रोकने के लिए रुठियाई में जी आर पी थाना स्थापित किया जाए। रुठियाई स्टेशन पर प्लेटफार्म पर कोच डिस्प्ले सिस्टम लगाया जाए। इस स्टेशन पर शुद्ध पेयजल की व्यवस्था की जाए। सुविधाजनक पार्किंग की व्यवस्था की जाए। उपयुक्त माल गोदाम एवं पार्सल की व्यवस्था की जाए। रुठियाई एवं धरनावदा के बीच स्थित रेलवे स्टेशन चौड़ा खेड़ी का नाम बदलकर दावत पुरा किए जाने की मांग लंबे समय से की जा रही है आपने यह सुझाव दिया है कि रेलवे स्टेशन का नाम चौड़ाखेड़ी- दावतपुरा कर दिया जाए। चौड़ाखेड़ी रेलवे स्टेशन के लिए जिन कृषकों की भूमि अधिग्रहित हुई है उन्हें चार गुना मुआवजा दिया जाए। चौड़ाखेड़ी रेलवे स्टेशन पर किसानों की सुविधा के लिए फ्लाई ओवर ब्रिज बनाया जाए।

शासकीय मिनीमाता कन्या महाविद्यालय में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। शासकीय मिनीमाता कन्या महाविद्यालय बलौदाबाजार, में उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार आज दिनांक 25.10.2024 को महाविद्यालय के प्रांगण में जनजाति समाज का गौरवशाली अतीत ऐतिहासिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मा. श्री विजय केसरवानी, विशिष्ट अतिथि श्री जे. एन. केसरवानी प्रमुख वक्ता श्री शालीन साहू उपस्थि रहे। कार्यक्रम का सुभारंग भारत माता के वीर जनजाति नायक भगवान बिरसा मुण्डा, वीर नारायण सिंह, एवं चंदेल नगर की रानी दूर्गावती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलित कर किया गया। तद् पश्चात् राज्य गीत का गायन हुआ एवं उपस्थित सभी अतिथियों का स्वागत श्रीफल और पुष्पगुच्छ से किया गया।

प्रमुख वक्ता श्री शालीन साहू के द्वारा जनजाति समाज के रहन-सहन आचार विचार, न्याय प्रणाली, परम्परा सभ्यता साथ ही भारत के अनेक क्षेत्रों के उन जन नायकों के योगदानों से विद्याथियों का परिचय कराया जिनके नामो से अधिकतर विद्यार्थी अनभिज्ञ थे। मुख्य अतिथि ने जनजाति नायको के योगदान पर प्रकाश डाला तथा विशिष्ट अतिथि ने जनजाति समाज की संस्कृति और और परम्परा जीवन जीने की कला सीखने के लिए प्रेरित किया। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. कल्पना उपाध्याय ने अपने उद्बोधन में भारत की आजादी में अहम भूमिका निभाने वाले जनजातीय नायकों का रानी दुर्गावती, भगवान बिरसा मुंडा और वीरनारायण सिंह के योगदान को बताया तथा देश के सर्वोच्च पद पर आसीन जनजाति बेटी द्रौपती मुर्मु और प्रदेश के मुखिया माननीय श्री विष्णुदेव साय जो कि आज जनजाति समाज से होकर देश तथा प्रदेश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। इस अवसर पर पोस्टर प्रतियोगिता रखा गया जिसमे प्रथम स्थान दुलेश्वरी निषाद (बी.एस.सी. द्वितीय) तथा द्वितीय स्थान ममता धृतलहरे (बी.ए. तृतीय) प्राप्त किया।

पंचम आरे में दुखम ही दुख, बच्चों में माता-पिता के लिए भी प्रेम नहीं : विराग मुनि

कैसे पतन की ओर बढ़ेगी मानवता, महावीर के उपदेशों से श्री विराग मुनि ने समझाया

रायपुर (विश्व परिवार)। आज समाज में जो कुछ घटित हो रहा है, 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी ने 2100 साल पहले ही बता दिया था। उन्होंने इससे आगे भी करीब 21 हजार साल तक चलने वाले शासन के बारे में मानवता कैसे पतन की ओर बढ़ेगी! इस बारे में भी सबकुछ बता दिया है। उनके मुताबिक, पंचम आरे का प्रभाव जैसे-जैसे बढ़ता जाएगा, आम जनता पर टैक्स की मार भी बढ़ती जाएगी। बात-बात पर घुसखोरी और भ्रष्टाचार होगा। हर तरफ बेइमानी हावी होगी।

एमजी रोड स्थित श्री जैन दादाबाड़ी में उपधान तप के अंतर्गत चल रही विशेष प्रवचन श्रृंखला में श्री विराग मुनि ने ये बातें कही। उन्होंने पंचम आरे के बारे में बताते हुए कहा कि इसके प्रभाव से शासक से लेकर प्रशासक तक, सब व्यसनों में लीन रहेंगे। पैसे लिए बिना जनता के कोई काम नहीं किए जाएंगे। नौकरों को सुखी रखने वाले व्यापारी अपने ही नौकरों से लूटे जाएंगे। लोग बूढ़े मां-बाप को वृद्धाश्रम में छोड़कर बाहर रिश्ते निभाएंगे। पत्नियां सास-ससुर की नहीं हो पाएंगी। पतियों के लिए मां-बाप से ज्यादा सास-ससुर का महत्व हो जाएगा। खूबसूरत बनने की होड़ ऐसी होगी कि लोगों को अपना वास्तविक स्वरूप ही इतना कुरूप लगने लगेगा कि वे चिकित्सा पद्धति से अपने चेहरे ही बदलवा लेंगे। महिलाएं वस्त्र ऐसे पहनेंगी, जिन्हें देखकर ही मन की भावना बिगड़ जाए। पुरुषों का स्तर भी नीचे गिरेगा। जीवन में बहुत प्यार करने वाली सती समान पत्नी भी मिल जाए, तो वे पर स्त्री के पीछे जाएंगे। महिलाएं भी उनका अनुसरण कर ऐसा ही चरित्र अपना लेंगी।

फल-सब्जियां मिलना मुश्किल देह-बल का नाश होता जाएगा : मुनिश्री ने पंचम आरे के प्रकृति पर प्रभावों की चर्चा करते हुए कहा, ऋतुओं का परिवर्तन चक्र पूरी तरह प्रभावित हो जाएगा। पहले वर्षा कम होगी, फिर ठंड का अहसास भी कम होने लगेगा। बारों महीने केवल गर्मी लगेगी। इस समय तक फल-सब्जियां मिलना भी दुर्लभ होगा। दूध, घी खोजने से नहीं मिलेंगे, मदिरा जहां-तहां आसानी से मिल जाया करेगी। इन सब प्रभावों के चलते धीरे-धीरे मनुष्य का देह और बल भी कमजोर होता जाएगा। स्वार्थ भरी इस दुनिया में लोग इतने स्वार्थी होंगे कि अवसर आने पर गधे को बाप बनाने से जरा भी नहीं हिचकेंगे। गलत होते हुए भी पूरी निर्लजता से अपने पक्ष को ही सही बताएंगे।

साधु-संत भी पंचम आरे के प्रभाव से अछूते नहीं रहेंगे : मुनिश्री ने कहा, ऐसा नहीं है कि पंचम आरे का प्रभाव केवल श्रावक-श्राविकाओं तक रहेगा। साधु-साध्वियां भी इससे अछूते नहीं रहेंगे। इस काल में लोगों की मानसिकता ऐसी होगी कि उन्हें झूठी सिद्धियों का दिखावा करने वाले मार्केटिंग बाबा पसंद आएंगे। हर तरफ इन्हीं का बोलबाला होगा। ऐसे में जो अच्छे साधु होंगे, उन्हें लगने लगेगा कि मैं कहां धर्म में आ गया? मुझे भी इनकी तरह आंडबरवादी होना था। इस तरह अच्छे लोगों के मन के परिणाम भरी प्रभावित होने लगेगा। 21 हजार साल के इस शासन में कुल 23 बार धर्म के क्षेत्र में बड़े उतार-चढ़ाव आएंगे।

सुबह 8.30 बजे से विशेष प्रवचन

आत्मस्पर्शीय चातुर्मास समिति के अध्यक्ष पारस पारख, महासचिव नरेश बुरड़ और कोषाध्यक्ष अनिल दुग्गड़ ने बताया, दादाबाड़ी में जारी ऐतिहासिक उपधान तप के अंतर्गत 110 से ज्यादा तपस्वी साधु भगवंतों की निश्रा में साधु जीवन बिताते हुए धर्म-ध्यान में लीन हैं। तपस्वी एक दिन केवल गर्म पानी पीकर उपवास कर रहे हैं, जबकि अगले दिन केवल एकासना करते हुए अपनी तपस्या पूरी कर रहे हैं। इस दौरान सारे जरूरी इंतजाम लाभार्थी मुकेश, राकेश, राजेश बुरड़ परिवार की ओर से किए जा रहे हैं। 51 दिनों के इस महान तप के अंतर्गत विशेष प्रवचन की श्रृंखला भी जारी है, जिसमें श्री विराग मुनि रोज 8.30 से 10 बजे तक धर्म-ध्यान के बारे में बारीक जानकारी दे रहे हैं।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल में रायपुर रेलवे स्टेशन में स्वच्छ भारत अभियान के तहत स्वच्छता रेल चौपाल का आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल में आज दिनांक रायपुर रेलवे स्टेशन में स्वच्छ भारत अभियान के तहत स्वच्छता चौपाल का कार्यक्रम आयोजित किया गया। रेलवे प्रशासन द्वारा डिजिटलीकरण, स्वच्छता, समावेशिता और शिकायत निवारण पर ध्यान केंद्रित करते हुए विशेष अभियान 4.0 (special campaign 4.0) चलाया जा रहा है. इसकी शुरुआत 2 अक्टूबर से की गई है, जो 31 अक्टूबर 2024 तक चलेगा. मंडल रेल प्रबंधक ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि रेलवे स्टेशनों में स्वच्छता चौपाल लगाई जाए। स्वच्छता चौपाल में जन प्रतिनिधियों, ग्राम पंचायत व शहरी निकाय के प्रतिनिधियों के साथ-साथ संबंधित क्षेत्र के प्रबुद्ध लोगों, डीआरयूसीसी मेंबर को आमंत्रित कर स्टेशन की स्वच्छता में बेहतरी हेतु सुझाव लिए जा रहे है। जिससे स्वच्छता अभियान में जन भागीदारी को सुनिश्चित किया जा सके.

स्वच्छता चौपाल स्वच्छता व सुरक्षा के प्रति जागरूकता है. इसके तहत यात्रियों के साथ सीधा संवाद कर उन्हें साफ-सफाई, रेलवे सुरक्षा एवं रेलवे परिसर में उपलब्ध सुविधाओं के प्रति जागरूक किया जा रहा है साथ ही, यात्रियों व स्थानीय जनता से संबंधित सुविधाओं, समस्याओं के संबंध में जानकारी लेकर भारतीय रेल उनमें सुधार किया जा रहा है।

इसी कड़ी में रायपुर रेलवे स्टेशन पर अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री बजरंग अग्रवाल, मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री राकेश सिंह एवं जेड आर यू सी सी के सदस्य श्री राजेंद्र जग्गी, लोकेश साहू, वेगेंद्र सोनबेर, मुख्य स्टेशन प्रबंधक श्री एन के साहू एवं यात्रियों के साथ किया गया। इस चौपाल के कार्यक्रम में यात्रियों को स्टेशन एवं स्टेशन परिसर में साफ सफाई के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही यात्रियों ने साथ सफाई रखने में उनके नए सुझाव भी दिए। स्टेशन प्लेटफार्म पर साफ सफाई, बुकिंग काउंटर पर भीड़, ट्रेनों के रद्द होने पर यात्रियों को उत्पन्न होने वाली समस्या, यात्रियों के बैठने की व्यवस्था को और बढ़ाने, प्लेटफार्म के प्रवेश के लिए तेलघनी नाका से आने वाले रास्ते को और चौड़ीकरण करने, ट्रेन के समय काउंटर पर भीड़ होने की बात कहे जाने पर यात्रियों को यू टी एस ऑन मोबाइल ऐप के बारे में बताया गया कि वह मोबाइल से ही अपना टिकट बना सकते हैं जिससे घर बैठें टिकट प्राप्त किया जा सकता है।139 रेल मदद नंबर के बारे में जानकारी दी गई। जिससे यात्री किसी भी तरह की शिकायत दर्ज कर के जल्द से जल्द समाधान पा सकते है।

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, सेजबहार, रायपुर
(छ.ग.)फोन नं.-0771-2991574
Email Id: eocghbzone03@gmail.com

आम-सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि **छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा कालोनी खिलौरा, जिला रायपुर,** में स्थित दीनदयाल आवास योजनांतर्गत निर्मित **भवन क्र. एल.आई.जी 222 श्रीमती मिथिलेश पाण्डेय पति स्व. श्री मुरलीधर पाण्डेय निवासी :- बालाजी वार्ड, सांईनाथ रोडवेज के बगल में, जगदलपुर जिला-बस्तर (छ.ग.)** के नाम पर इस कार्यालय से आंबटन आदेश क्रमांक 3969 दिनांक 08.06.2009 के माध्यम से भाडाक्रय आधार पर आंबटित है। आबंटी द्वारा भवन का पूर्ण मूल्य जमा कर दिनांक 15.03.2018 को सेलडीड निष्पादित कराने के उपरांत पत्र क्रमांक 1998 दिनांक 09.06.2014 को आधिपत्य आदेश जारी किया गया है। मूल आंबटी **श्रीमती मिथिलेश पाण्डेय पति स्व. श्री मुरलीधर पाण्डेय,** उक्त भवन को विक्रय अनुमति हेतु आवेदन पत्र, विक्रय इकरारनामा की छायाप्रति एवं आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत दस्तावेज के आधार पर उक्त भवन को क्रेता **नीतू मिश्रा पति श्री उजश कुमार मिश्रा निवासी:- म.नं.-119 क, बालाजी वार्ड सांईनाथ रोडवेज के बाजू जगदलपुर बस्तर (छ.ग.)** के पक्ष में विक्रय हेतु अनुमति प्रदान किया जाना है।

अत: किसी भी व्यक्ति, शासकीय/अर्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/ भवन/ फ्लैट के विक्रय करने हेतु अनुमति प्रदान करने में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर आपत्ति प्रस्तुत करें, अन्यथा नियत समयावधि पश्चात् आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
प्रक्षेत्र-03, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिका परिषद कुम्हारी, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

मैन्युअल पद्धति निविदा सूचना

क्रमांक / 1226/ लोक कर्म/निविदा आमंत्रण / 2024 कुम्हारी, दिनांक 21/10/2024

नगर पालिका परिषद कुम्हारी हेतु निम्नानुसार कार्यों हेतु एकीकृत पंजीयक ठेकेदारों से निविदा फार्म A में एस.ओ.आर लोक निर्माण विभाग प्रचलित दर अनुसूची 01.01.2015 भवन के आधार में कम या अधिक दर पर केवल स्पीड पोस्ट / पंजीकृत डाक के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते है।

1. निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन की अंतिम तिथि - 05/11/2024 सायं 5.00 बजे तक .
2. निविदा प्रपत्र हेतु क्रय की अंतिम तिथि - 06/11/2024 सायं 5.00 बजे तक
3. निविदा प्रस्तुत किये जाने की अंतिम तिथि - 12/11/2024 सायं 4.00 बजे तक
4. निविदा प्रपत्र खोले जाने की तिथि - 13/11/2024 प्रात: 11.00 बजे से

क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित राशि (लाख में)
1	पार्षद निधि से वार्ड क्र.-10 आंगनबाड़ी के पास चबुतरा निर्माण कार्य	2.93
2	पार्षद निधि से वार्ड क्र . 14 में विभिन्न निर्माण कार्य	2.23

नियम एवं शर्तें :- उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज एवं अन्य जानकारी विभागीय वेबसाईट में **uad.cg.gov.in** से डाउनलोड की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिका परिषद, कुम्हारी

कार्यालय नगर पंचायत कूंरा, जिला रायपुर (छ.ग.)
e-mail - npkunra2016@gmail.com

क्र./820/लो.नि.वि./न.पं./2024-25 कूंरा, दिनांक 25.10.2024

// मैनुअल पद्धति निविदा सूचना //

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अन्तर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार से लो.नि.वि. एस.ओ.आर. 01.01.2015 (भवन) (सडक) से अधोसंरचना मद अंतर्गत 13 निर्माण कार्य, लागत राशि 63.56 लाख हेतु दिनांक 18.11.2024 अपरान्ह 4:00 बजे तक पंजीकृत डाक / स्पीड पोस्ट द्वारा निविदा आंमत्रित की जाती है।

1. निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन करने की अंतिम तिथि व समय 11.11.2024 अपरान्ह 3:00 बजे तक
2. परीक्षण उपरांत निविदा प्रपत्र जारी करने की तिथि व समय 12.11.2024 अपरान्ह 5:00 बजे तक
3. स्पीड पोस्ट / पंजीकृत डाक द्वारा कार्यालय में निविदा प्राप्त होने की तिथि व समय 18.11.2024 अपरान्ह 4:00 बजे तक
4. निविदा प्रपत्र खोलने की तिथि व समय 19.11.2024 कार्यालयीन समय तक

उपरोक्त निर्माण कार्यों हेतु पंजीकृत ठेकेदार/फर्म द्वारा कार्यालय से निविदा प्रपत्र प्राप्त करने की अंतिम तिथी 12.11.2024 समय अपरान्ह 5:00 बजे तक है। निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज एवं अन्य जानकारी कार्यालय से अथवा विभागीय वेबसाइट www.uad.cg.gov.in में देखी जा सकती है।

नगर पालिका मुख्य अधिकारी
नगर पंचायत कूंरा

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद समारक भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./15464/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2024
रायपुर दिनांक : 25-10-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 15464
वार्ड का नाम- 27- इंदिरा गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 27 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR220C00196** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **DAMYANTI PHITHALIYA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **W/O LATE. KISHOR CHAND PITHALIYA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्रीमती ज्योति अग्रवाल** पिता/पति, श्री/श्रीमती **पति - श्री राजेश कुमार अग्रवाल** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री आर.के. डोंगरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद समारक भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./15440/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2024
रायपुर दिनांक : 25-10-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 15440
वार्ड का नाम- 28- शहीद हेमू कालाणी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 28 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR223O00063** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **MR. DEEPAK KUMAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O JAYANTI LAL SANGANI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्रीमती रेहाना बेगम फारूकी** पिता/पति, श्री/श्रीमती **पति - श्री मोहम्मद आसिफ फारूकी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री आर.के. डोंगरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद समारक भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./15401/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2024
रायपुर दिनांक : 25-10-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 15401
वार्ड का नाम- 13-राजीव गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 13 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR222A00309** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **MR. ANIL VERMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O NARSINHA VERMA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्री शेख उमर** पिता/पति, श्री/श्रीमती **पिता - श्री शेखर गफुर** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री आर.के. डोंगरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद समारक भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./15439/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2024
रायपुर दिनांक : 25-10-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 15439
वार्ड का नाम- 36- हवलदार अब्दूल हमीद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 36 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR436K00076** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **MO. AKBAR MO. ASGAR S/O LT. MO. RASID, MO. ASHRAF, MO. AZHAR S/O MO. AKHTAR, MO. SARFARAZ S/O MO. SARWAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **.....** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **मोहम्मद नौशाद** पिता/पति, श्री/श्रीमती **पिता - श्री मोहम्मद यूसुफ** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत दानपत्र**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री आर.के. डोंगरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बिलासपुर संभाग

रायपुर शनिवार 26 अक्टूबर 2024

स्वामी आत्मानंद माध्यमिक विद्यालय सहित जयनगर के अन्य विद्यालयों में बाल विवाह और बाल संरक्षण पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-स्वामी आत्मानंद माध्यमिक स्कूल जयनगर, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जयनगर, एसएचजी समूह की बैठक शिवनंदपुर में यूनिसेफ़ और महिला एवं बाल विकास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में बाल विवाह और बाल संरक्षण के महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में छात्रों को और समूह की महिलाओं को बाल विवाह की हानियों और बच्चों के अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया।

ज़िला बाल संरक्षण अधिकारी, श्री मनोज जयसवाल ने विद्यार्थियों को बताया कि को बच्चों के संरक्षण के क्षेत्र में काम करने का आह्वान किया,बच्चे ही कल के भविष्य हैं, ये सुरक्षित हैं तो हमारा भविष्य भी सुरक्षित है, पॉक्सो एक्ट में बच्चों को लैंगिक अपराध से बचाने के लिए प्रावधान दिये गये हैं, बच्चों को गलत तरीके से घूरना,पीछा करना,रास्ता रोकना, गलत चित्र दिखाना, गलत तरीके से छुना भी अपराध है, गुड टच बैड टच के बारे भी विस्तृत जानकारी दी गई, बच्चो को मानव तस्करी के बारे में बच्चो को जानकारी दी गई इसमें गावों से दलालों के द्वारा बच्चो को काम के बहाने एक शहर से दूसरे शहर और राज्यो में बच्चो ले जा कर उनका शोषण किए जाता है, बच्चो को काम के अलावा अपने पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कहा गया। सोशल मीडिया के उपयोग कितना करना है सोशल मीडिया माध्यम से होने वाले साइबर क्राइम से बचाव के उपायों के बारे में जानकारी दी।इससे बचने के लिए क्या करना चाहिए इसके बारे जानकारी दी गई , घरेलू हिंसा अधिनियम 2005 के बारे जानकारी

दी गई ,जेजे एक्ट में बच्चों को नशे से बचाने के लिए नए प्रावधान दिये गये हैं जिसमें यदि कोई बच्चे को नशा कराता है या नशे का समान बेचता है उसे एक लाख रुपये जुर्माना व दो वर्ष के सजा का प्रावधान है, चुप्पी तोड़ो गतिविधिय से बच्चो को बोलने के लिये प्रेरित किया गया। जायसवाल जी ने चाइल्ड हेल्प लाइन नंबर 1098,181,112 के सम्बंध में विस्तृत जानकारी दी, साइबर क्राइम और नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियानों के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर उपस्थित सभी छात्र-छात्राओं ने बाल विवाह मुक्त सूरजपुर ज़िला बनाने के लिए शपथ भी ली।

यूनिसेफ़ के ज़िला समन्वयक श्री प्रथमेश मानेकर ने एसएचजी समूह की महिलाओं के साथ बाल विवाह मुक्त सूरजपुर अभियान पर एक जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य बाल विवाह जैसी सामाजिक बुराई के खिलाफ महिलाओं को सशक्त बनाना और जागरूकता फैलाना था। इस कार्यक्रम में बाल विवाह की परिभाषा, इसके कारण, नकारात्मक प्रभाव और रोकथाम के उपायों पर विस्तार से चर्चा की इसके साथ भी शाला त्यागी बच्चों, बच्चों की सही परवरिश (गुड पैरेंटिंग), बच्चों के अधिकार और सोशल मीडिया के प्रभाव जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। उन्होंने महिलाओं को बाल विवाह रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाने की प्रेरणा दी। चाइल्ड लाइन से श्री रमेश जी ने चाइल्ड लाइन की सेवाओं के बारे में जानकारी दी और 1098 (चाइल्ड हेल्पलाइन), 181 (महिला हेल्पलाइन) और 100 (पुलिस हेल्पलाइन) जैसी टोल-फ्री सेवाओं की जानकारी साझा की। स्वास्थ्य विभाग से श्री चंद्रजीत सिंह संभागीय समन्वयक द्वारा एनीमिया मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत एनीमिया, टेबलेट, सुपोषित और आयरन युक्त आहार, गतिविधि के माध्यम से बच्चो हाथ धोने के बारे में बताया गया।

इस कार्यक्रम में ज़िला बाल संरक्षण अधिकारी श्री मनोज जयसवाल, यूनिसेफ़ के ज़िला समन्वयक श्री प्रथमेश मानेकर, प्राचार्य श्रीमती कलिस्ता शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जयनगर, प्राचार्य श्री वीरेंद्र जायसवाल आत्मानंद स्कूल जयनगर, चाईल्ड हेल्पलाईन से श्री कार्तिक मजुमदार परियोजना समन्वयक, शीतल सिंह परामर्शदाता, रमेश साहू टीम मेंबर, जिला बाल संरक्षण इकाई से सामाजिक कार्यकर्ता अंजनी साहू, आउट टीचर श्री पवन दीवार, स्वास्थ्य विभाग से श्री चंद्रजीत सिंह संभागीय समन्वयक, एनआरएलएम से पीआरपी संदीप गुजर सहित शिवनदंपुर क्लस्टर से समूह की महिलाएँ और विद्यालय के छात्र-छात्राएँ उपस्थित थे।

बालको ने अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर किया मल्टी स्पेशलिटी स्वास्थ्य शिविर का आयोजन'

बालको ने अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर किया मल्टी-स्पेशलिटी स्वास्थ्य शिविर का आयोजन'

कोरबा (विश्व परिवार)। वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन (आईडीओपी) दिवस के अवसर पर वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य एवं कल्याण को बढ़ावा देने के लिए एक दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में जिला न्यायाधीश श्री सत्येंद्र कुमार साहू, विशेष न्यायाधीश श्री जयदीप गर्ग, सिविल जज सुश्री डिंपल ने उपस्थित वरिष्ठ नागरिकों से बातचीत की। हेल्पएज इंडिया के सहयोग से कंपनी ने वरिष्ठ नागरिकों के लिए कई स्वास्थ्य जागरूकता सत्र का आयोजन किया। मानसिक स्वास्थ्य सत्र में मनोचिकित्सक ने वृद्धावस्था में डिमेंशिया तथा मेंटल हेल्थ से निपटने का तरीका बताया। वृद्धजनों को महत्वपूर्ण तकनीक जानकारी देने के लिए डिजिटल साक्षरता कार्यशाला तथा संतुलित एवं पोषण आहार की जानकारी दी गई। अतिथियों ने समाज में उनके समर्पण और सेवा की सराहना करते हुए महत्वपूर्ण योगदान के लिए दस वरिष्ठ नागरिकों को सम्मानित किया। कार्यक्रम के अंत में वरिष्ठ नागरिकों और बच्चों या युवाओं के बीच पारस्परिक समझ विकसित करना तथा वरिष्ठ समुदाय की शक्ति और अमूल्य योगदान पर प्रकाश डाला गया। शिविर में बुजुर्ग सदस्यों के लिए गतिशीलता और दैनिक जीवन को बेहतर बनाने के लिए सहायक उपकरण प्रदान किए गए। इलेक्ट्रोथेरेपी तकनीक का उपयोग करके 33 बुजुर्गों को फिजियोथेरेपी सेवाएँ प्रदान की गईं। इन उपायों से उनकी बीमारियों में कमी एवं स्वास्थ्य लाभ हुआ। कंपनी की द्वि-मासिक मोबाइल फिजियोथेरेपी सेवा समुदाय के बुजुर्ग आबादी को राहत पहुँचा रही है। बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक श्री राजेश कुमार ने स्वास्थ्य अभियान के प्रभाव पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि कंपनी अपने संयंत्र के आसपास के समुदायों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं तक आसान पहुंच सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारा लक्ष्य इस क्षेत्र में चिकित्सा सेवाओं को बढ़ाना है और इसके साथ दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले लोगों और समुदाय के कमजोर वर्गों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार करना है।

जशप्योर ब्रांड के उत्पादों की कैसर पुणे में लगाई गई प्रदर्शनी

जशपुर की महिलाओं द्वारा तैयार उत्पाद की मार्केट में बनी हुई मांग

जशपुरनगर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जशपुर के उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए सार्थक प्रयास कर रहे हैं। महिलाओं द्वारा उत्पाद की जबरदस्त मांग बनी हुई है। तैयार जशप्योर ब्रांड के माध्यम से स्थानीय आदिवासी स्व-सहायता समूह की महिलाओं के द्वारा तैयार उत्पादों को कैसर पुणे में प्रदर्शनी लगाया गया है। जहाँ प्रदर्शनी का अवलोकन करके लोग बड़ी मात्रा में खरीदी कर रहे हैं और उत्पाद को भी पसंद किया जा रहा है। जिला प्रशासन जशपुर की पहल पर जशप्योर ब्रांड का पुणे के विभिन्न स्थानों पर नियमित स्टॉल लगाई जा रही है। जहाँ जशपुर जिले के स्थानीय कच्चे माल से बने उत्पादों को प्रदर्शित किया जा रहा है जो जशपुर की आदिवासी महिलाओं द्वारा तैयार किए गए हैं। ये उत्पाद अपनी शुद्धता और स्वास्थ्य लाभ के कारण उच्च मांग में हैं, क्योंकि इनमें कोई रसायन नहीं होते हैं, जिससे वे बाजार के अन्य उत्पादों की तुलना में एक स्वस्थ विकल्प बन जाते हैं। खाद्य प्रसंस्करण सलाहकार एवं युवा वैज्ञानिक समर्थ जैन ने कहा कि महुआ सेंटर ऑफएक्सीलेंस के उत्पाद, जैसे महुआ सिरप (शहद का महुआ आधारित विकल्प), महुआ आधारित चीनी मुक्त च्यवनप्राश विकल्प फॉरेस्टगोल्ड वन्यप्राश और बाजरा पास्ता के नियमित ग्राहक प्राप्त कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त छिन्द घास के हाथ से बने टोकरियाँ त्यौहारी मौसम के दौरान उच्च मांग में हैं।

कलेक्टर ने कुकदूर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का आकस्मिक निरीक्षण किया

कवर्धा (विश्व परिवार)। कलेक्टर गोपाल वर्मा ने आज गुरुवार को पंडरिया विकासखण्ड के सुदूर वनांचल क्षेत्र कुकदूर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुकदूर में पदस्थ मेडिकल ऑफिसर डॉ प्रसंगिना साधु अनुपस्थित मिले। कलेक्टर ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को अनुपस्थित डॉक्टर के विरूद्ध कारण बताओ नोटिस जारी करने निर्देश दिए। यहां बताया गया कि मेडिकल ऑफिसर डॉ साधु अक्सर कार्य में अनुपस्थित रहते है। कलेक्टर श्री वर्मा ने समुदायिक स्वास्थय केंद्रों के सभी वार्डों की साफ-सफाई और मरीजों की सुविधाओं का भी अवलोकन किया। कलेक्टर ने अस्पताल में दवाइयों की उपलब्धता और चिकित्सकीय सेवाओं की गुणवत्ता पर भी जोर दिया। उन्होंने स्वास्थय विभाग के कर्मचारियों को निर्देशित किया कि वे मरीजों को सर्वोत्तम सेवाएं प्रदान करें और किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कलेक्टर ने ग्रामीण स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार के लिए तत्काल कदम उठाने का आश्वासन दिया और स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक सुझाव भी दिए। निरीक्षण के दौरान पंडरिया एसडीएम, बीएमओ सहित जनपद सीईओ उपस्थित थे।

नवपदस्थ एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर ने सूरजपुर पुलिस अधीक्षक का पदभार ग्रहण किया

राजपत्रित अधिकारियों से चर्चा की, जिले के थाना चौकियों की जानकारी ली

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-जिले के नव पदस्थ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार ठाकुर (भा.पु.से.) ने आज विधिवत पुलिस अधीक्षक सूरजपुर का पदभार ग्रहण किया। कार्यभार ग्रहण करने के उपरान्त नवपदस्थ एसएसपी सूरजपुर श्री ठाकुर ने जिले के राजपत्रित अधिकारियों से परिचय प्राप्त कर उनके अधिनस्थ थाना-चौकियों की जानकारी लेते हुए क्षेत्र की गतिविधियों से अवगत

हुए। श्री प्रशांत कुमार ठाकुर वर्ष 1996 बैच के राज्य पुलिस सेवा के अधिकारी है और वर्ष 2011 में आईपीएस अवार्ड हुए। इसके पूर्व वे पुलिस अधीक्षक दुर्ग, बलौदाबाजार, बेमेतरा, जशपुर, धमतरी एवं सेनानी 5वीं वाहिनी छसबल जगदलपुर के पद पर पदस्थ रहे है।

इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो, सीएसपी एस.एस.पैंकरा, डीएसपी मुख्यालय महालक्ष्मी कुलदीप, एसडीओपी सूरजपुर नंदिनी ठाकुर, डीएसपी रितेश चौधरी, रक्षित निरीक्षक अशोक गिरी, थाना प्रभारी सूरजपुर विमलेश दुबे, स्टेनो अखिलेश सिंह सहित जिला पुलिस कार्यालय के अधिकारीगण मौजूद रहे।

मुस्लिम मतदाताओं की एक तरफ जांच करवाई करने से लोगों में आक्रोश

निर्वाचित पार्षद की दी गई सूची पर कोई जांच कार्रवाई न करने से अधिकारी शक के घेरे में

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-भटगांव। नगर पंचायत भटगांव मे भाजपा के पदाधिकारीयों के द्वारा मुस्लिम समुदाय के लोगों का नाम मतदाता सूची से हटावाने की कोशिश का मामला सामने आया है। जिससे लोगों मे रोष है तथा कांग्रेस इसे अल्पसंख्यको को प्रताड़ित करने और उनमे भय पैदा करने की चाल बता रही है। भाजपा के पदाधिकारीयों के द्वारा बनाए गए सूची के अनुसार सिर्फमुस्लिम समुदाय के लोगों के घरों में जा कर भटगांव तहसीलदार और नगर पंचायत भटगांव की टीम के द्वारा राशन कार्ड और आधार कार्ड की जांच पड़ताल की जा रही है। वहीं वार्ड नंबर सात के कांग्रेस पार्षद के शिकायत पर और बार बार निवेदन करने के बावजूद कोई कार्यवाही नहीं करने से भी लोगों में भारी आक्रोश है।

गौरतलाब यह है कि भाजपा महिला

मोर्चा मंडल अध्यक्ष श्रीमती हीरा सिंह के द्वारा अपने लेटर पैड में 62 मुस्लिम समुदाय के लोगों का नाम लिख करके भटगांव तहसीलदार को शिकायत किया एक पक्ष के द्वारा चुनाव जितने के लिए अन्य वार्ड के लोगों का नाम मतदाता सूची मे दर्ज करवा दिया जबकि ये सारे लोग यहां नहीं रहते है इसकी जाँच कर कार्यवाही किया जाए। वहीं दूसरी तरफ वार्ड क्रमांक 7 के पार्षद श्रीमती यास्मीन बानो ने भी करीब 20 लोगों की सूची तहसीलदार भटगांव को आवेदन के साथ देकर के मांग किया गया कि द्वारा दी गई सूची की भी जांच की जाए। विवाद इसलिए शुरू हुआ की महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए भटगांव तहसीलदार, नगर पंचायत कर्मी और बीजेपी कार्यकर्ताओ का दल वार्ड क्रमांक सात मे सिर्फमुस्लिम समुदाय के घरों में जाकर जांच पड़ताल करना शुरू कर दिए। वहीं वार्ड पार्षद की शिकायत को उन्होंने कोई तवज्जो नहीं दिया। इस एक तरफा जाँच पड़ताल से लोगों में आक्रोश बढ़ गया। लोगों ने इसे साजिश और द्वेषपूर्वक कार्रवाई बताया कार्यवाही बताया। नगर पंचायत भटगांव के अध्यक्ष सूरज कुमार गुप्ता ने कहां की नगर पंचायत भटगांव की जो मतदाता सूची प्रकाशित की गई है उसमें नाम जोड़ने और कटवाने का समय अभी है। भाजपा पदाधिकारी द्वारा सिर्फसमुदाय विशेष को टारगेट करके द्वेष पूर्वक जांच पड़ताल करवाया जा रहा है जो गलत है। अल्पसंख्यक कांग्रेस कमेटी के प्रदेश महासचिव अफ्रोज खान ने विरोध दर्ज करते हुए कहा कि भाजपा पदाधिकारी के द्वारा सिर्फअल्पसंख्यकों की सूची देकर जांच पड़ताल करना ये साबित करता है की उन्हें एक समुदाय से कितनी नफ़रत है। इनके द्वारा समाज को बांटने की कोशिश की जा रही है। वार्ड नंबर 7 के पार्षद की सूची पर जांच ना करना तथा भाजपा के सूची पर ही जाँच करना ये बताता है की अधिकारियों पर बहुत दबाव है।

नगर पंचायत भटगांव के 15 वार्ड है जिसके निर्वाचन हेतु वर्तमान में जो मतदाता सूची प्रकाशित की गई है उसमें काफी त्रुटि है। कई लोगों के नाम दो दो वार्ड में दर्ज हो गए हैं। कई ऐसे लोगों के नाम भी अभी भी मतदाता सूची में दर्ज है जो यहां से रिटायर होकर चले गए हैं तथा ऐसे कई लोगों के भी नाम भी मतदाता सूची में अभी तक दर्ज है जिनका स्थानांतरण यहां से का कई वर्ष पहले हो गया है। उनके नाम को काटने अथवा विलोपित करने हेतु कोई सामने नहीं आ रहा है और ना ही विलोपित हो पा रहा है।

परंतु सिर्फ मुस्लिम समुदाय के लोगों की सूची बना कर जांच पड़ताल करवाने से लोगों को भाजपा की नियत पर शक हो रहा है। मामले को बढ़ता देख कर देर शाम भारतीय जनता पार्टी भटगांव के पदाधिकारीयों व कार्यकर्ताओं ने तहसीलदार को ज्ञापन देकर के नगर पंचायत भटगांव के संपूर्ण 15 वार्ड के मतदाता सूची की जांच पड़ताल घर घर जा कर करने की मांग की गई।

संक्षिप्त समाचार

विद्यार्थी परिषद ने डिप्टी सीएम को ज्ञापन सौंपा

कोरबा (विश्व परिवार)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद कोरबा इकाई ने बुधवार को उप मुख्यमंत्री अरुण साव को 3 सूत्रीय माँग को लेकर एक ज्ञापन दिया। छत्तीसगढ़ शासन के डिप्टी सीएम अरुण साव को सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया है कि विद्यार्थी परिषद जिला कोरबा द्वारा पूरे जिले में प्रवास कर छात्र छात्राओं से संवाद करने पर उनकी विभिन्न समस्याओं की जानकारी मिली। इनमें तीन प्रमुख तथ्य सामने आए, जिन पर कार्रवाई की अपेक्षा है। कोरबा जिला में बहुत सी बड़ी बड़ी कंपनियां हैं। यहाँ विश्व का सबसे बड़ा कोयला खदान है , एन टी पी सी, बालको जैसी विभिन्न बड़ी बड़ी कंपनियां है। यहाँ कोरबा जिला के महाविद्यालय में पढ़े हुए छात्र छात्राओं को यहाँ के जॉब में प्राथमिकता दी जाए जिससे उनका भविष्य उज्ज्वल हो सके। ईवीपीजी महाविद्यालय में सत्र 2024- 25 प्रारंभ हो गया हैं और यहां छात्र-छात्राओं को अनेकों समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। जैसे हॉस्टल बन चुका है परंतु छात्र छात्राओं को अलॉट नहीं किया जा रहा है। यहाँ ऑडिटोरियम बन चुका है परंतु अलॉट नहीं किया जा रहा है एवं अन्य समस्याओं से छात्र छात्राएँ जूझ रहे हैं। इसी तरह दीपका एवं पाली महाविद्यालय में खेल परिसर से अभी तक छात्र छात्रा वंचित हैं। जबकि महाविद्यालय के आस पास काफी सरकारी जमीन उपलब्ध है। इसका जल्द से जल्द समाधान किया जाए। इस अवसर में जिला सँयोजक आयुष शर्मा, विद्यार्ती परिषद के जिला विस्तारक प्रदीप साहू, एबीवीपी के नगर मंत्री निहाल सोनी, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सन्नी यादव, प्रवीण साहू, कृष्ण अग्रवाल, सुदर्म जायसवाल एवम विद्यार्थी परिषद के अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आकर बाईक सवार की मौत

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। जिले के ग्राम रिसदा में एक तेज रफ़्तार ट्रक के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए एक बाइक को चपेट में ले लिया। इस हादसे में बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क पर चक्का जाम कर दिया। घटना शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र की है। बता दें कि घटना की जानकारी के बाद कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा। वहीं ट्रक ड्राइवर हादसे के बाद मौके से फ़रार हो गया है, जिसकी पुलिस तलाश कर रही है।

हाईकोर्ट ने विधायक देवेन्द्र यादव पर लगाया जुर्माना

बिलासपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने एक कोर्ट में लगे एक याचिका का जवाब पेश नही करने को लेकर विधायक भिलाई विधायक देवेंद्र यादव पर एक हजार रूपये का जुर्माना लगाया है। बता दें कि भिलाई विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक प्रेमप्रकाश पांडेय ने विधानसभा चुनाव में पराजित होने के बाद छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट में चुनाव याचिका दायर की है। दायर याचिका में निर्वाचित विधायक देवेंद्र यादव पर सत्ता का दुरुपयोग करने के साथ ही चुनाव जीतने के लिए मतदाताओं को प्रभावित करने और आदर्श चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन का आरोप लगाया है। इस आरोप के साथ ही याचिकाकर्ता पूर्व विधायक ने देवेंद्र यादव के निर्वाचन को शून्य घोषित करने की मांग की है। उक्त मामले को लेकर बुधवार को चुनाव याचिका पर जस्टिस राकेश मोहन पांडेय के सिंगल बेंच में सुनवाई हुई। याचिकाकर्ता पूर्व विधायक प्रेमप्रकाश पाण्डेय के अधिवक्ता ने 21 अगस्त को तीन अंतरिम आवेदन कोर्ट में पेश किया था। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता द्वारा पेश अंतरिम आवेदन पर जवाब पेश करने के लिए प्रमुख पक्षकार विधायक देवेंद्र यादव को कोर्ट ने अवसर दिया। विधायक देवेंद्र यादव के अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि विधायक को बलौदाबाजार-भाटापारा जिला मुख्यालय में घटित घटना के आरोप में राज्य शासन ने गिरफ्तार कर जेल में बंद कर दिया है। लिहाजा विधायक से चुनाव याचिका के संबंध में चर्चा नहीं हो पा रही है। याचिकाकर्ता पूर्व विधायक पांडेय के अधिवक्ता सीनियर एडवोकेट डा एनके शुक्ला व देवाशीष तिवारी ने कोर्ट को जानकारी दी कि भिलाई के विधायक देवेंद्र यादव जेल से पेशी के दौरान ट्वीट कर रहे हैं। एक्स के अलावा इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म में लगातार सक्रिय हैं। सूजरपुर की घटना को लेकर मीडिया में बयान दे रहे हैं। इंटरनेट मीडिया के जरिए लगातार सक्रिय हैं। अचरज की बात ये कि अपने मामले में अपने अधिवक्ता से संपर्क नहीं कर पा रहे हैं और चर्चा नहीं हो पा रही है। कोर्ट को जब इस तरह की जानकारी मिली तब जवाब पेश करने के लिए जानबूझकर किए जा रहे टालमटोल को लेकर नाराजगी जताई। नाराज कोर्ट ने विधायक यादव पर एक हजार रुपये का जुर्माना ठोंका है।

संपादकीय

गांदरबल हमला लोकतंत्र को दहलाने की साजिश

ललित गर्ग

गांदरबल का हमला आतंकियों की एक बड़ी सफलता है, कश्मीर में आतंक-अशांति फैलाने और विकास की गति को अवरूद्ध करने की साजिश है। जाहिर है, पाकिस्तानी जमीन पर बैठे आतंकवादी तत्वों ने इस एक हमले के जरिए कई उद्देश्य पूरे करने की कोशिश की है। जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले में 20 अक्टूबर रविवार रात को आतंकवादियों ने जिस तरह टारगेट किलिंग से एक कंस्ट्रक्शन प्रॉजेक्ट में काम कर रहे लोगों को निशाना बनाया, वह कई लिहाज से गंभीर, चिन्ताजनक एवं चुनौतीपूर्ण घटना है। यह आतंक का अंधेरा फैलाने एवं अमन के उजाले को लीलने की गहरी साजिश है। यह जहां आतंकवादियों की बौखलाहट की निष्पत्ति है वहीं उनकी बदली प्राथमिकताओं की प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है। राज्य में टारगेट किलिंग की यह कोई नई घटना नहीं है बल्कि हाल ही के वर्षों में सुरक्षा बलों के कैम्पों से लेकर प्रवासी मजदूरों के घरों एवं कश्मीरी पंडितों पर ऐसे टारगेट किलिंग हमले होते रहे हैं जिसके पीछे आतंकी संगठनों की हताशा ही दिखाई देती है। टारगेट किलिंग पाकिस्तान की कश्मीर में अशांति एवं आतंक फैलाने की नई साजिश है। अनुच्छेद-370 हटाए जाने के बाद से ही टारगेट किलिंग की घटनाएं बढ़ी हैं। वर्ष 2022 और 2023 में आतंकियों ने न केवल कश्मीरी पंडितों को निशाना बनाया बल्कि प्रवासी मजदूरों की भी लक्षित हत्याएं की। चुनाव में बाधा डालने के उनके तमाम प्रयास निष्फल हो जाने, लोकसभा चुनाव और विधानसभा चुनाव शांतिपूर्वक होने और इनमें लोगों की भागीदारी के भी रेकॉर्ड बनने से आतंकवादी हताश एवं निराश हो गये। पाकिस्तान बौखला गया। अब आतंकी तत्वों ने जम्मू-कश्मीर में निर्वाचित सरकार के गठित होते ही इस बड़े हमले को अंजाम देकर यह जताने का प्रयास किया है कि वे जनादेश के तहत बनी इस सरकार की राह में अड़ंगा डालने का हरसंभव प्रयास करते रहेंगे, अशांति एवं आतंक फैलाते रहेंगे। लेकिन इन चुनौतियों को निस्तेज करने के लिये प्रांत एवं केन्द्र सरकार को कमर कसनी होगी। सुरक्षा बलों को नये तेवर दिखाने होंगे। लक्षित हत्याएं न केवल पीड़ितों और उनके परिवारों को अपूरणीय क्षति पहुंचाती हैं, बल्कि जम्मू-कश्मीर में स्थायी शांति को बढ़ावा देने के प्रयासों को भी गहरा झटका देती हैं। ये हत्याएं न केवल जम्मू-कश्मीर के समाज के विविध ताने-बाने को कमजोर करती हैं, बल्कि घाटी में रहने वाले गैर-स्थानीय और अल्पसंख्यक समुदायों में असुरक्षा भी पैदा करती हैं। ये हत्याएं विकास को अवरूद्ध करती है, बल्कि उद्योग, व्यापार, पर्यटन एवं सौहार्द को भी खण्डित करती है। सुरक्षा बलों पर विभाजनकारी एवं आतंकी ताकतों के खिलाफअपना दृढ़ रुख बनाए रखने का दायित्व है, जिसे संदिग्ध गतिविधियों के बारे में जानकारी साझा करने में स्थानीय लोगों के सक्रिय सहयोग से बल मिलता है। जबकि घाटी में शांति ने प्रगति की है, इस नाजुक संतुलन को बाधित करने के किसी भी प्रयास का सुरक्षा बलों और स्थानीय लोगों, दोनों द्वारा कड़ा विरोध किया जाना चाहिए। कश्मीर में लम्बे समय से अमनचैन एवं शांति के साथ विकास की गंगा प्रवहमान रही है। सुरक्षा बलों की सतर्कता से जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी घटनाओं में आई कमी और आम जनजीवन पर उनके घटते असर से चिंतित आतंकी आकाओं ने आम चुनावों के दरम्यान अपनी सक्रियता बढ़ा दी, लेकिन वे कुछ कर नहीं पाये। अब मौका मिलते ही उन्होंने ऐसे इलाकों को चुना है जहां सुरक्षा बलों की तैनाती कम और मुश्किल थी। टारगेटेड अटैक के जरिए बाहरी लोगों को निशाना बनाया गया ताकि उनमें घबराहट फैले, अफरा-तफरी मचे और पर्यटकों का आना कम हो। इसीलिये आतंकियों ने इस बार हमले के लिए श्रीनगर और सोनमर्ग के बीच बनाई जा रही जेड-मोड टनल का काम कर रहे लोगों को चुना गया। यह टनल न केवल जम्मू-कश्मीर के विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण है बल्कि रणनीतिक तौर पर भी खासी अहमियत रखती है। इसके निर्माण से श्रीनगर और करगिल के बीच निर्बाध संपर्क सुनिश्चित होगा और श्रीनगर व लेह के बीच की यात्रा में लगने वाला समय कम हो जाएगा। यही नहीं, इस टनल के जरिए पर्यटकों के पसंदीदा शहर सोनमर्ग की हर मौसम में सुविधाजनक पहुंच भी सुनिश्चित की जा सकेगी। गांदरबल का हमला आतंकियों की एक बड़ी सफलता है, कश्मीर में आतंक-अशांति फैलाने और विकास की गति को अवरूद्ध करने की साजिश है। जाहिर है, पाकिस्तानी जमीन पर बैठे आतंकवादी तत्वों ने इस एक हमले के जरिए कई उद्देश्य पूरे करने की कोशिश की है। उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व में सरकार गठन के बाद पाकिस्तान के इशारे पर कश्मीर घाटी में एक बड़ी आतंकी घटना को सफलतापूर्वक अंजाम दे दिया जाना हमारे लिये चिन्ता के साथ चेतावनी भी है। यह घटना चेता भी रही है कि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के निर्वाचन क्षेत्र गांदरबल में केन्द्र सरकार द्वारा चलाए जा रहे टनल प्रोजेक्ट में कार्यरत सात प्रवासी श्रमिकों पर अंधाधुंध फायरिंग कर आतंकवादियों ने उनकी हत्या कर दी। मृतकों में एक स्थानीय डॉक्टर भी शामिल था। मरने वालों में पंजाब, बिहार और कठुआ के रहने वाले मजदूर शामिल हैं। कई श्रमिकों के घायल होने की खबर है जिनका अस्पताल में उपचार चल रहा है। ये सभी श्रमिक काम खत्म करने के बाद मेस में खाना खाने बैठे थे। तभी आतंकवादियों ने उन्हें गोलियों से भून दिया। निश्चितरूप से यह आतंकवादियों की कायराना एवं शर्मनाक करतूत है। इस घटना से चार दिन पहले शोपियां में बिहार के एक मजदूर की हत्या कर दी थी। ये हत्याएं आतंकवाद की अंधाधुंध हिंसक एवं आतंकी प्रकृति को उजागर करती हैं जो अपने रास्ते में किसी को भी नहीं छोड़ते। निर्दोष नागरिकों की बेवजह हत्या किसी एक परिवार के किसी प्रियजन को ही नहीं छीनता बल्कि उन लोगों में भी खौफपैदा करता है जो आतंकवाद की छाया में भी रोजी-रोटी कमाने के लिए जम्मू-कश्मीर में मजदूरी करते हैं। क्या नई सरकार का गठन आतंकवादियों के लिये सहूलियत भरा है? ऐसा है तो इसके सन्देश को समझना होगा। स्वयं उमर अब्दुल्ला सरकार एवं नेशनल कांफ्रेंस को इसे गलत साबित करते हुए आतंकवादियों के खिलाफसख्त होना होगा। एक बड़ा प्रश्न है कि जम्मू कश्मीर में उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व में नई सरकार बनने के बाद वहां सक्रिय आतंकवादियों और अलगाववादी ताकतों के हौसले एकाएक बुलंद क्यों हो गये? गौरतलब है कि जब जम्मू कश्मीर में नेशनल कांफ्रेंस को बहुमत मिला था तो कश्मीर घाटी में इस जीत की खुशी में आपत्तिजनक नारे लगाए गए थे। यहां तक की पाकिस्तान के झंडे भी लहराए गए थे। ऐसा क्यों हुआ? इस तरह आतंकियों के हौसलें बुलन्द होना नवगठित सरकार एवं वहां की जनता के लिये गहन चिन्ता का विषय होना चाहिए। भले ही हमले के बाद आई प्रतिक्रियाओं से साफहै इस मसले पर पक्ष-विपक्ष पूरी तरह एकजुट है। सबसे बड़ी बात यह कि अब आतंक के खिलाफउठे इन स्वरों में जम्मू-कश्मीर के लोगों की नुमाइंदगी कर रही आवाजें भी शामिल हैं। सम्मिलित सुनियोजित प्रयासों से जम्मू-कश्मीर को आतंकवाद के बचे-खुचे निशानों से भी मुक्त करने का लक्ष्य अब पहुंच से दूर नहीं कहा जा सकता। लेकिन इसके लिये सन्देह एवं शंकाओं के घेरों को तोड़ना होगा। कश्मीर घाटी में आतंकवादियों के सफाए के लिए भारतीय सेना और सुरक्षा बल के जवान लगातार मुहिम चला रहे हैं । उनके प्रयासों को बिना राजनीति किये तीक्ष्ण एवं तीव्र करना होगा। इस बीच जम्मू कश्मीर के उरी सेक्टर में पाकिस्तान के आतंकवादियों ने घुसपैठ करने की कोशिश की है जिसे भारतीय सेना ने नाकाम कर दिया। जाहिर है पाकिस्तान कश्मीर घाटी में अशांति फैलाने के लिए सीमा पार से साजिशें कर रहा है। इसलिए जम्मू कश्मीर में भारतीय सेना और सुरक्षाबलों को और अधिक सतर्क रहने की जरूरत है ताकि आतंकवादी कश्मीर घाटी में फिर ऐसी आतंकी घटना की पुनरावृत्ति न कर पाए।

रूस की युद्ध मशीन को ताकत मिली.....

भारत रूस को प्रतिबंधित तकनीकों' का दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक बन गया है। भारत से हुए निर्यात में माइक्रोचिप, सर्किट और मशीन-टूल्स शामिल हैं। पश्चिम का आरोप है कि इन वस्तुओं से रूस की युद्ध मशीन' को ताकत मिली है। इस खबर को पश्चिम में खूब तव्वजो मिली है और इस पर पश्चिमी राजनयिकों की तीखी प्रतिक्रिया फिर सामने आई है। खबर है कि भारत रूस को प्रतिबंधित तकनीकों' का निर्यात करने वाला चीन के बाद दूसरा सबसे बड़ा देश बन गया है। भारत ने जिन वस्तुओं का निर्यात बढ़ाया है, उनमें माइक्रोचिप, सर्किट और मशीन-टूल्स शामिल हैं। पश्चिमी राजनयिकों का आरोप है कि इन निर्यातों से रूस की युद्ध मशीन' को ताकत मिली है। यह खबर प्रकाशित होने के बाद अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि इससे जुड़ी चिंताएं फिर से भारतीय अधिकारियों के सामने उठाई जाएंगी। खबरों के मुताबिक भारत के जरिए रूस तक निर्यातों के पहुंचने के सवाल पर हाल के महीनों में अमेरिका और यूरोपियन यूनियन के अधिकारियों ने अपना खास ध्यान केंद्रित किया है। अधिकारियों ने मीडिया से कहा है कि उन्हें और भी ज्यादा नाराजगी इस पर हुई है कि जब कभी उन्होंने अपनी चिंताएं बताईं, भारतीय अधिकारियों ने उन पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया। इस कारण ही हाल में रूस से कारोबार करने वाली कई भारतीय कंपनियों पर पश्चिमी देशों ने प्रतिबंध लगाए हैं। फिलहाल भारतीय विदेश मंत्रालय ने इस बारे में कुछ कहने से इनकार किया है। लेकिन यह साफ है कि सभी पक्षों से रिश्ता रखने' की भारत सरकार की नीति अब पश्चिमी देशों को खासा चुभने लगी है। उनके रुख में एक तरह की तल्खी भी देखी जा रही है। इसे संभवत: कई माध्यमों से वे जता भी रहे हैं। यह साधारण बात नहीं थी कि पिछले महीने जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका में थे, तभी उग्रवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू के गुट की बात सुनने के लिए उसके नुमाइंदों को ह्वाइट हाउस आमंत्रित किया गया। उधर पूर्व एशिया शिखर सम्मेलन के दौरान जब मोदी और कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रुडो से मिले, तो ट्रुडो ने खालिस्तानी उग्रवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले में अपना भारत विरोधी रुख पूरी उग्रता के साथ जताया। मुमकिन है कि रूस को निर्यात और पन्नू- निज्जर विवाद में आपसी संबंध देखना उचित ना हो, लेकिन पश्चिम के रुख में भारत के प्रति बढ़ती तल्खी साफ है।

आलेख

उमर अपनी बात पर कितना खरा उतरते हैं?

बलबीर पुंज

बकौल मीडिया रिपोर्ट, चुनाव जीतने के तुरंत बाद उमर ने स्पष्ट कर दिया था, हमें केंद्र के साथ समन्वय बनाकर चलने की जरूरत है। जम्मू-कश्मीर के कई मुद्दों का समाधान केंद्र से लड़ाई करके नहीं हो सकता। यह देखना रोचक होगा कि मुख्यमंत्री उमर अपनी इस बात पर कितना खरा उतरते हैं? उमर अब्दुल्ला ने केंद्र शासित जम्मू-कश्मीर के पहले मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ले ली है। श्रीनगर में आयोजित कार्यक्रम में उप-राज्यपाल (एल.जी.) मनोज सिन्हा ने उमर के साथ पांच मंत्रियों को पद-गोपनीयता की शपथ दिलाई। उमर की पार्टी से सुरिंदर चौधरी उप-मुख्यमंत्री, तो निर्दलीय सतीश शर्मा मंत्री बनाए गए है। यह एक अच्छी शुरूआत है। परंतु प्रश्न उठता है कि मुस्लिम बाहुल्य प्रदेश में एक हिंदू मुख्यमंत्री क्यों नहीं बन सकता? यह स्थिति तब है, जब देश में ऐसे कई उदाहरण है, जहां हिंदू प्रधान राज्यों- केरल, महाराष्ट्र, असम, राजस्थान, बिहार, मणिपुर, पुडुचेरी और आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री मुस्लिम और ईसाई समाज से भी रहे है। यही नहीं, हिंदू बहुल भारत में कई गैर-हिंदू राष्ट्रपति, उप-राष्ट्रपति और राज्यपाल भी बन चुके है। सत्तारुढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस (एन.सी.) ने अपने घोषणापत्र में जो 12 वादे किए है, उनमें सूबे में धारा 370-35ए और राज्य के दर्जे को बहाल करने के साथ कश्मीरी पंडितों की घाटी में सम्मानजनक वापसी का वादा भी शामिल है। मोदी सरकार ने इस बात को कई बार दोहराया है कि वह जम्मू-कश्मीर के राज्य के दर्जे को बहाल करने को प्रतिबद्ध है। इस सच्चाई से उमर भी अवगत है कि एल.जी. के पास कई शासकीय शक्तियां है और केंद्र के सहयोग बिना, कई काम (राज्य दर्जा सहित) पूरे नहीं हो सकते। जम्मू-कश्मीर के अतिरिक्त, देश में सात और राज्य- अंडमान-निकोबार, चंडीगढ़, दादरा-नगर हवेली दमन-दीव, दिल्ली, लद्दाख, लक्षद्वीप और पुडुचेरी केंद्र शासित है। वर्तमान समय में संभवत: दिल्ली ही एकमात्र ऐसा केंद्र शासित प्रदेश है, जहां की निर्वाचित सरकार और एल.जी. के बीच संबंध तल्ख है। इस संदर्भ में क्या जम्मू-कश्मीर की स्थिति दिल्ली जैसी हो सकती है? कांग्रेस की दिवंगत नेत्री शीला दीक्षित 1998-2013 तक दिल्ली की मुख्यमंत्री रही थी। यदि केंद्र सरकार में उनकी पार्टी के नेतृत्व को छोड़ दें, तब मुख्यमंत्री के रूप में शीला दीक्षित की 1998-2004 के कालखंड में राजनीतिक मतभेदों के बाद भी तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी सरकार की अगुवाई में भाजपा नीत केंद्र सरकार से कोई तनातनी नहीं थी। इसमें बदलाव अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी (आप') की सरकार (2013 से अबतक) बनने के बाद आया, जो समन्वय के स्थान पर टकराव से देश की राजधानी में सरकार चला रही है। इस प्रकार की अराजकतावादी राजनीति कांग्रेस के शीर्ष नेता राहुल गांधी की देन है, जिन्होंने बिना वर्ष 2013 में किसी मंत्रिपद के अपनी ही सरकार के एक अध्यादेश को प्रेस-कॉन्फ्रेंस में फाड़कर फेंक दिया था और अब प्रधानमंत्री मोदी के लिए अमर्यादित शब्दों का उपयोग करते है। ऐसा नहीं है कि दिल्ली में एल.जी. और आप' के बीच तनातनी मई 2014 के बाद मोदी सरकार में प्रारंभ हुई है। कांग्रेस नीत केंद्र सरकार द्वारा एल.जी. बनाए गए नजीब जंग (2013-16) के साथ भी आप' सरकार का रवैया कटु था। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने उमर अब्दुल्ला को प्रत्यक्ष-परोक्ष रूप से अपनी पार्टी जैसा आचरण अपनाने का मशविरा दिया है। बकौल मीडिया रिपोर्ट, चुनाव जीतने के तुरंत बाद उमर ने स्पष्ट कर दिया था, हमें केंद्र के साथ समन्वय बनाकर चलने की जरूरत है। जम्मू-कश्मीर के कई मुद्दों का समाधान केंद्र से लड़ाई करके नहीं हो सकता। यह देखना रोचक होगा कि मुख्यमंत्री उमर अपनी इस बात पर कितना खरा उतरते हैं? एक पुराना मुहावरा है- हाथी के दांत खाने के और दिखाने के और। क्या सच में सत्तारुढ़ एन.सी. अस्थायी धारा 370-35ए की वापसी चाहती है? अब्दुल्ला परिवार (फारुख-उमर) राजनीति में परिपक्व है। एक तो उन्हें मालूम है कि अब केंद्र में किसी भी दल की सरकार रहे, इन दोनों धाराओं की वापसी लगभग नामुमकिन है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सौ वर्षीय यात्रा पर एक नजर

विजय कुमार

डा. हेडगेवार ने संगठन को देश की राष्ट्रीय आवश्यकता कहा था। उन्होंने कोलकाता में क्रांतिकारियों और नागपुर में कांग्रेस के साथ काम कियाय पर संघ स्थापना के बाद पूरी शक्ति यहीं लगा दी। इसलिए पहले 50 साल संघ ने केवल संगठन किया। 2025 की विजयादशमी पर संघ सौवें वर्ष में पहुंच रहा है। ऐसे में इस यात्रा के कुछ पड़ावों पर नजर डालना उचित होगा। डा. हेडगेवार ने संगठन को देश की राष्ट्रीय आवश्यकता कहा था। उन्होंने कोलकाता में क्रांतिकारियों और नागपुर में कांग्रेस के साथ काम कियाय पर संघ स्थापना के बाद पूरी शक्ति यहीं लगा दी। इसलिए पहले 50 साल संघ ने केवल संगठन किया। यद्यपि अन्य बहुत कुछ भी शीर्ष नेतृत्व के मन में था। दत्तोपंत ठेंगड़ी इसे 'प्रोगेसिव अनफोल्डमेंट' कहते थे। इसके बल पर ही संघ ने हर संकट को झेला। इस पहले दौर में स्वयंसेवकों ने कई संस्थाएं बनायीं। इनमें राष्ट्र सेविका समिति (1936), अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (1949), वनवासी कल्याण आश्रम (1952), भारतीय मजदूर संघ (1955), विश्व हिन्दू परिषद (1964), भारतीय जनसंघ/भारतीय जनता पार्टी (1951), सरस्वती शिशु मंदिर/विद्या भारती (1952) आदि प्रमुख हैं। यद्यपि इनके संविधान, कोष, पदाधिकारी, कार्यक्रम आदि अलग हैंय पर प्रेरणा संघ की ही है। संघ पर प्रतिबंध: संघ पर 1932 और 1940 में शासन ने आंशिक प्रतिबंध लगायेय पर वे ज्यादा नहीं चले। 1948 में गांधी जी की हत्या के बाद फिर प्रतिबंध लगा। तब शासन, प्रशासन और जनता संघ के विरोध में थी। प्रचार माध्यम सरकार के पास थे। संघ के पास अपनी बात कहने का कोई साधन नहीं था। फिर भी संघ ने सत्याग्रह से सरकार को झुका दिया। पर फिर शाखा के साथ ही समविचारी संगठनों का विस्तार और प्रभाव बढ़ने लगा। इसीलिए जब 1975 में इंदिरा गांधी ने संघ पर प्रतिबंध लगाया, तो जनता संघ के साथ रही। संघ ने फिर सत्याग्रह किया। जनता डर से चुप थी, पर चुनाव में उसका आक्रोश फूट पड़ा और इंदिरा गांधी हार गयी। यह संगठन के बल पर ही हुआ। समाज में बढ़ती स्वीकार्यता का लाभ उठाकर संघ ने संगठन को फैलाया तथा स्वयंसेवकों ने अनेक नयी संस्थाएं बनायीं। 1992 में बाबरी विध्वंस के बाद सरकार ने फिर प्रतिबंध लगाया, जिसे न्यायालय ने ही खारिज कर दिया। 1975 और 1992 के प्रतिबंध से संघ के संगठन और प्रभाव में वृद्धि हुई। उसका नाम दुनिया भर में फैल गया।

1977 के बाद: इसे हम दूसरा 50 वर्षीय कालखंड कह सकते हैं। संघ ने अनुभव किया कि हमारा काम समाज के निर्धन वर्ग में नहीं है। इनकी पहली जरूरत रोटी, कपड़ा और मकान है। इस कारण लोग धर्मांतरण भी कर लेते हैं। मीनाक्षीपुरम् कांड इसका उदाहरण था। अत: सेवा के क्षेत्र में प्रवेश किया गया। 1989 में डा. हेडगेवार की जन्मशती पर 'सेवा निधि' एकत्र कर हजारों पूर्णकालिक कार्यकर्ता बनाये गये। निर्धन बस्तियों को 'सेवा बस्ती' कहकर शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के हजारों छोटे प्रकल्प शुरू किये। अब इनकी संख्या डेढ़ लाख से भी अधिक है। अब सैकड़ों बड़े प्रकल्प भी हैं, पर मुख्य ध्यान छोटी इकाइयों पर ही है। केवल संघ ही नहीं, तो सभी समविचारी संस्थाएं सेवा कार्य कर रही हैं। यहां से पुरुष और महिला कार्यकर्ता भी आगे आ रहे हैं। कुछ चुनौतियां: 1947 में देश विभाजन एक बड़ी चुनौती थी। इस दौरान पंजाब और सिंध में संघ ने सीमित शक्ति के बावजूद लाखों हिन्दुओं की रक्षा की, महिलाओं की लाज बचाई और उनका पुनर्स्थापन किया। बंगाल में शक्ति कम होने से यह प्रभावी ढंग से नहीं हो सका। 1950 में प्रतिबंध हटने पर कुछ लोगों का विचार था कि निर्दोष होते हुए भी संसद या किसी विधानसभा में कोई हमारे पक्ष में नहीं बोला। अत: हमें शाखा छोड़कर केवल राजनीति करनी चाहिएय पर सरसंघचालक श्री गुरुजी नहीं माने। उन्होंने कहा कि राजनीति जरूरी होते हुए भी सब कुछ नहीं है। इससे कई बड़े लोग नाराज हो गये। यद्यपि संघ ने फिर राजनीति में भी कई लोगों को भेजा, पार्टी भी बनायी, पर राजनेताओं और दलों का जो हाल है, उससे श्री गुरुजी की बात प्रमाणित हो रही है।संगठन होने के कारण संघ तथा संघ प्रेरित संस्थाएं लगातार नयी टीम बनाकर पुरानों के संरक्षण में उन्हें पदस्थापित करते रहते हैं, पर 1968 में भारतीय जनसंघ को एक झटका लगा। दीनदयाल जी का निधन हो चुका था। जनसंघ वाले अटल बिहारी वाजपेयी को आगे लाना चाहते थे। इससे रुष्ट होकर बलराज मधोक ने पार्टी छोड़ दी, पर जल्दी ही वे समझ गये कि कुछ लोग कुछ समय के लिए कोई संस्था तो चला सकते हैं, पर संगठन नहीं। अत: वे शांत होकर फिर संघ के कार्यक्रमों में आने लगे। यद्यपि उनके अलगाव से श्री गुरुजी सहित सब स्वयंसेवकों को दुख हुआ, पर संघ में व्यक्ति नहीं, संगठन महत्वपूर्ण है। ऐसी ही एक चुनौती 2018 में विश्व हिन्दू परिषद में आयी। एक प्रभावी नेता ने अपनी नयी संस्था बना ली। यहां भी टकराव व्यक्ति और संगठन में ही था। आशा है वे भी शीघ्र ही मुख्य धारा में लौट आएंगे। अब आगे की ओर: कभी 'संगठन के लिए संगठन' की बात कही जाती थी, पर 50 साल संगठन और 50 साल विस्तार के बाद अब संघ समाज परिवर्तन की ओर बढ़ रहा है। जहां संघ का काम पुराना है, वहां परिवार प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी और स्थानीय वस्तुओं का प्रयोग, सामाजिक समरसता, एक मंदिर, एक शमशान, एक जलस्रोत, नागरिक कानूनों के पालन आदि का आग्रह किया जा रहा है। संघ के प्रयास से इस दिशा में भी नि:संदेह सुधार होगा। समाज में हजारों संस्थाएं और लोग अच्छे काम कर रहे हैं। संघ उन्हें भी साथ लेकर सम्मान और श्रेय देता है। संस्थागत अभिनिवेश से मुक्ति संघ की एक बड़ी विशेषता है। यद्यपि जब से भाजपा की सरकारें केन्द्र और राज्यों में बन रही हैं, तब से संघ में बहुत भीड़ भी आने लगी है। नये लोगों का आना सुखद है, पर जो स्वार्थवश आ रहे हैं, उनसे सावधान रहना होगा। 'नमस्ते सदा वत्सले मातृभूमे' से लेकर 'परम वैभवं नेतुमेतत् स्वराष्ट्रम्' की इस अविराम यात्रा में बहुत काम बाकी है। निरूसंदेह अगले कुछ वर्ष में करोड़ों स्वर 'भारत माता की जय' बोलेंगे और विश्वगुरु भारत का सपना साकार होगा।

भ्रष्टाचार से कांग्रेस ने सबक नहीं सीखने की ठान ली

योगेंद्र योगी

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया पर लोकायुक्त और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा जांच की जा रही है। सिद्धारमैया और उनकी पत्नी बीएन पार्वती पर मैसूरु के विजयनगर क्षेत्र में 14 प्लॉट आवंटित किए गए प्लॉट को लेकर सवाल उठे थे। सिद्धारमैया की पत्नी ने प्लॉट लौटाने की पेशकश की थी। कांग्रेस ने भ्रष्टाचार के कारण देशभर में हुई बदनामी से सत्ता गंवाने के बावजूद सबक नहीं सीखा है। कांग्रेस के केंद्र और ज्यादातर राज्यों से सत्ता बाहर होने का एक प्रमुख कारण भ्रष्टाचार रहा है। इसके बावजूद कांग्रेस के नेता भ्रष्टाचार से दामन नहीं छुड़ा पाएं हैं। कर्नाटक कांग्रेस की सरकार के जमीनों में बंदरबांट इसका नया उदाहरण है। इसके चलते मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष मारी गौड़ा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उल्लेखनीय है कि उनका इस्तीफा ऐसे समय में आया है जब कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, उनकी पत्नी बीएन पार्वती और उनके परिवार के अन्य सदस्यों के खिलाफचल रहे भूमि घोटाले की जांच राज्य और केंद्रीय एजेंसियों द्वारा की जा रही है। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया पर लोकायुक्त और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा जांच की जा रही है। सिद्धारमैया और उनकी पत्नी बीएन पार्वती पर मैसूरु के विजयनगर क्षेत्र में 14 प्लॉट आवंटित किए गए प्लॉट को लेकर सवाल उठे थे। सिद्धारमैया की पत्नी ने प्लॉट लौटाने की पेशकश की थी। जिसे वापस लेने पर प्राधिकरण ने सहमति जताई। मुख्यमंत्री के जमीन आंवटन में हेराफेरी की जांच के बीच मल्लिकार्जुन खडगे ने कर्नाटक द्वारा आवंटित जमीन लौटा दी। यह विवाद मार्च 2024 में शुरू हुआ, जब कर्नाटक कांग्रेस सरकार ने राहुल खडगे की अध्यक्षता वाले सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट को ज़मीन दी। विचाराधीन भूमि मल्लिकार्जुन खडगे के बेटे राहुल एम खडगे को कर्नाटक औद्योगिक क्षेत्र विकास बोर्ड (केआईएडीबी) द्वारा बगलूर में हाई-टेक डिफेंस एंड एयरोस्पेस पार्क के हार्डवेयर क्षेत्र में आवंटित की गई थी। कांग्रेस का शायद ही ऐसा कोई वरिष्ठ नेता होगा जिस पर भ्रष्टाचार के आरोप और मामले दर्ज नहीं किए गए हैं। पार्टी में कनिष्ठ से लेकर शीर्ष तक के नेताओं के खिलाफ गंभीर मामले चल रहे हैं। यहां तक कि पार्टी चलाने वालीं पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष सोनिया गांधी और उनके बेटे राहुल गांधी भी जमानत पर चल रहे हैं। भ्रष्टाचार के मामलों को देखें तो दिल्ली से लेकर हिमाचल प्रदेश, राजस्थान और गुजरात से लेकर महाराष्ट्र तक के बड़े कांग्रेस नेता सीबीआई, इनकम टैक्स और

ईडी जैसी एजेंसियों के निशाने पर हैं। हालांकि कांग्रेस अपने नेताओं पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों से इनकार करती रही है। पार्टी का कहना है कि बीजेपी की मोदी सरकार राजनीतिक बदले की भावना से कार्रवाई कर रही है। करोड़ों की एंबुलेंस खरीद में पूर्व केंद्रीय मंत्री पी चिदंबरम के पुत्र कार्ति चिदम्बरम, राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पूर्व स्वास्थ्य मंत्री ए.ए खान, श्वेता मंगल, शफी माथेर और निदेशक एन आर एच एम के विरूद्ध 2013 तक एनआरएचएम के तहत एंबुलेंस खरीदने में हुई धांधली का मामला दर्ज किया गया था। एंबुलेंस खरीदने के लिए जो टेंडर जारी किया गया, उसमें गड़बड़ी की गई थी। इस मामले में 31 जुलाई 2014 को जयपुर के अशोक नगर थाना पुलिस ने जयपुर नगर निगम के पूर्व मेयर पंकज जोशी की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया था। कर्नाटक में कांग्रेस के दिग्गज नेता डीके शिवकुमार के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति दर्ज करने का मामला चल रहा है। 2017 में इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने डीके शिवकुमार के 64 ठिकानों पर जबर्दस्त छापेमारी की थी। टैक्स चोरी की शिकायतों पर यह कार्रवाई हुई थी। उस दौरान डीके शिवकुमार व अन्य कांग्रेस नेताओं ने राजनीतिक बदले की भावना से कार्रवाई करने का आरोप लगाया था। इसी तरह वीरभद्र सिंह हिमाचल के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता वीरभद्र सिंह के खिलाफभी केंद्रीय एजेंसियों ने जांच की। सितंबर 2015 में उनकी बेटी की शादी के दिन सीबीआई ने छापेमारी कर खलबली मचा दी थी। कांग्रेस की कार्यकारी अध्यक्ष सोनिया गांधी के राजनीतिक सचिव अहमद पटेल पर इतालवी चॉपर कंपनी अगस्ता वेस्टलैंड से कमीशन लेने के आरोपों की सीबीआई आदि केंद्रीय एजेंसियां जांच कर रही हैं। इस मामले में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री कमलनाथ के भांजे रतुल पुरी भी फंसे हैं। यह मामला अगस्ता वेस्टलैंड कंपनी से 36 अरब रुपए के 12 वीआईपी हेलिकॉप्टर खरीदने थे से जुड़ा है। आरोप है कि कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया इस वीआईपी चॉपर खरीद के पीछे अहम भूमिका निभा रही थीं। बीजेपी के राज्यसभा सांसद सुब्रमण्यम स्वामी ने इस मामले को पिछली मोदी सरकार में उठाया था, जिसके बाद घमासान मचा था। नेशनल हेराल्ड केस-2011 में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, उनके बेटे राहुल गांधी और अन्य कांग्रेस नेता फंसे हैं। आरोप है कि कांग्रेस के पैसे से 1938 में एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड नाम की कंपनी खड़ी की गई, जो नेशनल हेराल्ड, नवजीवन और क़ौमी आवाज़ नामक तीन अखबारों का संचालन करती थी। एक अप्रैल 2008 को सभी अखबार बंद हो गए. इसके बाद कांग्रेस ने 26 फरवरी 2011 को इसकी 90 करोड़ रुपये की देनदारियों को अपने जिम्मे ले लिया था। मतलब पार्टी ने इसे 90 करोड़ का लोन दे दिया।

गुरूजी डॉ. सुभाष जैन हुए सम्मनित, एक्सीलेंस इन इंजिनियरिंग अवार्ड-2024, जेस द्वारा

फरीदाबाद (विश्व परिवार)। फरीदाबाद, नगर में व सभी अपनों में गुरूजी के नाम से जाने जाने वाले इंजिनियर डॉ सुभाष जी जैन को एक गरिमामय समारोह में जैन इंजिनियरिंग सोसाइटी फ़रीदाबाद द्वारा एक्सीलेंस इन इंजीनियरिंग अवार्ड 2024 पूज्य आचार्य श्री अरुण सागर जी महाराज के कर कमलों से प्रदान किया गया.

आराध्य धाम जैन मंदिर में आयोजित समारोह में सर्व प्रथम तीर्थकर महावीर के चित्र का अनावरण व दीप प्रज्वलन डॉ सुभाष जैन, जैन समाज के संरक्षक श्री दिनेश जैन, इंजिनियर डी. के. जैन, श्रीमती नंदा जैन, श्री के.के. अग्रवाल, श्रीमती उर्मिल जैन ने किया.

जिनवाणी वंदना श्रीमती रेखा जैन द्वारा सम्पन्न हुयी. सभा में उपस्थित जनों ने डॉ सुभाष जैन के बिषय में अपने उदगार व्यक्त करते हुए कहा कि 1 लाख से अधिक लोगों का निशुल्क उपचार एक्युप्रेशर व चुंबकीय चिकित्सा विधि से डॉ सुभाष जैन ने किया है. 1000 से अधिक ज्ञान पिपसुओ को इस चिकित्सा विधि का प्रशिक्षण देकर उन्हें योग्य चिकित्सक बनाया है. सारे देश में इनके द्वारा निशुल्क सेवाएं दी गयीं हैं. वक्ताओं में डॉ श्याम लाल, श्री प्रदीप जैन, इंजिनियर विनीत जैन, इंजिनियर मनोज जैन, श्री सुरेंद्र जैन, श्री धीरज जैन, श्री आर.सी. जैन, सी.ए. गोपाल के. जैन, इंजिनियर अभिनव जैन, इंजिनियर अम्बर जैन थे.

सभी के उदबोधन प्रेरक संवेदनाओं से भरे थे. जेस फ़रीदाबाद इकाई के अध्यक्ष, इंजिनियर अरुण जैन ने डॉ सुभाष जी का परिचय देते हुये सारे भारत में उनकी सेवाओं का स्मरण कराया.

पूज्य आचार्य अरुण सागर जी के समक्ष सम्मान, अलंकरण कार्यक्रम में श्रीमती रिया जैन, वरिष्ठ बाल रोग बिशेषज्ञ अमृता हॉस्पिटल फ़रीदाबाद डॉ. आकांक्षा जैन, श्री धीरज जैन, इंजिनियर प्रमोद जैन, इंजिनियर विनीत जैन, श्रीमती अनुराधा जैन ने युगल को तिलक लगाकर, श्रीफल भेंट कर, अंग वस्त्र, पगड़ी, शाल, प्रतीक चिन्ह व प्रशस्ति पत्र प्रदान किये.

इन भावुक क्षणो में डॉ सुभाष जैन ने जेस फ़रीदाबाद का आभार व्यक्त करते हुए, जीवन की अंतिम साँसो तक जन सेवा करने का संकल्प किया.

पूज्य आचार्य श्री अरुण सागर जी ने अपने आशीर्वाद देते हुए जन जन से सेवा, साधना के कार्य करने का आव्हान किया व डॉ सुभाष जैन को 82वर्ष का युवा समर्पित व्यक्तित्व बताया. कार्यक्रम के पश्चात सुस्वादु जलपान की व्यवस्थाकी थी.आभार जेस महासचिव इंजिनियर डी.के. जैन व जेस उपाध्याय इंजिनियर प्रदीप जैन ने किया. कार्यक्रम को सफल बनाने में इंजिनियर सुरेंद्र जैन NTPC, श्रीमती रेखा, सुरेंद्र जैन, श्री धीरज जैन, इंजिनियर अम्बर जैन, श्री सुशील जैन इंजिनियर अभिनव, इंजिनियर वरुण सिंह जैन का सराहनीय योगदान रहा. कार्यक्रम में जेस, रोटरी क्लब, आर. एस. एस., भगवान महावीर सेवा सोसाइटी, उपाध्याय ज्ञान सागर सेवा समिति, जैन सभा, आराध्य धाम परिवार के उपस्थित सदस्यों ने डॉ सुभाष जैन को मंगलकामनाएं दीं.

वे लोग भाग्यहीन होते हैं जिनके पास अनुकूल संयोग होने पर भी प्रमादवश धार्मिक कार्यों में धर्मलाभ नहीं ले पाते : मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज

इंदौर (विश्व परिवार)। संकल्प ही सकलीकरण है, भाव विशुद्धि के साथ मन, वचन और शरीर की प्रसन्नता बनी रहे, आपके धर्मिक कार्य में कोई विघ्न न आऐ कषाय की हांनी हो, इसलिये सकलीकरण किया जाता है। उपरोक्त उद्गार मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज ने विजय नगर इंदौर में आगामी 7 नवम्बर से 15 नवम्बर तक होने वाले श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान के पात्रों का सकलीकरण कराते हुये मोहताभवन में व्यक्त किये।

मुनि श्री ने कहा कि वे लोग भाग्यहीन होते हैं जिनके पास अनुकूल संयोग होने पर भी प्रमादवश धार्मिक कार्यों में धर्मलाभ नहीं ले पाते, उन्होंने कहा कि ऐसे अनुकूल संयोग बहूत ही पुण्य योग से मिला करते है, उन्होंने कहा कि पाप के कार्य हों तो भले ही पीछे रह जाना लेकिन परमार्थ का काम हो तो सबसे आगे बड़कर रहना चाहिये, उन्होंने कहा कि श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान की महिमा को प्रत्येक जैन परिवार जानता है ऐसे पुण्य के संयोग और ऐसी उत्तम सामग्री, उत्तम सत्त के साथ साथ उत्तम श्रद्धा का होंना भी आवश्यक है बे लोग बहूत ही भाग्यहीन होते है जिनके पास अनुकूल संयोग होंने पर भी प्रमादवश धर्म का लाभ नहीं ले पाते।

उत्तम सामग्री के साथ साथ श्रद्धा का होंना बहूत जरूरी है, उदाहरण देते हुये कहा कि श्रद्धा के बल पर ही वह मेंडक मुख में पाखुड़ी दबाए भगवान महावीर के समवसरण की ओर निकला था लेकिन राजा श्रैणिक के हाथी के नीचे आ गया वह भले ही शरीर न पहुंच पाया हो लेकिन देव पर्याय के साथ भगवान महावीर के समवसरण में राजा श्रैणिक से पहले पहुंच गया, इसलिए परमार्थ के काम में कभी धन का गुणाभाग मत लगाना अपने दृष्टिकोण को हमेशा सकारात्मक रखना श्रद्धा के बल पर ही एकलव्य ने द्रोणाचार्य से वह सब कुछ सीख लिया था जो अच्छे अच्छे भी नहीं सीख पाये थे, दक्षिण में राजा चामुण्डराय ने इतने बड़े भगवान बाहुबली की प्रतिमा का निर्माण कराया लेकिन अभिषेक का पुण्य उस गुल्लिका की लुटिया को मिला।इसलिये संयोग साधन के साथ साथ श्रद्धा का होंना बहूत जरूरी है, मुनि श्री ने संपूर्ण भारत एवं विदेश में रहने बाले सभी श्रद्धालुओं को आशीर्वाद देते हुये कहा कि जो लोग प्रत्यक्ष में भाग नहीं ले पा रहे है वह सभी ओन लाईन इस विधान में हिस्सा ले सकते है अपने अपने घर पर ही पूरी शुद्धता के साथ विधान में भाग लीजिये जिस घर में सिद्धचक्र के मंत्र गूंजेगे उस घर की सारी अलाह बलाह अपने आप समाप्त हो जाऐगी। इस अवसर पर मुनि श्री निर्वेगसागर महाराज तथा मुनि श्री संघान सागर महाराज सहित सभी क्षुल्लक विराजमान थे विधानाचार्य बाल ब्र. अशोक भैया एवं अभय भैया ने मंत्रोच्चारण के साथ पात्र शुद्धी एवं सकलीकरण क्रिया को संपन्न कराके संकल्पित किया।

उपरोक्त जानकारी प्रवक्ता अविनाश जैन विद्यावाणी एवं मीडिया प्रभारी राहुल जैन (स्पोटर्स)ने दी। इस अवसर पर धर्म प्रभावना समिति के अध्यक्ष अशोक डोसी, मुख्य यजमान मुकेश विजय पाटोदी, धर्मेन्द्र जैन सिनकेम, नवीन आनंद गोधा महामंत्री हर्ष जैन सहित सभी नवरत्न एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे। -**अविनाश जैन**

मुनि श्री शाश्वत सागर जी महाराज का संयम उपकरण पिच्छिका परिवर्तन समारोह चांदखेड़ी में 27 अक्टूबर को

चांदखेड़ी (विश्व परिवार)। हाडोती के प्रसिद्ध पावन अतिशय क्षेत्र चंद्रोदय तीर्थ चांदखेड़ी में परम पूज्य आचार्य गुरुवर विद्यासागर महाराज के परम शिष्य पूज्य मुनि श्री 108 शाश्वत सागर महाराज का संयम उपकरण पिच्छिका परिवर्तन समारोह 27 अक्टूबर को होगा।

क्षेत्र कमेटी की ओर से जानकारी देते हुए प्रशांत जैन ने बताया कि यह कार्यक्रम 27 अक्टूबर को दोपहर 1:00 बजे आचार्य विद्यासागर महाराज प्रवचन हाल में आयोजित होगा पूज्य महाराज श्री संयम नियम व्रत ग्रहण करने वाले को पुरानी। पिच्छिका एवं नवीन पिच्छिका का भेंट करने का सौभाग्य प्रदान करेंगे। जिसको लेकर तैयारियां को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

इस आयोजन में संगीत की स्वर लहरिया प्रसिद्ध संगीतकार शिखरचंद जैन पाटोदी कोटा एवम पार्टी बिखेरेगी। आयोजन के क्रम में सर्वप्रथम चित्र अनावरण दीप प्रज्वलन एवं महाराज श्री के कर कमलो में शास्त्र भेट किया जाएगा एवं इसी क्रम में महाराज श्री के मंगल प्रवचन भी होंगे वह नियम संयम ग्रहण करने वालों को महाराज श्री की पुरानी पिच्छिका प्राप्त होगी एवं नियम व्रत ग्रहण करने वालों को ही महाराज श्री को ही नवीन पिच्छिका भेट करने का परम सौभाग्य प्राप्त होगा। कौन होगा वह सौभाग्यशाली जिनको यह पुण्य प्राप्त होगा इसको लेकर काफी उत्साह बना हुआ है। इस आयोजन में सहयोग हेतु महिला शक्ति भी पीछे नहीं है एवं विशेष सहयोग प्रदान करने हेतु दिगम्बर जैन महिला महासमिति व मरुदेवी महिला मंडल चांदखेड़ी सक्रियता के साथ तत्पर है।

-**अभिषेक जैन लुहाड़िया**

संक्षिप्त समाचार

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन द्वारा कराया जा रहा 15 दिसंबर को युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन

इंदौर (विश्व परिवार)। दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन द्वारा अन्तरराष्ट्रीय युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन इंदौर में कराया जा रहा है। यह आयोजन 15 दिसंबर को स्थानीय दस्तूर गार्डन इंदौर में आयोजित किया जा रहा है। इस अंतरराष्ट्रीय परिचय सम्मेलन में संपूर्ण जैन समाज की उपजातियां के अविवाहित युवक-युवतियों के लिए योग्य प्रत्याशी चयन के लिए अवसर उपलब्ध होंगे। ज्ञात हो की आवेदन जमा करने की प्रक्रिया एक दिसंबर से लेकर 24 दिसंबर तक चालू रहेगी। जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश जैन विनायका, महासचिव विपुल बांझल, मीडिया प्रभारी संजीव जैन सहित वरिष्ठ सम्मानित लोगों के नेतृत्व में आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का लक्ष्य समाजसेवा करना है एवं समाज के होनहार युवक-युवतियों को जीवनपथ पर यशस्वी एवं प्रगतिशील जीवनसाथी के चयन में सहायक होना है।

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज कुलचाराम हैदराबाद से

औरंगाबाद (विश्व परिवार)। जो लोग मन से मर जाते हैं या जीवन जीने की हिम्मत हार जाते हैं, फिर उनके पास भविष्य रचने की क्षमता नहीं होती...फिर वह इतिहास खोदने बैठ जाते हैं। इसलिए आज कुछ लोग जीवन को बोझ की तरह, भार की तरह ढो रहे हैं। जिस जीवन में आनंद, प्रेम महोत्सव था, उस जीवन में मातम सा छा गया है। जहाँ फूल खिलने थे, वहाँ कांटे चुभ रहे हैं, जहाँ दीप जलने थे, वहाँ दिल जल रहे हैं, लेकिन कसूर किसका है? महावीर, कृष्ण, राम और बुद्ध-जीवन को सार्थक कर सकते हैं, तो हम क्यों नहीं। जन्म जीवन नहीं बल्कि जीवन को जानने पाने खोने का एक अवसर है, मौत तुम्हारे एक अवसर से चुकने का इन्तजार कर रही है। इसलिए आज के आदमी को जीवन व्यर्थ लगता है। बात बात में-मैं क्या करूं? कैसे जीयूं? किसी भी कार्य में सफलता ही नहीं मिलती? अरे भाई! आप अपने दिन के रुटीन को देखो, तो पाओगे सिर्फ सारी भाग दौड़ श्री और स्त्री के लिये है। आप इतिहास उठा कर देखो-? आज तक एक भी पुरुष और महापुरुष श्री - स्त्री से तृप्त नहीं हो पाये। जो इनसे तृप्त हुये, तो महापुरुष या सन्यासी बाबा बन गये। संसार के 33 करोड़ देवी देवताओं को पूजना आसान है लेकिन श्री - स्त्री को पाकर खुश रहना और खुश रखना, ऐसा ही है जैसे शेर की मूछ के बाल को ताबीज में भरकर पहनना। -**नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल**

संत समागम से समय का सदुपयोग कर पुण्य का अर्जन करें : आर्यिका रत्न महायश मति जी

पारसोला (विश्व परिवार)। आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज अपने संघ सहित पारसोला धरियावद विराजित हैं आज की धर्म सभा में शिष्या आर्यिका श्री महायशमति ने प्रवचन में बताया कि दीपावली पर्व किन कारणों से मनाई जाती है, कषाय कितनी होती है, लेश्या किसे कहते हैं कि कितने प्रकार की होती है, समय का सदुपयोग कैसे करना चाहिए, आचार्य संघ रूपी संत समागम से कैसे लाभ लेना चाहिए इसकी प्रवचन में विवेचना की। एक कथा के माध्यम से बताया कि दो मित्रों को एक देवी ने रतन के खजाने में छोड़ दिया की नियत 1 घंटे में आप जितने रन बटोर सकते हैं आप ले लें एक मित्र ने पुरुषार्थ कर समय का उपयोग कर रन इकट्ठे कर लिए जबकि दूसरा व्यक्ति आलस में सो गया कि मैं जब उठेगा जब मैं ले लूंगा तो एक व्यक्ति खाली हाथ रहा और दूसरे को रन की प्राप्ति हुई इसी प्रकार चार माह का चातुर्मास रूपी संत समागम आपको मिला है आप सोचते हैं हम बाद में जाकर धर्म लाभ ले लेंगे व्रत नियम ले लेंगे किंतु कुछ लोग व्रत नियम लेकर जीवन और समय का सदुपयोग करते हैं जबकि कुछ खाली हाथ रह जाते हैं। मनुष्य जीवन बहुत ही पुण्य से प्राप्त होता है इस जन्म में जो पूर्ण अर्जित करोगे उसका फायदा अगले जन्म में मिलेगा इसलिए जितना समय मिला है उसका हर पल हर क्षण का सदुपयोग करना चाहिए प्रमादी नहीं होना चाहिए। प्रथमाचार्य श्री शांति सागर जी महाराज का आचार्य पद का शताब्दी महोत्सव का शुभारंभ पारसोला से हुआ है इसमें आपने आचार्य श्री के जीवन को पढ़कर, सुनकर देखकर, समझकर, क्या ग्रहण किया है यह सोचने की बात है। महोत्सव में आचार्य श्री ने 36 मूल गुण के धारी आचार्य श्री के जीवन से प्रेरणा लेकर 36 एकासन व्रत करने की प्रेरणा आप सभी भक्तों को दी है। यह मंगल देशना आर्यिका श्री महायश मति माताजी ने धर्म सभा में भक्तों के समक्ष दी।गज्जू भैया, राजेश पंचोलिया अनुसार माताजी ने प्रवचन में आगे बताया कि आत्मा और शरीर का बंधन क्यों है आप जो क्रोध कषाय करते हैं उसके कारण आत्मा में कर्मों का आश्रव होता है इस वजह से आप बार-बार अनेक भव में जन्म लेते हैं। क्रोध मान माया लोभ यह चार प्रकार की कषाय होती है आपके परिणाम और भावों के कारण यह लेश्या में परिवर्तित हो जाती है। कषायो के कारण ही नरक गति, तियंच गति मिलेगी। छः प्रकार की लेश्या में तीन शुभ और तीन अशुभ होती है इसलिए आपको अपने भाव और परिणाम मैत्री के, करुणा, दया के रखना चाहिए। दीपावली पर्व आप भगवान के निर्वाण दीप उत्सव, साफ-सफाई, मिठाई और खुशी के रूप में मनाते हैं भगवान राम 14 वर्ष का वनवास समाप्त कर अयोध्या लौटे थे इस कारण तभी से दीप उत्सव मनाने की प्रथा चली है।भगवान राम श्री 1008 मुनि सुव्रतनाथ भगवान के समय में हुए थे। कार्तिक माह में भगवान महावीर स्वामी को मोक्ष निर्वाण हुआ था, उसी शाम को प्रथम गणधर गौतम स्वामी को भी केवल ज्ञान प्राप्त हुआ था हम इस कारण दीपावली पर्व जैन समाज द्वारा मनाया जाता है। जिस प्रकार प्रकाश से अंधकार दूर किया जाता है, उसी प्रकार मोह, अज्ञान, और पापों को केवलज्ञान रूपी लक्ष्मी से दूर किया जाता है इसलिए केवलज्ञान लक्ष्मी की पूजन करना चाहिए। पटाखे के बारे में माताजी ने बताया कि पटाखे फोड़ने से ध्वनि और वायु प्रदूषण होता है पटाखे के कारण अनेकानेक जीवों का घात होता है इसलिए सभी को पटाखे नहीं फोड़ना चाहिए। मुनि श्री चिंतन सागर जी ने अपने चिंतन में बताया कि सभी को धर्म के स्वरूप को सुनकर, समझकर याद करना चाहिए।एक सूत्र दिया कि जो हमारे लिए प्रतिकूल है वह दूसरे के लिए भी प्रतिकूल होगा इसलिए वह कार्य नहीं करना चाहिए। आत्म प्रशंसा और दूसरे की निंदा नहीं करना चाहिए किसी के धर्म कार्य में बाधा नहीं डालना चाहिए। सभी के प्रति विनय, प्रेम, मैत्री भाव रखना चाहिए। जयंतीलाल कोठारी अध्यक्ष एवं ऋषभ पचोरी, प्रवीण जैन अनुसार श्रीजी के पंचामृत अभिषेक पूजन के पश्चात आचार्य श्री वर्धमान सागर जी की पूजन की गई। -**राजेश पंचोलिया**

महावीर नगर में चल रही तीन दिवसीय राष्ट्रीय विद्वत संगोष्ठी का आज होगा समापन, 27 को होगा अर्हं ध्यान योग शिविर

जहां कषाय, राग और मोह साथ में है वहां नियम से अशुद्धोपयोग होगा : प्रणम्य सागर महाराज

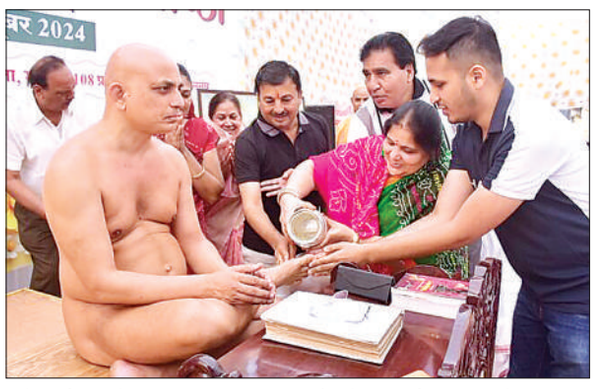

जयपुर (विश्व परिवार)। संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर महामुनिराज के परम प्रभावक शिष्य अर्हं ध्यान योग प्रणेता मुनि 108 प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में महावीर नगर में भारतीय संस्कृति के संवर्धन में आचार्य विद्यासागर महामुनिराज का अवदान विषयक तीन दिवसीय राष्ट्रीय विद्वत संगोष्ठी के दूसरे दिन कई विद्वानों ने आचार्य विद्यासागर महामुनिराज के भारतीय संस्कृति के संवर्धन में योगदान पर अपने आलेख पढे। शनिवार को दोपहर में संगोष्ठी का समापन होगा।

शुक्रवार को अर्हम ध्यान योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज ने अपने प्रवचन में कहा कि पर द्रव्य के कारण जो उपयोग होता है वह अशुद्ध उपयोग होता है क्योंकि जहां कषाय, राग और मोह साथ-साथ में है वहां नियम से अशुद्धोपयोग होगा।दर्शन मोहनिया एवं चरित्र मोहनिया के क्षयोपशम से शुभ उपयोग होता है यह शुभ उपयोग शुद्ध उपयोग का मार्ग प्रशस्त करता है जो 12वें गुणस्थान में होता है।

अध्यक्ष अनिल जैन एवं मंत्री सुनील बज ने बताया कि संगोष्ठी का प्रथम सत्र प्राचार्य शीतल प्रसाद की अध्यक्षता में सुबह 8 बजे प्रारंभ हुआ। जिसमें कुंडलपुर से आये अमित भैया ने भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास में हस्तकरघा, उद्योग क्रांति का योगदान पर अपना आलेख पढ़ते हुए कहा कि आचार्य श्री अर्थ का मतलब समझते हुए कहते थे कि प्रतिभा और प्रतिभावान लोग ही वास्तविक अर्थ है। जहां प्रतिभा का संकलन होता है, वहां उन्नति अपने आप आ जाती है। दूसरे वक्ता डॉ. सोनल शास्त्री ने काव्यशास्त्र दृष्टि में मूक माटी मीमांसा विषय पर अपना आलेख पढ़ते हुए कहा साहित्य वही है जो हित के सहित हो। डॉक्टर श्रेयांश कुमार ने अपने आलेख में कहा कि शुद्ध उपयोग अविरत को कभी हो नहीं सकता। यह शुद्ध उपयोग मुनि अवस्था में ही होता है। आचार्य श्री कहते थे कि समता का भाव छूटेगा तो श्रमणता भी छूट जाएगी।

अंत में डॉ. शीतल प्रसाद ने अध्यक्षीय उदबोधन दिया। संगोष्ठी में राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित प्रोफेसर फूलचंद शास्त्री सहित पूरे देश से अनेक विद्वान पधारे है। सभा का संचालन प्रोफेसर अनेकांत जैन ने किया। इससे पूर्व समाजश्रेष्ठी शीतल-निर्मला, अनमोल कटारिया परिवार ने चित्र अनावरण, दीप प्रज्वलन, पाद प्रक्षालन एवं शास्त्र भेट का सौभाग्य प्राप्त किया। इस मौके पर राजस्थान जैन सभा जयपुर के मंत्री विनोद जैन कोटखावदा, राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के जिला महामंत्री सुभाष बज, आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर मीरा मार्ग के अध्यक्ष सुशील पहाड़िया, मंत्री राजेन्द्र सेठी, सीए मनोज जैन, राजेश काला, अरुण श्रीमाल एवं मन्दिर समिति के अध्यक्ष अनिल जैन, उपाध्यक्ष दर्शन बाकलीवाल, मंत्री सुनील बज, सह मंत्री पवन जैन, कोषाध्यक्ष गिरीश बाकलीवाल, समाजश्रेष्ठी सुरेंद्र पांड्या, जस्टिस एन के जैन, सुधीर कासलीवाल नमन वास्तु सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

-**विनोद जैन कोटखावदा**

भगवान महावीर स्वामी का निर्वाण उत्सव 1 नम्बर को मनाया जाएगा : विजय धुर्रा

जगत कल्याण की कामना के लिए हुई महाशान्ति धारा

नवीन कार्यकारिणी कल जायेगी गुरु चरणों में लेगी शपथ : विपिन सिंघई

अशोक नगर (विश्व परिवार)। जगत को जिओ और जीने दो का दिव्य सन्देश देने वाले भगवान श्री महावीर स्वामी का निर्वाण कल्याणक महोत्सव एक नम्बर को देशभर के साथ जिले में भी पूरे भक्ति भाव के साथ मनाया जाएगा इस हेतु परम पूज्य निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज ने हमें आशीर्वाद देते हुए कहा कि इस वर्ष तिथि में अंतर है और भगवान को ब्रह्म मुहूर्त में निर्वाण की प्राप्ति हुई तो ब्राह्म मुहूर्त के अनुसार ही निर्वाण लाडू प्रात: काल की वेला पूरे विधि-विधान के साथ निर्वाण कांड के साथ ही निर्वाण भक्ति के साथ निर्वाण कल्याणक पूजा के साथ भक्ति भाव से समर्पित किया जायेगा इसके साथ ही घर की पूजन का मुहूर्त मध्यान में एक बजे से दो बजे का होगा उक्त आश्य केउद्गार दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी में मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने व्यक्त किए।

जगत कल्याण की कामना से हुई महाशान्ति धारा : इस दौरान थूवोनजी कमेटी के निवृत्तमान महामंत्री विपिन सिंघई ने कहा कि कल नवीन कार्यकारिणी सागर पहुंच कर परम पूज्य आध्यात्मिक संत निर्यापक श्रमण मुनिपुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज के सान्निध्य में शपथ ग्रहण करेगी जिसमें नव निर्वाचित अध्यक्ष महामंत्री के साथ ही उनकी नव नियुक्त उपाध्यक्ष मंत्री सहित संपूर्ण कार्यकारणी विधि पूर्वक शपथ ग्रहण करेगी।

इसके पहले आज जगत कल्याण की कामना के लिए महा शान्ति धारा की जिसका सौभाग्य नव नियुक्त उपाध्यक्ष संजीव जैन महावीर स्वीट्स नव नियुक्त मंत्री प्रदीप रानी पिपरई डी के जैन पंजाब बैंक युवा वर्ग अध्यक्ष सुलभ सन्तोष कुमार जे की अखाई नवनियुक्तमंत्री शैलेन्द्रददा सहित अन्य भक्तों ने को सौभाग्य प्राप्त हुआ इस दौरान सभी पुण्याकों कमेटी की ओर से स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। -**विजय धुर्रा**

जीवन में धर्म अपनाकर ही आत्मा का कल्याण होगा : मुनिश्री प्रियदर्शी विजयजी

रायपुर (विश्व परिवार)। श्री संभवनाथ जैन मंदिर विवेकानंद नगर रायपुर में जारी आत्मोल्लास चातुर्मास 2024 में दीपावली पर्व प्रवचनमाला शुरू हो गई है। शुक्रवार को मुनिश्री प्रियदर्शी विजयजी म.सा. ने अपने प्रवचन में कहा कि जैन शास्त्रों अनुसार जो काल की व्यवस्था बताई गई है उसमें एक कालचक्र के 12 विभाग अर्थात आरा और 12 विभागों में से पांचवें और छठवें आरे की बात करते हुए मुनिश्री ने कहा कि परमात्मा के मोक्ष में जाने के बाद पांचवे आरे में धर्म की अत्यंत हानि होगी।

मुनिश्री ने आगे कहा कि धर्मीजनों की तकलीफ बढ़ेगी,पापी लोगों का बोलबाला होगा। पारिवारिक संबंधों में भी दरारें आएंगी, संपत्ति को लेकर जायदाद को लेकर बाप और बेटे के बीच में लड़ाइयां, भाई और भाई के बीच में लड़ाइयां होगी, एक दूसरे के सामने अदालत में जाएंगे, घर की बहु, बेटियां मर्यादाहीन बनेगी, उनके वस्त्र और पहनावा आदि आर्य समाज की शोभा को कलंक लगाएंगे। बाप और बेटी, भाई और बहन के बीच में भी मर्यादा सभर संबंध नहीं होगा। इस समय में दुष्काल का प्रभाव ज्यादा होगा। बरसात कम होगी, व्यापारी अनीति करेंगे,बच्चे मां-बाप का तिरस्कार करेंगे, पिता की हाजिरी में ही पुत्र की मृत्यु होगी,लोगों को धर्म श्रवण में रुचि नहीं होगी। साधु और सन्यासी भी घर बारी जैसे होंगे और वह भी संपत्ति आदि के मालिक बनेंगे। मंत्र आदि विद्या अपने प्रभाव नहीं दिखा सकेंगे। ऋतु चक्र अपने नियत समय अनुसार नहीं चलेगा। ठंडी में गर्मी होगी,गर्मी में बरसात होगी। बरसात भी कभी बहुत कम और कभी अत्यधिक ज्यादा होगी। इस तरह से पांचवें आरे में अंदर सुखी कम होंगे और दुखी व्यक्ति ज्यादा होंगे।

मुनिश्री ने कहा कि उसी तरह छठवे आरे में मनुष्य का आयुष्य शक्ति कद रूप सभी में हानि होगी। मात्र मछलियों का भोजन होगा। पाचन शक्ति अत्यंत कमजोर होने से वह भी पचेगी नहीं। उत्कृष्ट आयुष्य 16 वर्ष का होगा। 6 वर्ष की उम्र में लड़की मां बनेगी और जिस तरह से श्वान बहुत से बच्चों को जन्म देती है उस तरह से वह भी बहुत से बच्चों को एक साथ जन्म देगी। इस समय का मनुष्य अत्यंत दुखी होगा खूब कामासक्त होगा, क्रोधी होगा, झगड़ालू होगा,अत्यंत गर्मी और अत्यंत ठंडी के कारण दिन में और रात में निकलना उसके लिए मुश्किल होगा। गंगा और सिंधु नाम की नदी के किनारों पर बने बिलों के अंदर में मनुष्य रहेगा और संध्या के समय निकल करके अपने आहार की खोज के लिए जाएगा। इस काल में जन्मे मनुष्य प्राय: नर्क और दुर्गति में जाएंगे और इस तरह से उनके जन्म मरण की परंपरा चलेगी।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बस्तर संभाग

रायपुर शनिवार 26 अक्टूबर 2024

संक्षिप्त समाचार

थाने के बाथरूम में मिली एनएचएम कर्मी की लाश

बलरामपुर(विश्व परिवार)। शहर के कोतवाली थाने के बाथरूम में हिरासत में लिए गए एक एनएचएम कर्मी की लाश मिली है। घटना के बाद स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी और मृतक के परिजनों ने कोतवाली में हंगामा मचा दिया है। वहीं कोतवाली के पुलिसकर्मी किसी भी प्रकार का जवाब देने से कतरा रहे है। मिली जानकारी के अनुसार एनएचएम में कार्य करने वाले गुरुचंद मंडल को कोतवाली पुलिस ने किसी आरोप में हिरासत में लिया था। जिसकी गुरूवार को थाने के बाथरूम में गमछे में लटकी लाश मिली है। इस घटना से जहां थाने में हड़कंप मच गया है। वहीं कोतवाली पहुंचे मृतक के परिजन तथा एनएचएम कर्मियों ने हंगामा मचा दिया है। परिजनों का आरोप है कि उन्हें लाश देखने नहीं दिया जा रहा है। वहीं एनएचएम कर्मियों को आरोप है कि पुलिस मृतक को जबरन ले जाकर पूछताछ कर रही थी। मामले में स्वास्थ्य विभाग की डीपीएम स्मृति एक्का ने भी पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

नोडल अधिकारी आवास निर्माण कार्यों की नियमित करें निगरानी : सीईओ

सुकमा(विश्व परिवार)। कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव के निर्देशन में सीईओ जिला पंचायत नम्रता जैन ने बुधवार को प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत नोडल अधिकारियों की समीक्षा बैठक की। बैठक में उन्होंने वर्ष 2024-25 के तहत स्वीकृत आवासों और पूर्व में स्वीकृत आवासों के निर्माण कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। सीईओ जिला पंचायत जैन ने कहा कि सभी आवासों को निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करना प्राथमिकता है, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों के लाभार्थियों को शीघ्र आवास उपलब्ध कराया जा सके। उन्होंने नोडल अधिकारियों को निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी करने और किसी भी प्रकार की देरी से बचने के लिए समुचित योजना बनाकर कार्य करने पर जोर दिया। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना के कार्यान्वयन की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई, साथ ही आवासों की गुणवत्ता और वितरण प्रक्रिया को भी सुचारू बनाए रखने के निर्देश दिए गए। इस दौरान नोडल अधिकारी सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

जिला स्तरीय प्रधानमंत्री आवास मेला में आवासहीन परिवारों को मिला सपनों का आशियाना

मोहला(विश्व परिवार)। हर व्यक्ति और परिवार की जीवन की सबसे बड़ी आवश्यकता और सपना अपना खुद का मकान होने का होता है। ऐसे परिवार जो आर्थिक समस्या के चलते अपना खुद का मकान बनाने में सक्षम नहीं होते हैं। उनके लिए प्रधानमंत्री आवास योजना अपने अरमानों को पूरा कर रहा है। आज स्थानीय दशहरा मैदान मोहला में जिला स्तरीय प्रधानमंत्री आवास मेला का आयोजन किया गया। आवास मेला में अनेक परिवारों को मकान स्वीकृत एवं मकान पूर्ण हो जाने पर चाबी भेंट कर शुभकामनाएं देकर सम्मानित किया गया। प्रधानमंत्री आवास योजना आवास योजना अनेकों परिवारों के अरमानों को साकार करने का अविस्मरणीय मौका साबित हो रहा है। जिला स्तरीय आवास मेला कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती गीता घासी साहू ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का संकल्प है कि देश के हर एक परिवार का अपना खुद का मकान हो, सभी परिवार खुशहाल रहे। प्रधानमंत्री का यह संकल्पना आज पूरे देश के आवासहीन परिवारों के लिए कारगार साबित हो रहा है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रधानमंत्री के संकल्प को पूरा किया जा रहा है। शासन द्वारा जनहितकारी कार्यों को प्राथमिकता दिया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि जिन परिवारों के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना स्वीकृत हुआ है वे शीघ्र ही आवास निर्माण कार्य को प्रारंभ कर पूर्ण कराएं। उन्होंने ग्राम पंचायतों के सरपंच सचिव से कहा कि बिना किसी वजह के प्रधानमंत्री आवास योजना में शामिल परिवारों का नाम सर्वे सूची से ना काटे। उन्होंने आगे कहा कि शासन द्वारा युवाओं, महिलाओं, किसानों के साथ ही सभी क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य किया जा रहा है। इसके परिणाम स्वरुप देश का स्वरूप बदल रहा है और विश्व स्तर पर भारत का नाम रोशन हो रहा है। इस अवसर पर कलेक्टर श्री एस जयवर्धन ने प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत स्वीकृत परिवारों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि योजना अंतर्गत आवास निर्माण कार्य को समय पर गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराएं। उन्होंने कहा कि योजना अंतर्गत दिए जाने वाले राशि का सदुपयोग करते हुए आवास निर्माण कार्य को प्रारंभ कर शीघ्र पूर्ण कराएं। ग्रामीण स्तर पर प्रधानमंत्री आवास निर्माण कार्य में आने वाली समस्या को सरपंच सचिव एवं ग्रामवासी मिलकर सुलझाएं। इस अवसर पर पूर्व विधायक एवं संसदीय सचिव श्री संजीव शाह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना भारत शासन की महत्वपूर्ण योजना है।

डीएमएफ की राशि का उपयोग आवश्यक व प्राथमिक कार्यों में करें - सांसद नाग

जिला खनिज न्यास निधि की शासी परिषद की बैठक में दिया गया आय-व्यय का ब्यौरा

सांसद, विधायक सहित जनप्रतिनिधि हुए शामिल

कांकेर(विश्व परिवार)। जिला खनिज संस्थान न्यास निधि की शासी परिषद की बैठक आज दोपहर को लोकसभा क्षेत्र कांकेर के सांसद श्री भोजराज नाग की अध्यक्षता में आयोजित हुई, जिसमें वार्षिक आय-व्यय की जानकारी दी गई। साथ ही वित्तीय वर्ष 2024-25 के तहत डीएमएफ की राशि से कराए जाने वाले कार्यों का प्रस्ताव बैठक में उपस्थित जनप्रतिनिधियों के समक्ष रखा गया। बैठक में अंतागढ़ विधायक श्री विक्रम उसेण्डी, कांकेर विधायक श्री आशाराम नेताम, भानुप्रतापपुर विधायक श्रीमती सावित्री मंडावी तथा जिला पंचायत अध्यक्ष श्री हेमंत ध्रुव उपस्थित थे। जिला पंचायत के सभाकक्ष में आज दोपहर 12.30 बजे से आयोजित बैठक में सांसद श्री नाग ने कहा कि डीएमएफ की राशि का उपयोग प्राथमिक व आवश्यक कार्यों में हो, अधिकारी यह सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि खनन प्रभावित क्षेत्र के लोगों को इसका अनिवार्य रूप से लाभ मिले, ऐसी कार्ययोजना बनाई जाए। जिले के अंदरूनी क्षेत्रों में अभी भी व्यापक स्तर पर विकास की जरूरत है, अत: प्रभावित ग्रामीणों को लक्षित कर खनिज न्यास निधि की राशि का उपयोग किया जाए। इस अवसर पर अंतागढ़ विधायक श्री उसेण्डी, कांकेर विधायक श्री नेताम, भानुप्रतापपुर विधायक श्रीमती मंडावी तथा जिला पंचायत अध्यक्ष श्री ध्रुव ने भी बैठक में अपने क्षेत्र स्तर पर हो रहे कार्यों के संबंध में विचार व्यक्त किए। साथ ही प्रभावित ग्राम पंचायतों के सरपंचों ने भी विभिन्न मांगों से परिषद को अवगत कराकर नवीन कार्य स्वीकृत करने की बात कही। बैठक में कलेक्टर एवं जिला खनिज न्यास निधि के पदेन अध्यक्ष श्री निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रत्यक्ष खनन प्रभावित ग्राम/नगर पंचायतों की संख्या 47 तथा अप्रत्यक्ष खनन प्रभावित ग्राम पंचायतों की संख्या 409 है। उन्होंने बताया कि जिले में डीएमएफके तहत की वार्षिक अनुमानित प्राप्ति राशि 50 करोड़ रूपये है, जिसके अंतर्गत 60 प्रतिशत राशि का व्यय उच्च प्राथमिकता क्षेत्र के कार्य जैसे पेयजल आपूर्ति, पर्यावरण संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण, स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण, स्वच्छता, कौशल विकास, आजीविका, कृषि विकास, वृद्ध एवं नि:शक्तजन कल्याण सहित विभिन्न कार्यों में किया जाता है। इसी तरह 40 प्रतिशत राशि का व्यय अन्य प्राथमिकता वाले क्षेत्र जैसे भौतिक संरचना, सिंचाई, ऊर्जा, लोक परिवहन, सांस्कृतिक मूल्यों का संरक्षण, युवा गतिविधियों को बढ़ावा देना, बुनियादी सुविधाओं सहित अन्य कार्यों में किया जाता है। कलेक्टर ने यह भी बताया कि शासन द्वारा जिला खनिज संस्थान न्यास निधि के दिशा निर्देश में बदलाव करने के कारण कांकेर जिले को एनएमडीसी दंतेवाड़ा से मिलने वाला आबंटन अप्राप्त है।

जनजातीय समाज के गौरवशाली अतीत पर एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन

जनजातीय समाज के योगदानों पर डाला प्रकाश

सुकमा(विश्व परिवार)। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान सुकमा, छिंदगढ़, कोंटा एवं शासकीय पॉलीटेक्निक सुकमा के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को शबरी ऑडिटोरियम कुम्हाररास, सुकमा में एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ छत्तीसगढ़ महतारी, बिरसा मुंडा, रानी दुर्गावती, गुण्डाधुर और डेबरीधुर की छायाप्रतियों पर दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर जनजातीय समाज के ऐतिहासिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक योगदानों पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य माड़े बारसे, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष सुकमा डमरू राम नाग, प्राचार्य आईटीआई कोंटा खोमन दास खिलाड़ी, प्राचार्य पॉलीटेक्निक कॉलेज सुकमा गजेन्द्र देवांगन, प्राचार्य आईटीआई छिंदगढ़ नीलेश कुमार नेताम सहित कई प्रतिष्ठित नागरिक उपस्थित थे। मुख्य अतिथि धनी राम बारसे ने कहा कि जनजातीय समाज का गौरवशाली इतिहास बहुत विस्तृत और प्रेरणादायक है। उन्होंने समाज के प्रति त्याग और समर्पण की बात करते हुए युवाओं को सोशल मीडिया पर फैलने वाली भ्रामक खबरों से सावधान रहने की सलाह दी। उन्होंने युवाओं से जिले के विकास में योगदान देने और अपनी संस्कृति एवं परंपराओं को संजोए रखने का आह्वान किया। बारसे ने सरकार द्वारा बस्तर क्षेत्र के विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने नशा मुक्त भारत अभियान पर जोर दिया और युवाओं को आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। सामाजिक कार्यकर्ता नैनी जंघाय ने गीत 'जीवन है अनमोल रे... से संबोधन की शुरुआत की और जनजातीय समाज के महानायकों बिरसा मुंडा, वीर नारायण सिंह, अलुरी सीतारामराजू, रानी दुर्गावती और डेबरी धुर के त्याग और बलिदान को याद किया। उन्होंने युवाओं से इन महापुरुषों के दिखाए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। कार्यक्रम में शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान सुकमा, छिंदगढ़ एवं कोंटा के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की मनमोहक प्रस्तुतियों ने सभी का मनमोह लिया। कार्यक्रम का सफल संचालन नेमीचंद वर्मा और निषाद के द्वारा किया गया।

संकुल समन्वयक एंव सपोर्टिंग शिक्षकों का एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला सम्पन्न

सुकमा(विश्व परिवार)। जिले के समस्त शैक्षणिक संस्थाओं में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने एंव उत्तरोत्तर सुधार के मुख्य उद्देश्य से कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव के कुशल निर्देशन एंव जी.आर.मण्डावी जिला शिक्षा अधिकारी सुकमा के मार्गदर्शन में मंगलवार को स्वामी विवेकानंद बहुउद्देशीय सभागार जिला सुकमा में आचार्य विनोबा भावे फऊंडेशन के सदस्यों द्वारा एक दिवसीय शिक्षकों का उन्मुखीकरण-क्षमता विकास कार्यशाला आयोजित की गयी। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य निर्पूण भारत योजना की परिकल्पना को सुकमा जिले में लक्ष्य अनुरुप हासिल करने के साथ-साथ ,शिक्षकों को टेक्नोलॉजी में दक्ष करना प्रत्येक बच्चों को ट्रेकिंग करना,शिक्षा विभाग को सहयोग प्रदान करने पर आधारित था। इस अवसर पर शिक्षा अधिकारी द्वारा मूलभूत साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान लक्ष्य 2026-27 को बच्चों में हासिल करने उनकी ही भाषा में सीखने एंव सिखाने, सामग्री निर्माण,वातावरण निर्मित कला सोशल मीडिया,यू-ट्यूब उपयोग पर जोर दिया। कार्यशाला में जीआर मण्डावी जिला शिक्षा अधिकारी सुकमा एवं उमाशंकर तिवारी जिला मिशन समन्वयक समग्र शिक्षा सुकमा ने भी शिक्षकों को संबोधित किया। इस प्रशिक्षण में जिले के 110 संकुल समन्वयक सहित प्रत्येक संकुल से एक-एक सपोर्टिंग शिक्षक शामिल हुए और कुल 220 लोगों को प्रशिक्षण दिया गया। कार्यशाला आचार्य विनोबा भावे के जिला समन्वयक जीतेन्द्र सिंह, गोयल , भरत एंव अन्य सदस्यों के द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। इस कार्यशाला में सीताराम सिंह राणा सहायक परियोजना समन्वयक समग्र शिक्षा, इस कार्यशाला में उपस्तिथ् थे।

ग्राम पंचायत दुलेड़ में तीन दिवसीय आधार शिविर का आयोजन

सुकमा(विश्व परिवार)। कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव के निर्देशन में जिले में शत प्रतिशत आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड, श्रम कार्ड और डीबीटी (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) का लाभ लेने हेतु खाता खोलने का कार्य तेजी से चल रहा है। इसी कड़ी में दूरस्थ वनांचल एवं संवेदनशील क्षेत्र कोंटा विकासखंड के ग्राम दुलेड़ में तीन दिवसीय आधार शिविर का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें ग्राम यादवपारा, पटेलपारा, कहेरदुलेड़, मड़पेदुलेड़ एवं कड़तीपारा ग्रामीणों की उत्साही भागीदारी देखी जा रही है। शिविर में आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए ग्रामीणों में विशेष रुचि देखी गई, जिससे यह स्पष्ट है कि वे स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाने के लिए तत्पर हैं। आयुष्मान कार्ड के माध्यम से ग्रामीण अपने और अपने परिवार के स्वास्थ्य संबंधी लाभ आसानी से प्राप्त कर सकेंगे, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं तक उनकी पहुंच बढ़ेगी। ईडीएम मो. शाहिद ने बताया कि टीम ने उन क्षेत्रों में भी शिविर लगाए हैं जहां मोबाइल नेटवर्क उपलब्ध नहीं है। ऐसे गांवों के लोगों को पास के नेटवर्क वाले क्षेत्रों में लाकर आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे हैं। यह पहल जिले के हर व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जिले में कलेक्टर के निर्देशानुसार आधार कार्ड, राशन कार्ड, श्रम कार्ड और डीबीटी खाते खोलने के लिए निरंतर शिविरों का आयोजन हो रहा है। इस प्रयास से शासन की योजनाओं का लाभ जिले के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का उद्देश्य सफल होता दिख रहा है।

बच्चों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को दे प्राथमिकता : कलेक्टर

सुकमा(विश्व परिवार)। कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव ने बुधवार को सुकमा में नवीन सखी वन स्टॉप सेंटर भवन निर्माण का निरीक्षण किया। उन्होंने भवन में आवश्यक सुधार करने के निर्देश दिए और सुरक्षा की दृष्टि से बाउंड्रीवॉल निर्माण में आवश्यक सुधार किए जाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ध्रुव ने कहा कि भवन में सभी आवश्यक सुधार एक माह के भीतर सुनिश्चित किए जाएं। साथ ही सखी वन स्टॉप सेंटर का बेहतर संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने मिनी स्टेडियम के पास संचालित सखी वन स्टॉप सेंटर का निरीक्षण कर स्टॉफ की उपस्थिति एवं वर्तमान सुरक्षा व्यवस्था की भी जानकारी ली और शौचालय मरम्मत करने के निर्देश दिए। इस दौरान संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे। जिला मुख्यालय में नशा मुक्ति केंद्र के संचालन हेतु कलेक्टर ध्रुव ने जनपद पंचायत सुकमा में चिन्हांकित भवन को लेकर आवश्यक निर्देश दिए। तब तक नशा मुक्ति केंद्र के संचालन के लिए भवन पृथक से चिन्हांकन करने के निर्देश दिए। उन्होंने नशा मुक्ति केंद्र की आवश्यकता और इसके प्रभावी संचालन पर जोर दिया, ताकि सुकमा क्षेत्र में नशे की समस्या को कम किया जा सके। कलेक्टर ध्रुव ने जिला मुख्यालय सुकमा में लैम्पस मस्तानपारा में किसानों के साथ बैठक की और समिति में सदस्यता लेने की प्रक्रिया सहित अन्य विषयों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि किसानों को पारंपरिक खेती के साथ-साथ उद्यानिकी फसलों की खेती करने के लिए प्रेरित करें। सामूहिक खेती के लिए आवश्यक फैंसिंग जैसी सुविधाओं की जरूरत और खरीफ फसल के विक्रय पर भी बातचीत हुई। कलेक्टर ने किसानों को जैविक खेती अपनाने की सलाह दी। कलेक्टर ने ग्राम पंचायत गोंगला में गिरदावरी का निरीक्षण किया और धान की फसल की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने किसानों से रोपा और छिड़काव पद्धति से धान की खेती के बारे में जानकारी प्राप्त की और गिरदावरी में सुधार हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। कलेक्टर ध्रुव ने बालक आवासीय विद्यालय पोटाकेबिन बुड़दी का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने बच्चों की उपस्थिति, शिक्षकों की जानकारी और भोजन व्यवस्था का जायजा लिया। कलेक्टर ने विद्यालय परिसर में पानी निकासी की समस्या को हल करने के निर्देश दिए और किचन गार्डन की स्थापना पर जोर दिया।

कलेक्टर-एसपी सामुदायिक पुलिसिंग कार्यक्रम में हुए शामिल

कलाकारों ने नुक्कड़ नाटक से लोगों को साईबर अपराध के प्रति जागरूक किया

कोण्डागांव(विश्व परिवार)। मर्दापाल पुलिस थाना अंतर्गत ग्राम लखापुरी में बुधवार को सामुदायिक पुलिसिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें कलेक्टर कुणाल दुदावत और पुलिस अधीक्षक वाय अक्षय कुमार शामिल हुए। कार्यक्रम में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोक कलाकारों द्वारा साईबर अपराध पर आधारित प्रस्तुती दी गई और ग्रामीणों को साईबर अपराध के प्रति सजग और सतर्क रहने के लिए जागरूक किया गया। कलेक्टर दुदावत ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य शासन के निर्देशानुसार जिला प्रशासन द्वारा गांव-गांव में शिविर लगाकर ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान किया जा रहा है। सामुदायिक पुलिसिंग के इस कार्यक्रम में भी विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल में विभिन्न समस्याओं का समाधान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम निश्चित ही पुलिस व जनता के मध्य संबंध को मजबूत करने में कारगर साबित होगा। उन्होंने बस्तर ओलंपिक के बारे में जानकारी देते हुए ग्रामीणजनों से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की भी अपील की। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जिले के विभिन्न गांव में सामुदायिक पुलिसिंग के आयोजन से ग्रामीणजनों के बीच आपसी संवाद और सहयोग की भावना को बढ़ाने के साथ साईबर अपराध सहित विभिन्न अपराधों के बारे में जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे वे सतर्क और सजग रहें। कार्यक्रम में पुलिस विभाग द्वारा ग्रामीण महिलाओं को साड़ी एवं कंबल और कृषकों को बीज वितरित किया गया। साथ ही शासकीय प्राथमिक व पूर्व माध्यमिक शाला लखापुरी के विद्यार्थियों को जूता, कापी व पेन वितरण किया गया। इसके अलावा ग्राम लखापुरी, एहरा, छोटेकोडेर, नवागांव और नाहकानार गांव के युवाओं को विभिन्न खेल सामग्री का वितरण किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत के सीईओ अविनाश भोई, एडीएम चित्रकांत चार्ली ठाकुर, एएसपी रूपेश डांडे व कौशलेन्द्र देव पटेल सहित विभिन्न गांवों के सरपंच और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे। कलेक्टर ने मर्दापाल तहसील अंतर्गत मर्दापाल मेढ़पाल मुख्य मार्ग से चांगेर हंगवा तक 12.90 किलोमीटर के सड़क निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्य के धीमी प्रगति पर नाराजगी जताते हुए कार्य में तेजी लाने के लिए संबंधित ठेकेदार को निर्देशित किया। इसके साथ ही उन्होंने ग्राम कुदुर के पास नदी में बने पुल का भी निरीक्षण किया और एप्रोच रोड को जल्द बनाने के साथ शेष लंबित कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

खेल-व्यापार

रायपुर शनिवार 26 अक्टूबर 2024

व्यापार समाचार

एनडीटीवी का परिचालन राजस्व दूसरी तिमाही में 16.5 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली(एजेंसी)। देश के बड़े मीडिया समूहों में से एक एनडीटीवी ने वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही के वित्तीय परिणाम जारी किए। जुलाई-सितंबर अवधि में समेकित आधार पर कंपनी का परिचालन राजस्व 16.5 प्रतिशत बढ़कर 111.32 करोड़ रुपये हो गया है, जो कि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 95.55 करोड़ रुपये था। मीडिया कंपनी की ओर से कहा गया कि एनडीटीवी के अच्छे प्रदर्शन की वजह मजबूत कंटेट स्ट्रेटजी, इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी (आईपी) के पोर्टफोलियो और स्ट्रेटजिक डिजिटल इनिशिएटिव का बढ़ना है। एनडीटीवी के पूर्ण-कालिक डायरेक्टर और एडिटर-इन-चीफ संजय पुगलिया ने कहा कि दूसरी तिमाही का प्रदर्शन शानदार रहा है और यह दुनिया भर में हमारे दर्शकों को व्यावहारिक और कार्रवाई योग्य समाचार प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। संजय पुगलिया ने आगे कहा कि हम लगातार बढ़ रहे हैं और नवाचार ला रहे हैं। एनडीटीवी वर्ल्ड समिट जैसा इवेंट राष्ट्रीय और वैश्विक दोनों स्तरों पर महत्वपूर्ण बातचीत को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की हमारी महत्वाकांक्षा को दर्शाता है। एनडीटीवी की डिजिटल उपस्थिति तेजी से बढ़ रही है, जो सभी भाषाओं में उच्च गुणवत्ता वाली खबरें देने की उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। अगस्त में हिंदी प्लेटफॉर्म पर ट्रैफिक में 24 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई, जबकि अंग्रेजी प्लेटफॉर्म पर पिछले साल अगस्त की तुलना में 41 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। डिजिटल क्षेत्र में अपने नेतृत्व को और मजबूत करते हुए, एनडीटीवी के अंग्रेजी यूट्यूब चैनल ने अपने प्रतिस्पर्धियों को पछाड़ते हुए सितंबर में अंग्रेजी समाचार श्रेणी में सबसे अधिक दर्शकों की संख्या हासिल की। कंपनी ने आगे कहा कि दर्शकों की भागीदारी में यह उछाल एनडीटीवी की अंतर्दृष्टिपूर्ण पत्रकारिता और विभिन्न प्लेटफार्मों पर नए प्रारूपों के माध्यम से आधुनिक उपभोक्ताओं के साथ जुड़ने की क्षमता को उजागर करता है। मीडिया हाउस ने अपने सबसे बड़े कार्यक्रमों में से एक %एनडीटीवी वर्ल्ड समिट 2024 - द इंडिया सेंचुरी% की भी मेजबानी की, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उद्घाटन भाषण दिया, जिसमें वैश्विक सहयोग, नेतृत्व और नवाचार के लिए एक मंच के रूप में इसके महत्व पर जोर दिया गया।

भारत में विलय एवं अधिग्रहण सौदों की वैल्यू 2024 के पहले नौ महीने में 66 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत में होने वाली विलय एवं अधिग्रहण (एम एंड ए) सौदों की वैल्यू इस साल के पहले नौ महीने (जनवरी से सितंबर) के बीच 66 प्रतिशत बढ़ी है। इसमें वैश्विक आधार पर 10 प्रतिशत की वृद्धि और एशिया-प्रशांत क्षेत्र में 5 प्रतिशत की गिरावट हुई है। बुधवार को आई एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (बीसीजी) की एक वैश्विक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में एम एंड ए गतिविधि 2024 में मजबूत रही है। बीसीजी में प्रबंध निदेशक और भागीदार ध्रुव शाह ने कहा, यह भारतीय बाजार की अद्वितीय मजबूती और अपील को उजागर करता है। टेक्नोलॉजी, मीडिया, इंडस्ट्रियल और हेल्थकेयर जैसे क्षेत्र में बड़े सौदे हुए हैं। समीक्षाधीन अवधि में भारत में डील की मात्रा में 3 प्रतिशत की गिरावट आई, लेकिन यह उतनी तेजी से नहीं जितनी वैश्विक स्तर 13 प्रतिशत और पूरे एशिया-प्रशांत क्षेत्र में 13 प्रतिशत की गिरावट आई। इस वर्ष के पहले नौ महीनों के दौरान टेक्नोलॉजी, मीडिया या दूरसंचार पर केंद्रित सौदे कुल मूल्य का 40 प्रतिशत थे। रिपोर्ट में कहा गया कि वैश्विक स्तर पर उठापटक के बाद भी औद्योगिक कंपनियां 2024 में भारतीय डील मेकिंग में अग्रणी बनी हुई हैं। लंबी अवधि में भारत में डीलमेकिंग मजबूत रहेगी क्योंकि मजबूत बैलेंस शीट वाली कंपनियां आकर्षक मूल्यांकन वाली संपत्ति की तलाश में हैं। शाह ने आगे कहा कि मजबूत बैलेंस शीट वाली कंपनियां अकार्बनिक रूप से बढ़ने के अवसरों की तलाश जारी रखेंगी और निजी इक्विटी और उद्यम पूंजी निवेशक रिकॉर्ड-हाई ड्राई पाउडर को तैनात करने की कोशिश करेंगे क्योंकि भारत पसंदीदा निवेश गंतव्य बना हुआ है। भारत में डील बढ़ने की वजह अर्थव्यवस्था का तेज गति से बढ़ना है। वित्त वर्ष 2023-24 में भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 8.2 प्रतिशत थी, जो वित्त वर्ष 2024-25 में 7.2 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

टाटा एआईजी ने महिलाओं, मानसिक स्वास्थ्य और कैंसर देखभाल पर ध्यान केंद्रित करते हुए राइडर्स लॉन्च किए

मुंबई : भारत में एक प्रमुख सामान्य बीमा प्रदाता, टाटा एआईजी जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड ने आज 60 से अधिक लाभ प्रदान करने वाले पांच नए राइडर्स के लॉन्च की घोषणा की, जिसका उद्देश्य अपने खुदरा स्वास्थ्य बीमा उत्पादों की लचीलापन और व्यापकता को बढ़ाना है। चूंकि चिकित्सा लागत में वृद्धि जारी है और स्वास्थ्य सेवा की ज़रूरतें विकसित हो रही हैं, इसलिए इन राइडर्स को अनुकूलित सुरक्षा प्रदान करने, उभरती हुई स्वास्थ्य चिंताओं और जीवनशैली में बदलावों को संबोधित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह लॉन्च अपने ग्राहकों के लिए अभिनव और प्रासंगिक समाधान प्रदान करके स्वास्थ्य बीमा क्षेत्र में विकास को आगे बढ़ाने के लिए टाटा एआईजी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। नए राइडर्स- मेंटल वेलबीइंग, एम्पावरहर, ओपीडी केयर, कैनकेयर और फ्लेक्सी शील्ड- मानसिक स्वास्थ्य, महिला स्वास्थ्य और कैंसर कवरेज जैसी महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तैयार किए गए हैं। एम्पावरहर राइडर महिलाओं के व्यापक स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों, जैसे बांझपन, पीसीओएस और अन्य स्त्री रोग संबंधी चिंताओं पर ध्यान केंद्रित करता है, जबकि मेंटल वेलबीइंग उद्योग में पहली बार मानसिक स्वास्थ्य निवारक जांच और पुनर्वास कवरेज पेश करता है। कैनकेयर बेहतर कैंसर सुरक्षा प्रदान करता है, ओपीडी केयर और फ्लेक्सी शील्ड सुनिश्चित करता है कि ग्राहक बढ़ती चिकित्सा लागतों और रोज़मर्रा के स्वास्थ्य खर्चों से सुरक्षित रहें।

भारत को ऑस्ट्रेलिया में जीत के लिए बुमराह, सिराज और शमी जैसे तेज गेंदबाजों की जरूरत : ली

नई दिल्ली(एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के महान तेज गेंदबाज ब्रेट ली ने कहा कि अगर भारत को इस साल ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी जीतनी है, तो उन्हें जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और शीर्ष फॉर्म में चल रहे मोहम्मद शमी जैसे तेज गेंदबाजों की जरूरत है। बुमराह और सिराज लगातार भारत के लिए खेल रहे हैं, जबकि शमी ने पिछले साल घरेलू वनडे विश्व कप के बाद से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेला है, क्योंकि वह अकिलीज़ टेंडन की चोट से उबर रहे हैं, जिसके लिए इस साल लंदन में सर्जरी की जरूरत थी। शमी, जिन्होंने भारत के बेंगलुरू टेस्ट में न्यूजीलैंड से आठ विकेट से हारने के बाद एक सत्र में गेंदबाजी करते समय अपने बाएं घुटने पर पट्टी बांध ली थी, ऑस्ट्रेलिया में महत्वपूर्ण टेस्ट श्रृंखला खेलने से पहले अपनी फिटनेस और तैयारियों का आकलन करने के लिए पहले रणजी ट्रॉफी में खेलने की संभावना है। अगर भारत को यहां जीतना है तो मोहम्मद शमी को फिट होना होगा। हम सभी जानते हैं कि बुमराह कितने अच्छे गेंदबाज हैं। वह ऐसा खिलाड़ी है जो गेंद को दोनों तरफ से घुमा सकता है और मुझे लगता है कि वह बहुत अच्छी गेंदबाजी करेगा। वह पुरानी गेंद से बहुत अच्छा खेलता है। वह रिवर्स स्विंग का बेहतरीन उदाहरण है। मोहम्मद सिराज नई गेंद को अच्छी तरह से घुमाता है और जब वह सीम को सीधा रखता है, तो वह उसे सही आकार देता है, और यहीं पर ऑस्ट्रेलिया मुश्किल में पड़ सकता है और गेंद को चकमा दे सकता है, खासकर पर्थ और एडिलेड जैसे विकेटों पर, जो तेज गेंदबाजी के लिए अनुकूल हो सकते हैं। ली ने फॉक्स क्रिकेट के 'द फॉलो ऑन' पॉडकास्ट पर कहा, मेरे लिए, यह संयोजन है। इसमें तीन तेज गेंदबाज और स्पिनर (रविचंद्रन) अश्विन शामिल हैं। फिर उनके पास ऐसे खिलाड़ी हैं जो भूमिका निभा सकते हैं। लेकिन अगर भारत जीतना चाहता है, तो आपके पास ये तीन तेज गेंदबाज होने चाहिए। ली का यह भी मानना है कि अगर शमी ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट खेलने के लिए समय पर तैयार नहीं होते हैं, तो भारत युवा तेज गेंदबाज मयंक यादव के साथ जा सकता है, जो आईपीएल 2024 से ब्रेकआउट स्टार्ट हैं, जिन्होंने इस महीने बांग्लादेश के खिलाफ अपना टी20 डेब्यू किया। यादव न्यूजीलैंड के खिलाफ चल रही टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम के लिए दौरे पर जाने वाले रिजर्व खिलाड़ियों में से एक हैं।

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के इतिहास में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बने आर.अश्विन

पुणे(एजेंसी)। भारत के स्टार ऑलराउंडर रविचंद्रन अश्विन गुरुवार को पुणे के महाराष्ट्र क्रिकेट संघ (एमसीए) स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट के दौरान आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के इतिहास में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए। अश्विन ने पहले दिन के शुरुआती सत्र में न्यूजीलैंड के कप्तान टॉम लैथम, सलामी बल्लेबाज विल यंग और डेवोन कॉनवे को आउट करके यह उपलब्धि हासिल की। इन तीन विकेटों के साथ, अश्विन ने 2019 से 2024 तक विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के इतिहास में 39 मैचों में 189 विकेट लिए हैं और ऑस्ट्रेलिया के नाथन लियोन को पीछे छोड़ दिया है, जिनके नाम 43 टेस्ट में 187 विकेट हैं। ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट कप्तान पैट कमिंस 42 मैचों में 175 विकेट लेकर तीसरे स्थान पर हैं। भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह 30 मैचों में 124 विकेट लेकर सातवें स्थान पर हैं। अश्विन ने अब तक 104 मैचों में 24 से कम की औसत से 530 विकेट लिए हैं, जो उन्हें भारत की सर्वकालिक टेस्ट विकेट लेने वाली सूची में दूसरे स्थान पर रखता है, जो कि केवल दिग्गज अनिल कुंबले से पीछे है, जिन्होंने 619 विकेट लिए हैं। अपनी शानदार गेंदबाजी के अलावा, इस ऑलराउंडर ने 26.44 की औसत से 3,438 रन बनाए हैं, जिसमें छह शतक और 14 अर्धशतक शामिल हैं।

मीर हमजा कराची में पुनर्वास के लिए पाकिस्तान की टेस्ट टीम से बाहर

मुल्तान(एजेंसी)। पाकिस्तान ने तेज गेंदबाज मीर हमजा को कराची में पुनर्वास जारी रखने की अनुमति देने के लिए अपनी टेस्ट टीम से बाहर कर दिया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने रावलपिंडी में इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे और निर्णायक टेस्ट के पहले दिन यह घोषणा की। हमजा अपने दाहिने ग्लूट में दर्द से जूझ रहे थे। तीसरे टेस्ट से पहले वे टीम के किसी भी सत्र में प्रशिक्षण का हिस्सा नहीं थे और मंगलवार को उन्हें पाकिस्तान टीम के फिजियोथेरेपिस्ट के साथ बैंड पुनर्वास अभ्यास करते देखा गया। बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज को पहले और अंतिम दो टेस्ट के लिए टीम में शामिल किया गया था, लेकिन श्रृंखला के दौरान किसी भी समय प्लेइंग इलेवन में शामिल नहीं किया गया। पाकिस्तान के लिए उनका आखिरी प्रदर्शन रावलपिंडी में बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट में था। 32 वर्षीय इस खिलाड़ी ने 42.08 की औसत से 12 विकेट लिए हैं। शुरुआत में पाकिस्तान ने तीन तेज गेंदबाजों- नसीम शाह, शाहीन अफरीदी और आमिर जमाल को खिलाया। हालांकि, बाद में उन्होंने तीन विशेषज्ञ स्पिनरों और एक तेज गेंदबाज जमाल को चुना, ताकि स्पिन के अनुकूल परिस्थितियों का सामना किया जा सके। अन्य तेज गेंदबाजों की तुलना में जमाल की बेहतर बल्लेबाजी क्षमता ने हमजा को लाइनअप से बाहर कर दिया, लेकिन एक छोटी सी चोट के कारण उन्हें अंतिम टेस्ट से बाहर होना पड़ा।

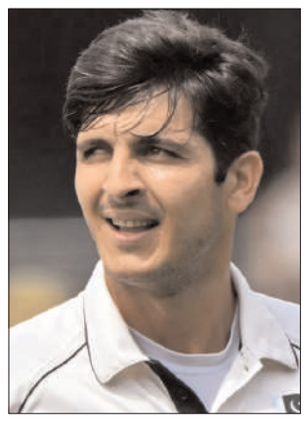

ओला इलेक्ट्रिक में नहीं थम रही गिरावट, ऑल टाइम हाई से 48 प्रतिशत फिसला शेयर

मुंबई(एजेंसी)। ओला इलेक्ट्रिक के शेयर में गिरावट का दौर जारी है। शेयर में लगातार कमजोरी देखी जा रही है। कारोबारी सत्र में शेयर 80 रुपये के नीचे भी फिसल गया। हालांकि, दिन के अंत में शेयर मामूली तेजी के साथ 81.76 रुपये पर बंद हुआ। कारोबारी सत्र में ओला इलेक्ट्रिक का शेयर गिरावट के साथ खुला था। शुरुआती कारोबार में ही शेयर ने 79.15 रुपये का न्यूनतम स्तर छुआ। इस दौरान शेयर ने 83 रुपये उच्चतम बनाया। ओला इलेक्ट्रिक के शेयर की लिस्टिंग अगस्त 2024 में हुई थी। लिस्टिंग के बाद शेयर में बड़ी तेजी देखी गई थी और शेयर ने 157 रुपये का उच्चतम स्तर बनाया था। इसके बाद से शेयर में लगातार गिरावट देखी जा रही है। बुधवार के बंद के मुताबिक, शेयर अपने उच्चतम स्तर से करीब 48 प्रतिशत लुढ़क चुका है। आनंद राठी शेयर्स और स्टॉक ब्रोकर्स में सीनियर मैनेजर - टेक्निकल रिसर्च एनालिस्ट, जिगर एस पटेल ने कहा कि ओला इलेक्ट्रिक के लिए 76 रुपये एक सपोर्ट लेवल के तौर पर काम करेगा और वहीं, 86 एक रुकावट का स्तर है। अगर यह 86 रुपये के ऊपर बंद होता है तो 98 रुपये तक जा सकता है। छोटी अवधि में यह 84 रुपये से लेकर 98 रुपये तक की रेंज में रह सकता है। बाजार के अन्य जानकारों का कहना है कि ओला इलेक्ट्रिक में 86 रुपये का मजबूत सपोर्ट टूट गया है और अगला लक्ष्य 75 रुपये का है। साथ ही बताया कि काउंटर में ट्रेंड लगातार नकारात्मक बना हुआ है। जानकारों ने आगे कहा कि लिस्टिंग के बाद 157 रुपये का उच्चतम स्तर छूने के बाद शेयर में लगातार गिरावट देखी जा रही है। अब यह आईपीओ प्राइस 76 रुपये के आसपास आ गया है। शेयर की स्थिति कमजोर बनी हुई है और हर स्तर पर बिकवाली देखी जा रही है। साथ ही कहा कि कमजोरी को देखते हुए निवेशकों को इस स्टॉक से दूर रहना चाहिए और मजबूत फंडामेंटल वाले शेयरों में निवेश करना चाहिए। ओला इलेक्ट्रिक के शेयर में गिरावट की वजह बिक्री में कमी आना और सर्विस से जुड़ी समस्या का होना है।

गुजरात टाइटंस ने किया कंफर्म, इन दो खिलाड़ियों को करेगी रिटेन

नईदिल्ली(एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 की मेगा नीलामी से पहले गुजरात टाइटंस किन दो खिलाड़ियों को रिटेन करने जा रही है उसे लेकर टीम ने बड़ा संकेत दे दिया है. टीम ने अपने सोशल मीडिया हैंडस एक्स के माध्यम से दोनों खिलाड़ियों की तस्वीर पोस्ट करते हुए उनके रिटेंशन के संकेत दिए हैं. आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी से पहले जीटी अपने दो सबसे बड़े खिलाड़ियों कप्तान शुभमन गिल और उपकप्तान राशिद खान को रिटेन कर सकती है. जीटी से अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर इन दोनों खिलाड़ियों के साथ वाली तस्वीर पोस्ट करते हुए इनके रिटेंशन के संकेत दिए हैं. इन दो खिलाड़ियों के अलावा तीसरे खिलाड़ी के रुप में जीटी किसे रिटेन करेगी इसका कोई संकेत नहीं मिल सका है. शुभमन गिल और राशिद खान टीम के साथ पहले सीजन यानी आईपीएल 2022 से ही जुड़े रहे हैं और टीम की पिछली 3 साल की सफलताओं में इनका अहम योगदान रहा है. 2024 में हार्दिक के मुंबई इंडियंस में लौटने के बाद गिल को कप्तान बनाया गया था. राशिद 2022 से ही टीम की उपकप्तानी कर रहे हैं. गिल 2022 से लेकर 2024 तक टीम के लिए 45 मैच खेल चुके हैं जिसमें 4 शतक और 10 अर्धशतक लगाते हुए 1799 रन बना चुके हैं. वहीं आईपीएल करियर में 103 मैचों में 4 शतक और 20 अर्धशचक लगाते हुए वे 3216 रन बना चुके हैं. राशिद खान की बात करें तो 2022 से 2024 के बीच जीटी के लिए वे 45 मैचों में 56 विकेट ले चुके हैं. इसके अलावा वे 322 रन भी बना चुके हैं. 2017 से आईपीएल खेल रहे राशिद कुल 121 मैचों में 149 विकेट ले चुके हैं.

फ्लिपकार्ट और उत्तर प्रदेश के ओडीओपी विभाग ने वाराणसी में ग्रामीण कारीगरों, एसएचजी और सूक्ष्म उद्यमियों के लिए कार्यशाला का आयोजन किया

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत के घरेलू ईकॉमर्स मार्केटप्लेस फ्लिपकार्ट ने आज उत्तर प्रदेश सरकार के एक जिला-एक उत्पाद (ओडीओपी) विभाग के साथ मिलकर ओरिएंटेशन वर्कशॉप का आयोजन किया। स्थानीय कारीगरों एवं शिल्पकारों को सशक्त करने और उन्हें अपने ऑनलाइन कारोबार के विकास को गति देने के लिए फ्लिपकार्ट मार्केटप्लेस की संभावनाओं का लाभ उठाने में सक्षम बनाने के उद्देश्य से इस कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के दौरान ओडीओपी विभाग के अधिकारियों और फ्लिपकार्ट के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

कार्यशाला का आयोजन उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले में किया गया। इसका उद्देश्य हस्तनिर्मित एवं हथकरघा उत्पाद बनाने वाले सूक्ष्म एवं छोटे उद्यमियों, उद्यमों, स्वयं सहायता समूहों और व्यक्तिगत कारीगरों को मजबूत बनाना था। कार्यशाला में उन्हें फ्लिपकार्ट मार्केटप्लेस से जुड़ी व्यापक जानकारियां प्रदान करने और वंचित कारीगरों, शिल्पकारों एवं बुनकरों को ई-कॉमर्स की दुनिया से परिचित कराने पर फोकस किया गया। इसका उद्देश्य उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर बाजार तक पहुंच प्रदान करना, प्रोडक्ट की लिस्टिंग को सुगम बनाना और कारोबार के विकास में मदद के लिए आजीविका के अवसरों को बढ़ावा देना था। उत्तर प्रदेश सरकार के ओडीओपी विभाग के साथ मिलकर फ्लिपकार्ट के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यशाला में वाराणसी, चंदौली, जौनपुर और गाजीपुर से 50 से ज्यादा से सेलर्स ने हिस्सा लिया।

उत्तर प्रदेश सरकार के ओडीओपी विभाग के साथ मिलकर इस वर्कशॉप के आयोजन को लेकर फ्लिपकार्ट ग्रुप के चीफ कॉरपोरेट अफेयर्स ऑफिसर श्री रजनीश कुमार ने कहा, 'देशभर के कारीगरों, एमएसएमई, एसएचजी, महिलाओं के नेतृत्व वाले उद्यमों और शिल्पकारों को सशक्त करते हुए सामाजिक-आर्थिक विकास को गति देने के लिए फ्लिपकार्ट प्रतिबद्ध है। फ्लिपकार्ट समर्थ जैसी पहल के माध्यम से हमारा लक्ष्य इन समुदायों को डिजिटल इकोनॉमी में आगे बढ़ने के लिए जरूरी टूल्स, संसाधन और राष्ट्रीय बाजार तक पहुंच प्रदान करना है। ई-कॉमर्स को अपनाने और उद्यमिता की क्षमता के मामले में एक हब के रूप में उत्तर प्रदेश महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। आज की कार्यशाला को इन समुदायों से सीधे तौर पर जुड़ने के एक महत्वपूर्ण अवसर के रूप में आगे बढ़ाया गया। इस पहल से राष्ट्रीय स्तर पर एमएसएमई इकोसिस्टम को मजूबत करते हुए इन समुदायों को अपना कारोबार बढ़ाने, विकास के नए रास्ते खोलने और समावेशी विकास में योगदान देने में मदद मिलेगी।'

2019 में लॉन्च किया गया, फ्लिपकार्ट समर्थ एक राष्ट्रव्यापी पहल है जिसका उद्देश्य ई-कॉमर्स के माध्यम से एमएसएमई, कारीगरों और वंचित समुदायों के लिए विकास के नए अवसर खोलना है।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com
रायपुर, शनिवार 26 अक्टूबर 2024

दाधापारा गेट में रेल मरम्मत कार्य, वाहनों का आवागमन बंद

रायपुर (विसं)। रायपुर रेल मंडल का दाधापारा फाटक रेलवे समपार सं 369 (किलोमीटर-725/24-28) में रेल पथ अप एवम् डाउन लाइन का अति आवश्यक मरम्मत कार्य हेतु दिनांक 26.10.24 दिन शनिवार रात 09:00 बजे से दिनांक 29.10.24 मंगलवार रात 09:00 बजे तक के लिए आवागमन अवरुद्ध रहेगा।

संक्षिप्त समाचार

चरौदा में संयुक्त रूप से हुआ पालक शिक्षक मेगा बैठक का आयोजन

आरंग (विश्व परिवार)। शुक्रवार को शासकीय प्राथमिक, नवीन प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शाला चरौदा में संयुक्त रूप से पालक शिक्षक मेगा बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें पालको, एसएमसी सदस्यों व पंचायत प्रतिनिधियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। बैठक में बच्चों की त्रैमासिक मूल्यांकन की प्रगति रिपोर्ट, चिर गैरहाजिर बच्चों की शाला में नियमित उपस्थिति सहित अन्य शालायीन गतिविधियों पर चर्चा परिचर्चा की गई। साथ ही नवीन प्राथमिक शाला सड़क पारा चरौदा का एसएमसी गठन किया गया। जिसमें उपस्थित पालकों द्वारा अध्यक्ष, उपाध्यक्ष व अन्य सदस्यों का मनोनयन कर गठन किया गया।इस अवसर पर बड़ी संख्या में पालकों शिक्षक शिक्षिकाओं व एसएमसी सदस्यों व जनप्रतिनिधियों तथा तीनों शालाओं के संस्था प्रमुखों की उपस्थिति रही।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर द्वारा कैम्प का आयोजन किया जाएगा

रायपुर (विश्व परिवार)। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन क्षेत्रीय कार्यालय, रायपुर (छ.ग.) द्वारा माह अक्टूबर 2024 में दिनांक 28.10.2024 को निधि आपके निकट 2.0 के अंतर्गत छत्तीसगढ़ प्रदेश के सभी 33 जिलों में क्रमश: जनपद पंचायत बालोद, कम्पोजिट बिल्डिंग कलेक्टोरेट ऑफिस बलोदाबाज़ार, जिला पंचायत बलरामपुर, श्रम कार्यालय, कलेक्टोरेट परिसर जगदलपुर, जनपद पंचायतबेमेतरा, नेशनल हेल्थ मिशन (NHM) बीजापुर, जिला पंचायत बिलासपुर, जनपद पंचायतदंतेवाड़ा, जिला पंचायत धमतरी, ई एस आई सी राधिका नगर भिलाई-दुर्ग, जनपद पंचायत गरियाबंद, श्रम कार्यालय गोरेला-पेंड्रा-मरवाही, कलेक्टर परिसर जांजगीर, जनपद पंचायत जशपुर, नगर पालिका निगमकबीरधाम (कवर्धा), कलेक्टर परिसर कांकेर, जनपद पंचायत कार्यालय खैरागढ़, नगर पालिका निगम कोंडागांव, श्रम कार्यालय रामपुर कोरबा,नगर पालिका परिसद बैकुंठपुर कोरिया, जिला पंचायत महासमुंद, नगर निगम मनेन्द्रगढ़, जनपद पंचायत कार्यालय मोहला मोहला-मानपुर-चौकी, कलेक्टोरेट परिसर मुंगेली, जिला पंचायत कार्यालय नारायणपुर, ई एस आई सी कार्यालय रायगढ़, ई एस आई सी कार्यलय चौबे कॉलोनी रायपुर, ई एस आई सी कार्यालय वर्धमान नगर राजनांदगांव, जनपद पंचायत सारंगढ़, जिला पंचायत अंबिकापुर सरगुजा, नगर पालिका परिषद् सक्ती, नगर पालिका कार्यालय सुकमा, जिला पंचायत सूरजपुर स्थानों पर कैम्प का आयोजन किया जाएगा। अत: समस्त नियोक्ताओं/ अंशधारकों/ पेंशनरों से निवेदन है कि अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर अपनी समस्याओं/ शिकायतों के निराकरण हेतु उक्त स्थानों पर जिला नोडल अधिकारी से संपर्क करें।

रायपुर दक्षिण विधानसभा उपनिर्वाचन के लिए नियुक्त सामान्य प्रेक्षक पहुंची रायपुर

रायपुर (विश्व परिवार)। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा रायपुर दक्षिण विधानसभा उपनिर्वाचन के लिए सामान्य प्रेक्षक की नियुक्ति कर दी गई है। रायपुर दक्षिण विधानसभा उप निर्वाचन 2024 से संबंधित जानकारी आम नागरिकगण प्रेक्षक के मोबाइल नंबर पर या उनसे निर्धारित स्थान पर प्रत्यक्ष संपर्क कर प्रदान कर सकते है। रायपुर दक्षिण विधानसभा उपनिर्वाचन हेतु नियुक्त सामान्य प्रेक्षक आंध्रप्रदेश कैडर की 2008 बैच की (आई.ए.एस.) श्रीमती जी रेखा रानी प्रतिदिन सुबह 10 बजे से 11 बजे तक एवं शाम को 5 से 6 बजे तक सिविल लाइन रायपुर के नये सर्किट हॉउस मीटिंग हॉल में आमजन के लिए उपलब्ध रहेंगी। इसके अलावा सामान्य प्रेक्षक से उनके मोबाइल नम्बर 9407780118 पर भी संपर्क किया जा सकता है।

दीपावली एवं छठ पूजा को देखते हुए रेलवे ने शुरू की विशेष तैयारी

रायपुर रेल मंडल में दीपावली एवं छठ पूजा के अवसर पर स्टेशनों में यात्रियों की सुविधा के लिए अधिकारियों एवं वाणिज्य निरीक्षकों की तैनाती

रायपुर (विश्व परिवार)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल में दीपावली एवं छठ पूजा के अवसर पर स्टेशनों में यात्रियों की सुविधा के लिए विशेष तैयारी की जा रही है रायपुर एवं दुर्ग स्टेशनों पर अतिरिक्त स्टाफ लगाया जा रहा है। जिससे यात्रियों को किसी भी सुविधा का सामना न करना पड़े। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अवधेश कुमार त्रिवेदी जी के निर्देशन में दीपावली एवं छठ पूजा के त्यौहार को देखते हुए 20 रेलवे अधिकारियों एवं 10 मुख्य वाणिज्य निरीक्षकों को स्टेशनों पर यात्रियों की व्यवस्था हेतु नामित किया गया है जो स्टेशनों पर लगातार यात्रियों की भीड़ को नियंत्रित करते हुए सुगम एवं व्यवस्थित तरीके से ट्रेनों में यात्रियों के चढ़ने, एक प्लेटफार्म से दूसरे प्लेटफार्म का उपयोग करते समय सावधानी रखने, लिफ्ट ओवरलोडेड ना हो एस्केलेटर का संचालन सही हो इसकी सुनिश्चितता करेंगे एवं सुव्यवस्थित पार्किंग पर निगरानी रखेंगे।

टिकट काउंटर- टिकट काउंटर पर यात्रियों की भीड़ न हो यात्री व्यवस्थित होकर टिकट ले इस हेतु समुचित टिकट काउंटरों की व्यवस्था की गई है। टिकट पर्यवेक्षकों को निर्देशित किया गया है कि टिकट काउंटर पर भीड़ की व्यवस्था की निगरानी रखेंगे एवं उच्च अधिकारियों एवं वाणिज्य कंट्रोल को सूचित करेंगे। रायपुर एवं दुर्ग स्टेशन पर रायपुर रेल मंडल में सर्वाधिक यात्रियों का आवागमन रहता है वर्तमान में रायपुर स्टेशन पर 05 आरक्षित टिकट काउंटर एवं 05 अनारक्षित टिकट काउंटर उपलब्ध रहेंगे एवं दुर्ग स्टेशन पर 03 अनारक्षित काउंटर एवं 03 आरक्षित काउंटर उपलब्ध रहेंगे साथ ही यात्रियों को यूटीएस ऑन मोबाइल ऐप के माध्यम से अनारक्षित टिकट बनाने हेतु भी जागरूक किया जा रहा है। यात्री एटीएम ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीन के माध्यम से भी टिकट प्राप्त कर रहे हैं। शहर में बने यात्री टिकट सुविधा केंद्र (YTSK) के माध्यम से भी आरक्षित टिकट प्राप्त कर सकते हैं।

क्राउड मैनेजमेंट- ट्रेनों में टीटीई को निर्देशित किया गया है कि वह क्राउड मैनेजमेंट पर विशेष ध्यान देंगे एवं यात्रियों की यात्री सुविधाओं को सुनिश्चित करेंगे रेल नियमों का पालन करते हुए यात्रियों से सौम्य व्यवहार के साथ उन्हें अपने गंतव्य स्टेशन तक की यात्रा कराएंगे।

अतिरिक्त टिकट चेकिंग स्टाफ- दीपावली एवं छठ पूजा के त्यौहार को देखते हुए रायपुर एवं दुर्ग स्टेशनों के अतिरिक्त भिलाई पावर हाउस, तिल्दा नेवरा, भाटापारा बिल्हा, बालोद स्टेशनों पर अतिरिक्त टिकट चेकिंग स्टाफ को तैनात किया गया है।

पूछताछ केंद्र- पूछताछ केंद्र पर त्वरित जानकारी उपलब्ध हो इस हेतु भी संबंधित निरीक्षकों एवं स्टाफ को निर्देशित किया गया है। ताकि यात्रियों को सही एवं व्यवस्थित जानकारी मिल सके।

उद्घोषणा- उद्घोषणा सिस्टम के माध्यम से स्टेशनों पर लगा लगातार कोच पोजिशन एवं ट्रेनों का आवागमन का समय एवं प्लेटफार्म की सूचना प्रदान की जा रही है।

पेयजल एवं खानपान- यात्रियों के लिए पेयजल एवं खानपान की व्यवस्था स्टेशनों पर उपलब्ध सभी स्टॉल एवं कैटरिंग यूनिटों को निर्देशित किया गया है कि यात्रियों से निर्धारित दरों के अनुसार ही खाद्य सामग्रियों को बेचा जाए। पर्याप्त मात्रा में खाद्य सामग्री उपलब्ध रखें ताकि यात्रियों को और असुविधा न हो।

यात्री सुरक्षा एवं चिकित्सा सुविधा- यात्रियों की सुरक्षा हेतु स्टेशन पर सीसीटीवी कैमरा, स्कैनर लगाए गए हैं अतिरिक्त रेलवे सुरक्षा बल की व्यवस्था की गई है। महिला, बुजुर्ग दिव्यांग यात्रियों के लिए विशेष ध्यान दिया जा रहा हैं। यात्रियों को किसी भी प्रकार से अस्वस्थ महसूस होने पर तत्काल स्टेशन प्रबंधक/ टीटीई को सूचित करने की सलाह दी जाती है। गंभीर चिकित्सा सहायता हेतु स्टेशन पर रेलवे हॉस्पिटल की टीम 24 घंटे उपस्थित रहेगी।

वाणिज्य कंट्रोल रूम- वाणिज्य कंट्रोल रूम में 24 घंटे सभी ट्रेनों एवं स्टेशनों पर उपलब्ध वाणिज्य स्टाफ से लगातार संपर्क बनाए रखने हेतु व्यवस्था की गई है। संबंधित वाणिज्य निरीक्षक यात्रियों की सुविधा हेतु जानकारी लेकर उच्च अधिकारियों को अवगत कराएंगे।

त्योहारी सीजन में बढ़ती हुई भीड़ को देखते हुए वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अवधेश कुमार त्रिवेदी जी ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि रेलवे नियमों का पालन करें एवं स्टेशनों पर अनावश्यक भीड़ ना बढ़ाएं यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा होने पर 139 एवं रेल मदद पर संपर्क करें। स्टेशन /ट्रेन में कार्यरत वाणिज्य स्टाफ से संपर्क करें। यात्रियों से अनुरोध है कि स्वच्छता बनाए रखें डस्टबिन का उपयोग करें।

राज्य बिजली घरों के लिए सूचना सुरक्षा एवं साइबर आपदा प्रबंधन योजना को मंजूरी

विश्व साइबर सुरक्षा माह में जनजागरूकता का आव्हान

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी के बिजली घरों के लिए मैनेजमेंट इंफारमेशन सिस्टम-इंफारमेशन टेक्नोलॉजी विभाग द्वारा बनाये गये सूचना व साइबर सुरक्षा मापदण्डों, अनुदेशों और योजना को कंपनी संचालक मण्डल की स्वीकृति मिल गई है। जनरेशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री एस के कटियार ने कंपनी मुख्यालय तथा बिजलीघरों में कार्यरत अधिकारियों को साइबर सुरक्षा मापदण्डों का पालन करने का निर्देश दिया हैं।

विश्व साइबर सुरक्षा माह के अवसर पर भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय तथा केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण द्वारा पूरे देश में जनजागरण अभियान संचालित किया जा रहा है। इसके तहत आज सुरक्षा उपायों की समीक्षा की गई तथा यह जानकारी दी गई कि छत्तीसगढ़ में तीनों विद्युत उत्पादन संयंत्रों डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह, हसदेव ताप विद्युत गृह कोरबा पश्चिम, अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह को आईएसओ-27001:2022 इन्फॉर्मेशन सिक्यूरिटी मैनेजमेंट सिस्टम (आईएसएमएस) एवं साइबर क्रायसिस मैनेजमेंट प्लान (सीसीएमपी) का पालन करना है। साथ ही एमआईएस-आईटी द्वारा निर्मित साइबर सिक्यूरिटी टीप आधारित टेबल कैलेण्डर का विमोचन श्री एस.के. कटियार द्वारा किया गया।

विद्युत मंत्रालय एवं केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण द्वारा पॉवर सेक्टर में साइबर सुरक्षा के लिए जन-जागरूक अभियान के तहत पूरे विश्व में अक्टूबर माह को 'साइबर सुरक्षा माह' के रूप में मनाया जा रहा है। इसी के तहत आज एम.आईएस-आईटी द्वारा साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम में साइबर अटैक एवं उसके रोकथाम के घटकों के बारे में बताया गया।

इस अवसर पर प्रबंध निदेशक श्री एस.के. कटियार ने जनरेशन कंपनी के मुख्यालय एवं संयंत्र के अधिकारियों को साइबर सुरक्षा के लिए पॉलिसी गाइडलाइन का पालन करने हेतु आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अत्याधुनिक तकनीकों के बढ़ते उपयोगिता के साथ-साथ साइबर खतरे, डाटा सिस्टम को हानिकारक वायरस से बचने हेतु हमें जागरूक रहना होगा। साइबर सिक्यूरिटी के लिए यह महत्वपूर्ण कदम है। इस कार्य के लिए श्री कटियार ने ईडी (ओ एंड एम) श्री एम.एस. कंवर, आई.टी सेल के अतिरिक्त मुख्य अभियंता नलिनी खाण्डे, अधीक्षण अभियंता श्री एम.के. नायक, कार्यपालन अभियंता श्रीमती अमिता बारा, सहायक अभियंता श्री महेंद्र देवांगन और पूरी टीम को बधाई दी।

स्वच्छ बिजली से पूर्वोत्तर भारत को रौशन कर रहा है ओएनजीसी- त्रिपुरा पावर कम्पनी (ओटीपीसी)

अगरतला (पीआईबी)। पत्र सूचना कार्यालय, रायपुर के नेतृत्व में आज छत्तीसगढ़ की मीडिया टीम ने त्रिपुरा के गोमती जिले में स्थित ओएनजीसी-त्रिपुरा पावर कम्पनी (ओटीपीसी) का दौरा किया। त्रिपुरा पावर कम्पीन नैचुल गैस पर आधारित बिजली संयंत्र है, जो कि त्रिपुरा के साथ ही पूवोत्तर के छह अन्य राज्यों को भी बिजली की आपूर्ति करती है।

ओटीपीसी के चीफ एक्जिक्यूटिव ऑफिसर (सीईओ) श्री संजय गढ़वाल ने बताया कि त्रिपुरा में उपलब्ध गैस का समुचित उपयोग करने और भारत के पूर्वोत्तर राज्यों के बिजली की कमी वाले क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति करने के उद्देश्य से तेल एवं प्राकृतिक गैर निगम (ONGC) द्वारा इंफ्रास्ट्रक्चर लीजिंग एंड फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड (IL&FS) और त्रिपुरा सरकार के साथ मिलकर 18 सितंबर, 2008 को पालाटाना, त्रिपुरा में 726.6 मेगावाट के कंबाइंड साइकिल गैस टर्बाइन (ष्टष्टत्रञ्ज) की स्थापना के लिए ओएनजीसी त्रिपुरा पावर कंपनी (OTPC) का गठन किया गया। उन्होंने बताया कि इस बिजली संयंत्र के 363.3 मेगावाट के पहले ब्लॉक का 04 जनवरी, 2014 से और 363.3 मेगावाट के दूसरे ब्लॉक का 24 मार्च, 2015 से वाणिज्यिक संचालन शुरू किया गया था। श्री गढ़वाल ने बताया कि पूवोत्तर राज्यों का सबसे बड़ा प्लांट होने की वजह से यह कुल बिजली का 25 प्रतिशत भाग यह अकेले ही आपूर्ति करता है।

श्री संजय गढ़वाल ने बताया कि सीएसआर बोर्ड द्वारा तय मानदंडों के आधार पर ओटीपीसी सालाना 03 करोड़ रूपए सीएसआर पर खर्च कर रहा है। यह खर्च प्लांट के 10 से 25 किलोमीटर की परिधि में कुल सीएसआर का 80 प्रतिशत हिस्सा ग्रामीण महिलाओं के सशक्तिकरण में, स्कूलों के निर्माण में और हर महीने लगभग 3000 कन्या छात्राओं को सेनेटरी पैड उपलब्ध कराता है। इसके अलावा ग्रामीण छात्र-छात्राओं के लिए आईआईटी और जेईई जैसे परीक्षाओं के तैयारी में मदद करता है। साथ ही 4 मोबाईल हेल्थ वैन के माध्यम से लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर निःशुल्क दवाईयां उपलब्ध करा रहा है।

ओटीपीसी के प्रोजेक्ट हेड श्री तापस भौमिक ने ओटीपीसी प्लांट की स्थापना के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया इस प्लांट के लिए बड़ी मशीनरी बांग्लादेश के रास्ते त्रिपुरा लाई गयी है।

श्री भौमिक ने बताया कि गैस पर आधारित होने के कारण यह परियोजना राष्ट्रीय संचरण ग्रिड को स्वच्छ बिजली की आपूर्ति कर रही है। स्वच्छ बिजली की आपूर्ति के कारण कार्बन-डाइऑक्साइड उत्सर्जन में कमी आई है। स्वच्छ बिजली के निर्यात होने से पर्यावरण उत्सर्जन में वृद्धि होती है। श्री भौमिक बताया कि कोयला जोकि एक गैर-नवीकरणीय संसाधन है की बचत होती है जिसका उपयोग अन्य कार्यों में हो सकेगा। कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में कमी होने से आम लोगों का विस्थापन में कमी और भूमि का संरक्षण होता है।

मैट्स यूनिवर्सिटी के फैशन विभाग ने आयोजित किया मेकअप पर वर्कशॉप

रायपुर (विश्व परिवार)। मैट्स स्कूल ऑफ फैशन डिजाइनिंग एंड टेक्नोलॉजी विभाग द्वारा ब्राइडल मेकओवर वर्कशॉप 2024 का सफल आयोजन किया गया। इस दौरान मेकअप को आत्म-अभिव्यक्ति और रचनात्मकता के एक शक्तिशाली साधन के रूप में प्रोत्साहित किया गया। इस कार्यक्रम में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि लोग किस तरह मेकअप का उपयोग अपनी व्यक्तिगत शैली और पहचान को बढ़ाने के लिए कर सकते हैं और इसे एक कला रूप में बदल सकते हैं। इस कार्यशाला की शुरुआत मेकअप लगाने की अनिवार्यताओं के बारे में एक व्यावहारिक परिचय के साथ हुई, जिसमें त्वचा की तैयारी, बेस लगाना और कंटूरिंग की जानकारी दी गई। विषय विशेषज्ञ के रूप में प्रसिद्ध मेकअप आर्टिस्ट श्वेता राय, दिल्ली प्रमुख रूप से उपस्थित थीं। उन्होंने वीएलसीसी दिल्ली से सीआईडीईएससीओ सर्टिफिकेट कोर्स किया है। उन्होंने प्रीमियम उत्पादों का उपयोग करने के साथ ही उन्नत तकनीकों का प्रदर्शन करके दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने फिनिश प्राप्त करने के लिए अमूल्य सुझाव दिए। कार्यशाला मुख्य रूप से ब्राइडल मेकअप केंद्रित थी।

फैशन डिजाइनिंग विभाग की विभागाध्यक्ष परविंदर कौर ने बताया की इस वर्कशॉप के माध्यम से प्रतिभागियों ने आत्मविश्वास से परिपूर्ण होकर मेकअप स्टाइल तैयार करने का कौशल सीखा। इस अवसर पर कुलाधिपति श्री गजराज पगारिया, कुलपति प्रो. डॉ. केपी यादव, महानिदेशक श्री प्रियेश पगारिया, उपकुलपति डॉ. दीपिका ढांड, कुलसचिव श्री गोकुला नंदा पांडा ने इस कार्यक्रम को विभाग का सराहनीय प्रयास बताते हुए ही हर्ष व्यक्त किया।

फसल अमृत शोध को लेकर वैज्ञानिकों से हुई चर्चा

रायपुर (विश्व परिवार)। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में चार दिवसीय एग्री कार्नीवाल 'राष्ट्रीय किसान मेला एवं कृषि प्रदर्शनी' का शुक्रवार को समापन हो गया। राष्ट्रीय किसान मेला एवं कृषि प्रदर्शनी में मनोहर गौशाला खैरागढ़ के स्टॉल में मैनेजिंग ट्रस्टी डॉ. अखिल जैन (पदम डाकलिया) ने यहां आए किसानों, वैज्ञानिकों, कृषि कॉलेज के छात्रों के साथ ही अन्य नागरिकों को समूह बनाकर फसल अमृत और मनोहर आर्गेनिक गोल्ड बनाने का प्रशिक्षण दिया। साथ ही नेचुरल फार्मिंग पर हुई कार्यशाला में हिस्सा लेकर वैज्ञानिकों के बीच अपना उद्बोधन दिया, जिसकी सभी वैज्ञानिकों ने प्रशंसा की। मनोहर गौशाला में बन रहे फसल अमृत और आर्गेनिक गोल्ड की भी सराहना की।

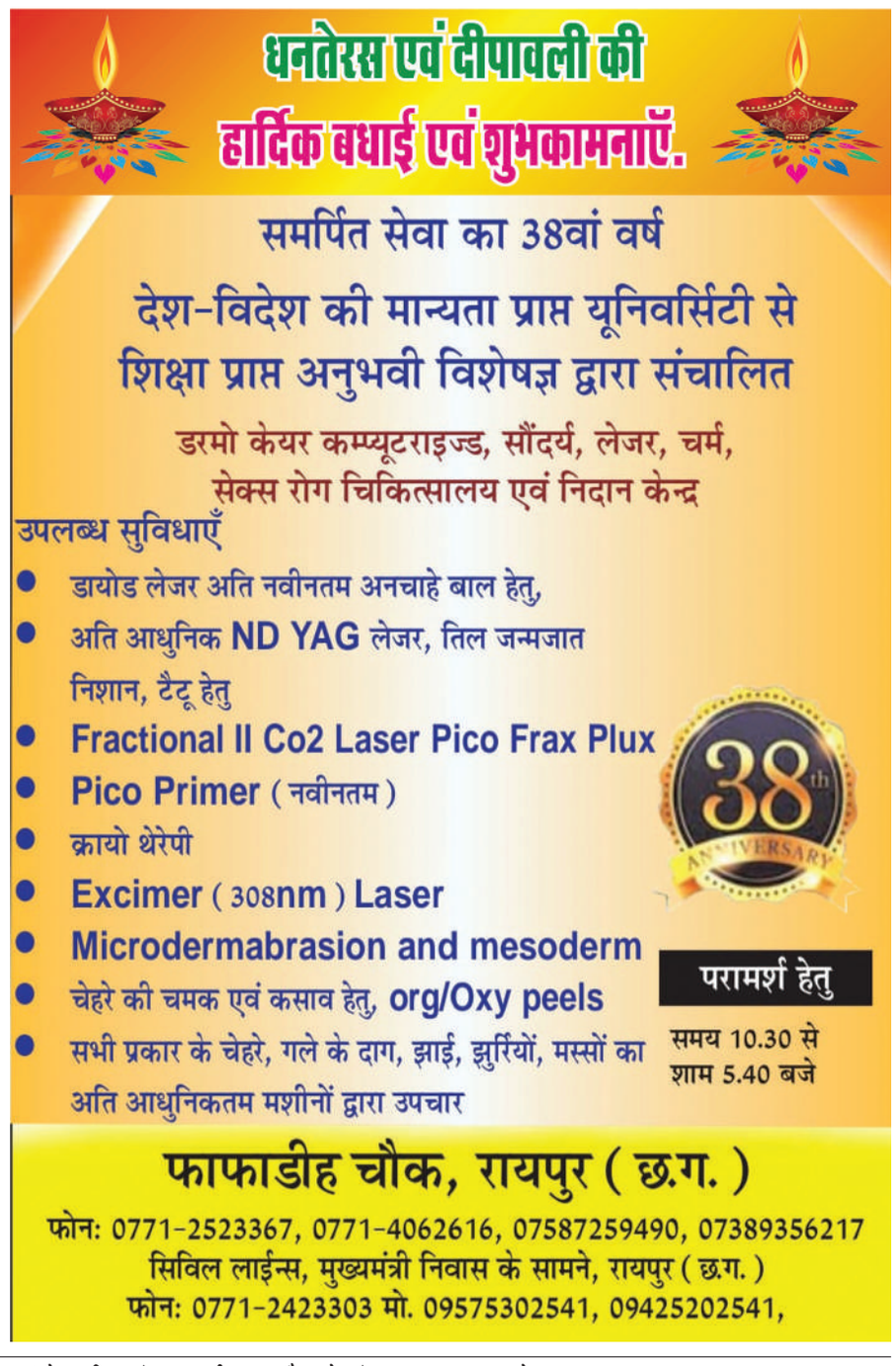

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा मे. विश्व परिवार इंडस्ट्रीज, प्लॉट नं.-421 सेक्टर-सी, सड़क नं.-7 उरला इंडस्ट्रीयल एरिया उरला, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354